Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 15 July 2024 ● Year : 02 ● Issue : 177 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

व्यक्ति को अपने काम में खुशी मिलनी चाहिए। अगर जीवन लक्ष्यहीन है तो यह हमारी आत्मा को भी नष्ट कर सकता है।

–रस्किन बॉन्ड

Ameesha Patel
Had Emraan...

SARAFA

सोना	:	6,930
चांदी	:	99.99

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

घुसपैठ की कोशिश नाकाम तीन आतंकवादी ढेर

KUPWADA : सेना के जवानों ने कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर आज घुसपैठ की कोशिश नाकाम की। इस दौरान आतंकवादियों के खिलाफ जारी अभियान में 3 आतंकवादियों को मार गिराया गया। भारतीय सेना ने बताया, अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और अन्य सामग्री बरामद की गई है। ऑपरेशन जारी है। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियां घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों द्वारा अपनाई गई रणनीति से जूझ रही हैं। यह खतरा उत्तरी कश्मीर और कठुआ जिले में हाल ही में घात लगाकर किये गये हमलों और मुठभेड़ों में स्पष्ट दिख रही है। उसके बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। सोपोर में 26 अप्रैल को हुई मुठभेड़ में शामिल विदेशी आतंकवादी 18 महीने से छिपे हुए थे। जून में इसी प्रकार के अभियानों से छिपे हुए नेटवर्क ध्वस्त हो गए, आतंकवादियों की योजनाओं और क्षमताओं का खुलासा हुआ। और सीमा पार से घुसपैठ के अनदेखे उच्च-स्तरीय पहलू भी सामने आए।

चार बच्चों के साथ कुएं में कूदी महिला, बच्चों की मौत

MANDSAUR : मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में रविवार सुबह एक महिला अपने चार बच्चों के साथ कुएं में कूद गई। इस घटना में चारों बच्चों की डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने महिला को बचा लिया। लोगों से पूछताछ में यह पता चला है कि महिला का अपने पति से किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद महिला ने अपनी दो बालिकाओं और दो बालकों के साथ कुएं में छलांग लगाई। पुलिस के अनुसार घटना गरोठ इलाके के पीपलखेड़ा गांव में रविवार सुबह करीब 6 बजे हुई। यहां पति से झगड़े के बाद महिला ने ये कदम उठाया। बच्चों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए गरोठ के शासकीय अस्पताल ले जाया गया है। गरोठ एएसपी हेमलता कुरील ने बताया कि पीपलखेड़ा गांव की सुगना बाई (40) को उसका पति रोड सिंग बंजारा प्रताड़ित करता था। शनिवार रात को भी सुगना से मारपीट की थी। पति से बचकर महिला रात में चारों बच्चों को लेकर आंगनबाड़ी केंद्र चली गई। रातभर आंगनबाड़ी में रहने के बाद महिला सुबह बच्चों के साथ खेत पर पहुंची और यहां कुएं में छलांग लगा दी।

मोदी के 'एक्स' पर फॉलोअर्स की संख्या पहुंची 10 करोड़

NEW DELHI : दुनियाभर में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फॉलोअर्स की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसका अंदाजा उनके एक्स (पूर्व में ट्विटर) फॉलोअर्स से आप लगा सकते हैं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक नया रिकॉर्ड बन गया है। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी के 100 मिलियन यानी 10 करोड़ फॉलोअर्स पूरे हो गए हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले नेता बन गए हैं। पिछले तीन साल में प्रधानमंत्री मोदी के एक्स पर लगभग 30 मिलियन यूजर्स की बढ़ोतरी हुई है।

46 साल बाद फिर खोला गया पुरी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

समिति के सदस्यों ने दोपहर करीब 12 बजे मंदिर में किया प्रवेश, अनुष्ठान के बाद पूरा हुआ खोलने का काम

AGENCY BHUBANESWAR : रविवार को ओडिशा के पुरी में स्थित 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 46 साल फिर से खोला गया। अधिकारियों ने बताया कि आभूषणों, मूल्यवान वस्तुओं की सूची बनाने और भंडार गृह की मरम्मत करने के लिए रत्न भंडार को खोला गया है। इसके पहले 1978 में इसे खोला गया था। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा गठित समिति के सदस्यों ने दोपहर करीब 12 बजे मंदिर में प्रवेश किया और अनुष्ठान करने के बाद रत्न भंडार पुनः खोला गया। उधर, रत्न भंडार का दूसरा दरवाजा खुलते ही एसपी पिनाक मिश्रा बेहोश हो गए, हालांकि इसका कारण पता नहीं चल सका। डॉक्टर की टीम ने मंदिर परिसर के अंदर ही उनका इलाज किया। वहीं, शाम 5.15 बजे ओडिशा डिजास्टर रैपिड एक्शन फोर्स जगन्नाथ मंदिर से बाहर निकल आई।

मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की भीड़

मंदिर के अंदर समिति के सदस्य

विधानसभा चुनाव में उठाया गया था मुद्दा

ओडिशा में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में रत्न भंडार को पुनः खोलना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा था। भाजपा ने तत्कालीन सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) पर इसकी खोई हुई चाबियों को लेकर निशाना साधा था और लोगों से वादा किया था कि अगर वह चुनाव जीतती है तो रत्न भंडार को फिर से खोलने का प्रयास करेगी। ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा गया, भगवान जगन्नाथ की इच्छा पर उड़िया समुदाय ने 'उड़िया अस्मिता' की पहचान के साथ आगे बढ़ने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। इसमें कहा गया, आपकी इच्छा पर ही जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार खोले गए थे। आज आपकी इच्छा पर ही 46 साल बाद रत्न भंडार को एक बड़े उद्देश्य के लिए दोपहर एक बजकर 28 मिनट पर शुभ घड़ी पर खोला गया।

तैयार की जाएगी वस्तुओं की सूची

पाधी ने बताया कि अस्थायी सुरक्षित कमरे की पहचान कर ली गई है और वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। उन्होंने कहा, वस्तुओं की सूची तैयार करने का काम आज शुरू नहीं होगा। यह कार्य मूल्यांकनकर्ताओं, सुनारों और अन्य विशेषज्ञों को नियुक्त किए जाने पर सरकार की मंजूरी मिलने के बाद किया जाएगा। हमारी पहली प्राथमिकता रत्न भंडार की संरचना की मरम्मत करना है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद कीमती सामान वापस लाया जाएगा और फिर सूची तैयार की जाएगी पाधी ने बताया कि रत्न भंडार के बाहरी कक्ष की तीन चाबियां उपलब्ध थीं।

सागवान की लकड़ी के संदूक

एक अधिकारी ने बताया कि सागवान की लकड़ी से बने ये संदूक 4.5 फुट लंबी, 2.5 फुट ऊंची और 2.5 फुट चौड़ी हैं। इन संदूकों को बनाने वाले एक कारीगर ने बताया, "मंदिर प्रशासन ने 12 जुलाई को हमें ऐसी 15 संदूकें बनाने के लिए कहा था। 48 घंटे की मेहनत के बाद हमने छह संदूक बनाई थीं। सुबह न्यायमूर्ति रथ और पाधी ने गुंडिचा मंदिर में भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों की पूजा-अर्चना की थी और इस कार्य के सुचारु रूप से पूरा होने की कामना की थी। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की प्रतिमाएं फिलहाल गुंडिचा मंदिर में हैं।

बटलर शहर में चुनावी रैली कर रहे थे अमेरिका के पूर्व प्रेसिडेंट

डोनाल्ड ट्रंप पर फायरिंग, कान पर लगी गोली, मारा गया शूटर

AGENCY NEW DELHI : भारतीय समय के अनुसार रविवार की सुबह-सुबह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर फायरिंग हुई। उनके दाएं कान पर गोली लगी है, लेकिन वो सुरक्षित हैं। उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी दी जा चुकी है। घटना भारतीय समय के मुताबिक रविवार सुबह 4 बजे की है। ट्रंप अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के बटलर शहर में चुनावी रैली कर रहे थे। ट्रंप मंच पर आए। उन्होंने बोलना शुरू किया और फायरिंग की आवाज आनी शुरू हुई। चीख-पुकार मचती है, ट्रंप चौंकते हुए दायां हाथ कान पर रखते हैं और झुक जाते हैं। इस बीच सुरक्षा गार्ड घेरा बना लेते हैं। ट्रंप खड़े होते हैं, कान और खून से सने चेहरे के साथ दाईं मुट्ठी भींचते हुए कुछ कहने की कोशिश करते हैं। फिर गार्ड उन्हें घेरे में लेते हुए कार में लेकर निकल जाते हैं।

फायरिंग के दौरान रैली में मौजूद एक व्यक्ति की मौत, 2 गंभीर रूप से घायल

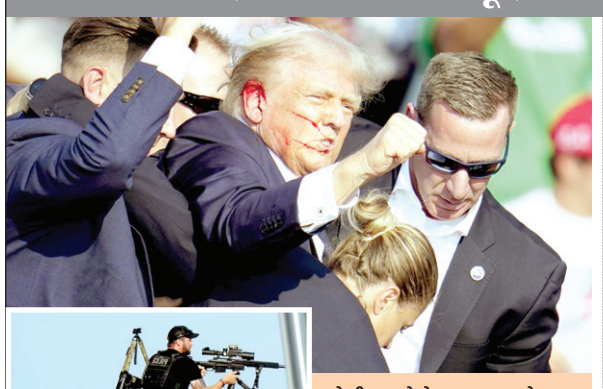

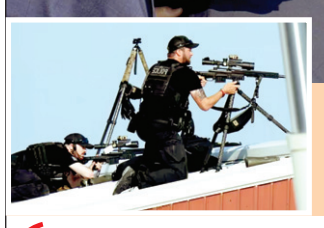
गोली लगने के बाद सुरक्षा घेरा बनाकर ट्रंप को घटनास्थल ले निकालते गार्ड व पूर्व प्रेसिडेंट पर निशाना लगाते हमलावर।

मेरे मित्र, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले से बेहद चिंतित हूं। घटना की कड़ी निंदा करता हूं, राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवार, घायलों और अमेरिकी लोगों के साथ हैं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री।

गवाह का दावा- हमलावर को एक छत से दूसरी पर जाते देखा

डोनाल्ड ट्रंप की पेनसिल्वेनिया में चुनावी रैली में मौजूद दो प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया है कि उन्होंने हमलावर को देखा था। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि बंदूकधारी एक छत से दूसरी छत पर जा रहा था और शायद वह ट्रंप पर गोली चलाने के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश में था। ट्रंप पर हुए इस हमले को उनकी सुरक्षा में तैनात सुरक्षा एजेंसियों की घोर लापरवाही के तौर पर देखा जा रहा है। हमलावर के ट्रंप के इतने नजदीक पहुंचना और उन पर हमला करना सुरक्षा एजेंसियों की मुस्तैदी पर सवाल खड़े कर रहा है। अमेरिकी मीडिया की खबर के अनुसार, ट्रंप जिस स्थान से लोगों को संबोधित कर रहे थे वहां (मंच) से हमलावर 200 से 250 गज दूर था।

52 साल बाद राष्ट्रपति उम्मीदवार पर हमला

अमेरिका में 52 साल बाद किसी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पर हमला हुआ है। इससे पहले 1972 में जॉर्ज सी वॉलेस पर गोली चलाई गई थी। वे भी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे। उन पर एक शॉपिंगसेंटर में गोली चलाई गई थी। इसके बाद वे मरते दम तक व्हील चेयर पर रहे। इससे पहले 1972 में पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी के भाई रॉबर्ट एफ केनेडी पर हमला हुआ था। वे इलेक्शन कैंपेन लॉस एंजिल्स से लौट रहे थे। अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने बताया है कि हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रूक्स के वोटर आई कार्ड से पता चला है कि वो ट्रंप की ही रिपब्लिकन पार्टी से था।

मां विंध्यवासिनी के दर्शन करते हेमंत सोरेन व पत्नी कल्पना।

मुख्यमंत्री हेमंत ने किए काशी विश्वनाथ के दर्शन बनारस की गलियों में घूमे

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन के साथ काशी विश्वनाथ बाबा के दर्शन किए। उन्होंने गर्भ गृह में महादेव का विधिवत पूजन और दुग्धाभिषेक किया। हेमंत सोरेन ने काशी विश्वनाथ बाबा से झारखंड प्रदेशवासियों की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद वो मां अन्नपूर्णा देवी, काल भैरव बाब के मंदिर भी गए। वाराणसी की गलियों में घूमने के अनुभव को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर भी शेयर किया है। सीएम हेमंत सोरेन जेल से छूटने और मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पहली बार बनारस पहुंचे थे। वो दिल्ली से वाराणसी पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका कांग्रेस कार्यकताओं ने स्वागत किया। वाराणसी के अपने दौरे की फोटो को उन्होंने एक्स पर शेयर किया है। उन्होंने लिखा है कि बनारस की गलियों में दुनिया का सार छिपा है। एक अन्य संदेश में उन्होंने लिखा है कि आज वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ महादेव जी के दर्शन कर राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना की। हर हर महादेव! सीएम हेमंत सोरेन ने काशी के कोतवाल काल भैरव के दर्शन-पूजन किए और आशीर्वाद लिया।

बाबा विश्वनाथ की पूजा-अर्चना करते हेमंत सोरेन।

- मां अन्नपूर्णा देवी, काल भैरव बाबा के मंदिर भी गए
- झारखंडवासियों के लिए की सुख-शांति की कामना

मां विंध्यवासिनी धाम भी पहुंचे

हेमंत सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन और विधायक अविनाश कुमार के साथ वाराणसी से मिजार्पुर भी गए। वहां उन्होंने मां विंध्यवासिनी के दर्शन पूजन किए। उन्होंने विंध्यवासिनी माई के दर्शन की फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि श्री राज राजेश्वरी मां विंध्यवासिनी धाम में आदि महाशक्ति मां भगवती विंध्यवासिनी के दर्शन कर राज्यवासियों के स्वस्थ और सुखमय जीवन की कामना की।

तीन घंटे से अधिक समय तक मैतेई गांव व सुरक्षाकर्मियों को बनाया निशाना

कुकी उग्रवादियों के हमले में एक जवान शहीद

AGENCY IMPHAL : रविवार को मणिपुर के जिरीबाम में कुकी उग्रवादियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल पर हमला कर दिया। इसमें सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) का एक जवान शहीद हो गया। साथ ही सीआरपीएफ का एक अन्य जवान और 2 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने शहीद जवान की पहचान अजय कुमार झा के रूप में की है। सभी घायल कर्मियों का इलाज जिरीबाम अस्पताल में किया गया। सेइजांग कुकी गांव में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने तीन घंटे से अधिक समय तक मैतेई गांव और सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाया।

एक अन्य जवान और दो पुलिसकर्मी जख्मी, अस्पताल में किए गए भर्ती

मोदी अपनी दुनिया में मस्त : कांग्रेस

मणिपुर की हिंसा को लेकर कांग्रेस ने दुख जताया है। पार्टी की ओर से एक्स पर पोस्ट जारी की गई। इसमें लिखा, '1 साल से ज्यादा हो गए, मणिपुर आज भी हिंसा की आग में झुलस रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इससे फर्क नहीं पड़ता। वो अपनी दुनिया में मस्त हैं।

उग्रवादियों की तलाश

पुलिस ने कहा कि सीआरपीएफ कर्मी के सिर पर उस समय गोली मारी गई, जब वह वाहन चला रहा था। जिरीबाम के एक निवासी ने कहा, 'जिस सटीकता से हमले किए गए, उससे पता चलता है कि आतंकवादी अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर रहे थे।' यह 5वीं बार था जब उसी क्षेत्र से हमले किए गए और क्षेत्र की खोज के प्रयासों को कुकी महिलाओं ने रोक दिया। संयुक्त टीम ने सीआरपीएफ और पुलिस जवानों पर हमला करने वाले उग्रवादियों की तलाश शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने हमले की निंदा की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।

एनकाउंटर में मारा गया तमिलनाडु बसपा चीफ के मर्डर का आरोपी

CHENNAI : तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) चीफ के आर्मस्ट्रांग की हत्या के एक मुख्य आरोपी की रविवार सुबह पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। 30 साल के आरोपी का नाम के तिरुवेंगदम था। वह आर्मस्ट्रांग मर्डर केस में गिरफ्तार 11 संदिग्धों में शामिल था। पुलिस ने बताया कि आरोपी तिरुवेंगदम ने आज सुबह पुलिस कस्टडी से भागने की कोशिश की। उसने एक पुलिसकर्मी पर हमला भी किया। इस दौरान एक पुलिस ऑफिसर ने उस पर गोली चलाई। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। हिस्ट्रीशीटर तिरुवेंगदम पर पहले से कई क्रिमिनल केस दर्ज हैं। बसपा चीफ आर्मस्ट्रांग की 5 जुलाई को चेन्नई में उनके घर के सामने हत्या कर दी गई थी। 52 साल के आर्मस्ट्रॉन्ग शाम करीब 7 बजे चेन्नई स्थित सेम्बियम इलाके के वेणुगोपाल स्ट्रीट पर अपने घर के कुछ पार्टी कार्यकताओं से बात कर रहे थे। तभी दो बाइक पर सवार छह लोग आए और उन पर चाकू-तलवारों से हमला कर दिया। इसके बाद वहां से भाग गए। आर्मस्ट्रांग को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना के कुछ घंटों के भीतर एक गैंग से जुड़े 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया था। इनकी पहचान पोन्नई वी बालू, डी रामू, के एस तिरुमलाई, डी सेल्वराज, जी अरुल, के मणिवन्नन, के तिरुवेंगदम, जे संतोष, गोकुल, विजय और शिवशंकर के रूप में की गई।

कारगिल विजय दिवस | सहारनपुर के सरसावा वायु स्टेशन में मनाई गई रजत जयंती

आसमान में दिखे सुखोई-राफेल के हैरतअंगेज करतब

AGENCY NEW DELHI : रविवार को भारतीय वायु सेना ने कारगिल युद्ध में विजय के 25 वर्ष पूरे होने पर सहारनपुर के सरसावा स्टेशन में 'कारगिल विजय दिवस रजत जयंती' समारोह शुरू किया है। यह 26 जुलाई तक चलेगा। सरसावा एयरफोर्स स्टेशन पर वायु सैनिक एक चॉपर से रस्सी के सहारे लटक कर हवा में उड़े, जिसे देखने के बाद दर्शकों का जोश हाई हो गया। एयर शो में फाइटर जेट सुखोई, राफेल, जगुआर, एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर, एएन-32 और डोर्नियर विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए।

चॉपर से रस्सी के सहारे हवा में उड़े वायु योद्धा, दर्शकों का जोश हुआ हाई

असाधारण साहस का दिया परिचय

युद्ध के दौरान 28 मई 99 को 152 एयू के स्क्वाड्रन लीडर आर पुंडीर, फ्लाइट लेफ्टिनेंट एस मुहिलान, सार्जेंट पीवीएनआर प्रसाद और सार्जेंट आरके साहू को टोलोलिंग में दुश्मन के ठिकानों पर लाइव स्ट्राइक के लिए 'गुबरा' फॉर्मेशन के रूप में उड़ान भरने की जिम्मेदारी दी गई थी। इस हवाई हमले को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद उनके हेलीकॉप्टर को दुश्मन की स्टिंगर मिसाइल ने मार गिराया, जिसमें चार वीर सैनिकों ने प्राणों का बलिदान दिया।

कारगिल पहाड़ियों पर फेंके गए हवाई ग्रेनेड

कृत्रिम रूप से दिखाई गई कारगिल पहाड़ियों पर हवाई ग्रेनेड फेंके गए। लड़ाकू सुखोई की आसमानी कलाबाजी देखकर दर्शकों के रोंगटे खड़े हो गए। शहीद नायकों की पुण्य स्मृति में एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर ने 'मिसिंग मैन फॉर्मेशन' में उड़ान भरी। इस अवसर पर भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों चीता और चिनूक का स्थिर प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर एयर वॉरियर ड्रिल टीम और वायु सेना बैंड ने अपनी प्रस्तुतियों में मधुर स्वर लहरियों के बीच वीर सैनिकों की शौर्य गाथाएं सुनाई। इस कार्यक्रम को 5000 से अधिक दर्शकों ने देखा, जिनमें स्कूली बच्चे, सहारनपुर क्षेत्र के स्थानीय निवासी, पूर्व सैनिक, गणमान्य नागरिक और रुड़की, देहरादून और अंबाला के रक्षा बलों के कार्मिक गण शामिल थे। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने 13 जुलाई को वरिष्ठ गणमान्य अधिकारियों, बहादुरों के परिवारों, दिग्गजों और सेवारत भारतीय वायु सेना अधिकारियों के साथ राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सभी वायु सैनिकों को सरसावा स्टेशन के युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम के दौरान वायु सेना प्रमुख ने उनके परिजनों को सम्मानित किया और उनसे बातचीत की।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने लगाया आरोप

चार वर्षों में एक भी परीक्षा नहीं करा पाई एनआरए

AGENCY NEW DELHI : रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस ने शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने पूछा कि राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) ने पिछले चार वर्षों में एक भी परीक्षा क्यों आयोजित नहीं की है। खड़गे की प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शनिवार को मुंबई में की गई उस टिप्पणी पर आई है, जिसमें उन्होंने जोर दिया था कि पिछले तीन से चार वर्षों में आठ करोड़ नई नौकरियों के सृजन ने बेरोजगारी के बारे में फर्जी बातें फैलाने वालों को चुप कर दिया है। खड़गे ने एक्स पर कहा, नरेंद्र मोदी जी, कल आप मुंबई में नौकरियां देने पर झूठ का मायाजाल बुन रहे थे।

- भाजपा और आरएसएस ने उठाया है शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने का बीड़ा

BRIEF NEWS

लोहरदगा में हाथियों के उत्पात से ग्रामीण परेशान

LOHARDAGA : जिले के कैरो प्रखंड क्षेत्र में हाथियों ने शनिवार रात नरौली निवासी सीताराम उरांव के मकान को ध्वस्त हुए घर पर रखे अनाज को खा गए। साथ ही कई किसानों के फसल को भी बर्बाद कर दिया। खण्डा, कैरो, चल्हो, बक्सी, एडादोन आदि गांवों के लोग हाथियों के डर से रतजगा करते रहे। कैरो चल्हो पथ के बगल में हाथी देखा गया है। कुछ हाथियों को एडादोन होते कुडू प्रखंड क्षेत्र के तान होते अम्बाफरा की ओर जाते देखा गया है।

नहाने के दौरान डैम में डूबने से दो लड़कों की मौत

LATEHAR : जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत हरिजन टोला के पास रविवार को डैम में डूबने से दो लड़कों की मौत हो गयी। मृतकों में मोहम्मद अफरोज (10) और रुपेश कुमार (11) हैं। दोनों बालूमाथ के हरिजन टोला के रहने वाले थे। मिली जानकारी के अनुसार रुपेश और अफरोज कुछ अन्य लड़कों के साथ रविवार को नहाने के लिए पास में स्थित डैम में गए थे। नहाने के दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। दोनों को डूबता देख उनके साथ नहाने गए अन्य लड़के दौड़ते हुए गांव आए और लोगों को घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण डैम के पास पहुंचे और पानी में डूब रहे दोनों लड़कों को बाहर निकाला। इसके बाद तत्काल दोनों को बालूमाथ अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बात दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद डीएसपी आशुतोष सत्यम के निर्देश पर पुलिस की टीम मामले की छानबीन आरंभ कर दी है।

17 को भाईचारगी के साथ निकलेगा मुहर्रम जुलूस

KANKE : रविवार को सेंट्रल मोहर्रम कमेटी कांके की बैठक समनुर मंसूरी की अध्यक्षता में कांके मुहर्रम मैदान में मुहर्रम का जुलूस निकालने को लेकर किया गया। संचालन सचिव मो फुरकान ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 17 जुलाई को हर साल की तरह इस साल भी कांके में एकता और भाईचारगी के साथ मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा। बैठक में पतरा टोली, चूड़ी टोला, मिल्लत कॉलोनी, बाजार टांड़, सिमर टोली,गागी, खटंगा सहित विभिन्न जगहों से खलीफा और दानिश्वर लोग शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से मो. फुरकान, हाजी हैदर,सईदुल मंडल, माहीर खान,मो नसीम,अब्दुल इमरान,अलीमुद्दीन अंसारी, इम्तियाज आलम, अजीज अंसारी, फिरोज अख्तर, जियारत अंसारी, सहिउदुद्दीन अंसारी, राजीक आलम,सलामत अंसारी, हामिद हुसैन,बारिक कुरैशी, गुलजार आलम, साहिल आलम, सलमान अली खान, सिकन्दर रजा, मो इमरोज, मो सज्जन,मो रेयाज,मो एनाम,मो रिजवान, शेर खान,नसीम अहमद,मो नुरैन, फिरदौस आलम,मनौव्वर बाबा सहित कई लोग उपस्थित थे।

मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए किया जा रहा विशेष इंतजाम

श्रावणी मेले में भक्तों को त्रिलोक का दर्शन कराएगा शिवलोक

PHOTON NEWS DEOGHAR : श्रावणी मेला 2024 में द्वादश ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक करने के लिए आने वाले शिवभक्तों व श्रद्धालुओं को देवघर में ही त्रिलोक के दर्शन होंगे। टावर चौक के समीप अवस्थित शिवलोक परिसर में त्रिलोक का दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं व स्थानीय लोग आकाश, पाताल लोक के साथ-साथ पृथ्वी लोक का एक साथ दर्शन कर सकेंगे। यहां भव्य आकृति के रूप में तीनों लोकों के स्वामी आदि देव महादेव का विशालकाय स्वरूप का साक्षात दर्शन भी कर पायेंगे। जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से शिवलोक परिसर में प्रदर्शनी का आयोजन किया जाना है। त्रिलोक के भव्य स्वरूप को मूर्तरूप देने के लिए प्रसिद्ध कलाकार पाबन राय के निर्देशन में 52 कलाकार (कोलकाता स्थित उत्तर 24 परगना जिला के 30 व देवघर जिले के 22) आरएन बोस लाइब्रेरी परिसर में दिन रात जुटे हुए हैं। स्वर्ग लोक में ब्रह्मा, विष्णु व महेश्वर के दर्शन तो होंगे ही, शिव के समक्ष खड़े होकर प्रार्थना की मुद्रा में देवर्षि नारद श्रावण माह में देवघर आने का निमंत्रण देते नजर आएंगे। राजा भगीरथ गंगा मइया को स्वर्गलोक से धरती पर अवतरण के लिए प्रार्थना करते नजर आयेंगे। धरती लोक में आदि शक्ति माता के 9 रूपों का शक्तिपीठ के साथ श्रद्धालुओं को दर्शन कराया जायेगा, जिसमें देवघर के बाबा मंदिर में हृदयपीठ पर कलाकारों का फोकस होगा। मान्यताओं के अनुसार, मां का हृदय देवघर में गिरा था, उसे कला के जरिये परिलक्षित किया जायेगा। हिंदू शास्त्रों में गरुड़ पुराण का विशेष स्थान है, जिसमें इंसान के द्वारा किये गये बुरे कर्मों का हिसाब नरक लोक में होता है। इसे अलग-अलग प्रतिकृतियों से लोगों को दिखाने का प्रयास होगा। शिवलोक परिसर में प्रकृति से प्रेम भाव को दशार्ते हुए झारखंड से प्रकृति पर्व की महत्ता को बताने का प्रयास होगा। इस कड़ी में झारखंड में मनाये जाने वाले कर्मा, सरहुल, बंधना, बट सावित्री पूजा जैसे पर्व-त्योहार के स्टॉल लगाये जायेंगे।

देवघर में भक्तों के लिए बन रही देवी-देवताओं की मूर्ति।

बच्चों के इलाज के लिए बने आयुष्मान कार्ड

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पेरेंट्स एसोसिएशन ऑफ मेंटली हैंडीकैप्ड (एस्पायर) के सदस्यों ने रविवार को स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मिले। संगठन के सदस्यों ने राज्य के हजारों लोग ऑटिज्म, बौद्धिक विकलांगता, मानसिक मंदता, सेरेब्रल पाल्सी आदि से प्रभावित हैं। यह संख्या कई गुना बढ़ सकती है, क्योंकि लोग अपने परिजनों में मानसिक विकलांगता को स्वीकार करने के लिए आगे आने में अनिच्छुक हैं। वर्तमान में कोई भी कंपनी ऑटिज्म, बौद्धिक विकलांगता, मानसिक मंदता, सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित विशेष बच्चों को स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान नहीं करती है, केवल भारत सरकार की निरामया योजना विशेष रूप से विशेष बच्चों-व्यक्तियों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने के लिए है, लेकिन यह कैशलेस सुविधा प्रदान नहीं करती है। इसके अलावा, कवर बहुत कम मात्र 1 लाख है। बिलों की प्रोसेसिंग में भी बहुत लंबा समय लगता है, जिसके कारण माता-पिता को वितीय बाधाओं का सामना करना पड़ता है। कई बार लाभार्थी को बीमा का पैसा भी नहीं मिल पाता है। संगठन झारखंड सरकार से भी आयुष्मान भारत योजना का विस्तार विशेष बच्चों के इलाज के लिए मांग करती है। संगठन के सदस्यों ने स्वास्थ्य मंत्री से इस दिशा में जल्द कार्रवाई की मांग की। इस दौरान संगठन की डॉ निवेदिता पाणिग्रही समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन देते लोग।

लूट की घटनाओं के खिलाफ व्यवसायियों ने किया प्रदर्शन

प्रदर्शन करते स्वर्ण व्यवसायी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के अलग अलग प्रखंड क्षेत्र के बाजारों में स्वर्ण आभूषण की दुकानों में लूट व चोरी की घटनाओं के खिलाफ स्वर्ण आभूषण व्यवसाईयों ने रविवार को छह मुहान पर पलामू जिला स्वर्णकार संघ के तत्वावधान में धरना प्रदर्शन किया। इसकी अध्यक्षता संघ के पलामू जिला अध्यक्ष धनंजय सोनी ने की, जबकि मुख्य रूप से संघ के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा जौहरी मौजूद थे। धरना प्रदर्शन के माध्यम से वक्ताओं ने कहा कि 15 दिनों के भीतर घटनाओं का उद्वेदन नहीं हुआ तो सारे स्वर्ण व्यवसाय अपनी-अपनी दुकानों में ताला लगाकर चाभी जिला प्रशासन को सौंप देंगे। अबतक जिले के अलग अलग थाना क्षेत्र में ज्वेलरी गायब एवं लूट की आधा दर्जन घटनाएं सामने आ चुकी है। किसी मामले का उदभेदन नहीं हुआ।

अज्ञात वाहन की चपेट में आया बाइक सवार, मौत

GIRIDIH : अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक जमुआ थाना क्षेत्र के मधवा निवासी अरबाज अंसारी था। घटना रविवार की सुबह पचंबा-चित्राडीह मार्ग पर परियाना के पास घटी। घटना पचंबा थाना क्षेत्र की है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया। जाम की सूचना मिलने पर पचंबा थाना के इंस्पेक्टर मंटू कुमार वहां पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। इधर, घटना के संदर्भ में ग्रामीणों ने बताया कि जमुआ के मधवा निवासी अरबाज अंसारी रविवार की सुबह अपने घर से पचंबा जा रहा था। रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

गोड्डा में कृषि मंत्री दीपिका पांडेय ने विभाग की योजनाओं की ली जानकारी, बोलीं-

किसानों से जुड़ी योजनाओं के कार्य में लाएं तेजी

PHOTON NEWS GODDA : झारखंड की कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह मंत्री बनने के बाद के पहली बार गोड्डा पहुंचीं। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। साथ ही कृषि मंत्री ने इस दौरान कृषि विभाग के पदाधिकारियों से मिलकर योजनाओं से जुड़ी जानकारी ली। कृषि मंत्री दीपिका ने इस दौरान कहा कि वो मंत्री बनने के बाद पहली बार गोड्डा दौरे पर पहुंची हैं। ऐसे में वो चाहेंगी कि गोड्डा जिला कृषि के क्षेत्र में मॉडल बने।साथ ही उन्होंने कहा कि समय कम है और काम ज्यादा है। इसलिए किसानों से जुड़ी योजनाओं के कार्य में तेजी लाएं,

ताकि किसानों को इसका लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने कहा कि गोड्डा जिले के महगामा के गंगासागर डैम के पानी के कारण बड़े इलाके में धान के बिचड़े डूब रहे हैं। उन्होंने कृषि विभाग को समन्वय बनाकर पीड़ित किसानों से मिलने और समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया है। वहीं कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक रविशंकर ने गोड्डा में बीज उत्पादन और आम की बागवानी को लेकर रिसर्च सेंटर विकसित करने का आग्रह कृषि मंत्री से किया। वहीं सूबे की कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कार्यक्रम के बाद गोड्डा के योगिनी स्थान में पूजा अर्चना की। इसके बाद महगामा, मेहरमा और ठाकुरगंगटी क्षेत्र का दौरा कर कार्यकताओं से मुलाकात की। जगह-जगह कृषि मंत्री का स्वागत किया गया।

आज सीएम से मुलाकात करेगी संघर्ष समिति

झारखंड मे चौकीदार की बहाली में अनुसूचित जाति का आरक्षण शून्य किया गया है। अब पूरे मामले को राज्य के सीएम हेमंत सोरेन के पास रखा जाएगा। चौकीदार आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति 15 जुलाई मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करेगी और सभी तथ्यों को रखेगी। पलामू से संघर्ष समिति का एक डेलीगेट सीएम से मुलाकात करने रांची जा रही है। चौकीदार आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष संदीप कुमार पासवान ने बताया कि 15 जुलाई को सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात करने समय निर्धारित हुआ है। संघर्ष समिति पूरी बात को सीएम के समक्ष रखेगी और अनुसूचित जाति के हक और अधिकार दिलाने की पहल होगी।

विधायक मंगल कालिंदी ने दिया 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' का नारा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : छोटा गोविंदपुर स्थित पटेल भवन में रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी, सीपीआई के गोविंदपुर क्षेत्र के प्रमुख नेताओं एवं सेक्टर इंचार्ज की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता झामुमो नेता प्रकाश दुबे ने की। विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि पिछली सरकार ने गोविंदपुर क्षेत्र के विकास के लिए कोई कार्य नहीं किय। सड़कों की बदहाली के चलते जनता का बुरा हाल था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार ने 10 किलोमीटर सड़क के साथ-साथ पार्क का निर्माण, विभन्न मंदिर निर्माण, 100 चापाकाल, घर-घर तक पेंशन पहुंचने का कार्य किया। आगामी विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के तमाम नेता व कार्यकर्ता घर-घर जा कर सरकार की योजनाओं को अंतिम पंक्ति के लोगो तक पहुंचाएं, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में पुनः महागठबंधन की सरकार बने। जिला परिषद सदस्य डॉ परितोष सिंह ने कहा कि हम गोविंदपुर के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित हैं। सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। स्कूल भवनों को दुरुस्त किया जा रहा है। गोविंदपुर में विकास की गंगा बह रही है। बैठक में महागठबंधन के बीडी राय, देवशरण सिंह, शिवलाल लोहार, नरेश गौरा, अरविंद साहू, मनोज उपाध्याय, नागेंद्र तिवारी, ददन यादव, सुनील कुशवाहा, ओम प्रकाश, श्रवण कुमार, राजेंद्र राम ने भी अपने विचार रखे। बैठक का संचालन जक्ता सोरेन एवं धन्यवाद ज्ञापन शिवलाल लोहरा ने किया। इसमें कांग्रेस के राजकिशोर यादव, सीपीआई के शिभाधार विश्वकर्मा, राष्ट्रीय जनता दल के अरविंद ठाकुर, आम आदमी पार्टी के बलराम, महिला नेत्री मीना देवी, कन्हैया यादव, मनोज यादव, सुनील सिंह, विकास कुमार, सत्यम सिंह ,आनंद मिश्रा, संतोष यादव, संतोष विश्वकर्मा, विमलेश कुमार, उमाशंकर कुमार, सैयद हक, माधुरी देवी, कविता देवी, जितेंद्र ठाकुर, मीना देवी, आशा देवी, बैसाखी देवी, बुलबुल दास, उप मुखिया विभा सिंह, जगत सोरेन, शिवलाल लोहरा, चंदन पांडेय, लक्ष्मण मुंडा, बालाजी भगत, दिनेश सिंह, सनी सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

बैठक में शामिल विधायक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

गिरिडीह में अवैध माइका लोडेड पिकअप वाहन जब्त

GIRIDIH : जिले के तिसरी -गांवा वन क्षेत्र के घंघरीकुरा में वन विभाग के टीम ने शनिवार देर रात को अवैध बेशकीमती माइका लदे पिकअप बोलेरो को जब्त है। जब्त वाहन में उम्दाकिस्म की अबरख लौड है। बताया जाता है कि वन विभाग के टीम को देख वाहन ड्राइवर भागने लगा लेकिन टीम ने घेरकर पकड़ लिया । इस दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर चालक वैन छोड़कर फरार हो गया । इस संबंध में रविवार को तिसरी वनपाल अमर विश्वकर्मा ने कहा की गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग के टीम में मुकेश दास, गौतम दास, अशोक कुमार, जिलाजीत कुमार,दिनेश दास, हीरालाल पंडित सहित कई वन कर्मी ने घंघरी कुरा गांव के पास डोरंडा जाने वाली मुख्य सड़क पर माइका लदा पिक अप बोलेरो को पकड़ा है। उन्होंने कहा कि ढिबरा लदा पिक अप बोलेरो तिसरी थाना क्षेत्र के पंचरुखी जंगल से लोड करके डोमचांच ले जाया जा रहा था ।टीम ने पीछा कर घंघरी कुरा में दबोचा गया।

क्विज कंटेस्ट में 12 कॉलेजों के 60 छात्र होंगे शामिल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में आज इंटर कॉलेज बिजनेस क्विज कंटेस्ट का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर कोल्हन विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति हरि कुमार केसरी मुख्य अतिथि होंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ राजेंद्र भारती, वित्त पदाधिकारी डॉ विनय कुमार सिंह, वोकेशनल को-ऑर्डिनेटर डॉ संजीव आनंद भी अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ अशोक कुमार झा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ विजय प्रकाश और को-ऑर्डिनेटर डॉ मौसमी पाल हैं। इसमें 12 कॉलेजों के कॉमर्स विभाग के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। प्रत्येक कॉलेज की टीम में पांच विद्यार्थी होंगे। प्रतियोगिता का फाइनल पांच राउंड के आधार पर किया जाएगा। प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को विनर और रनर के रूप में पुरस्कृत किया जाएगा। अन्य टीमों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। कोल्हन विश्वविद्यालय में इंटर कॉलेज बिजनेस क्विज कंटेस्ट का आयोजन पहली बार किया गया है। इसका उदेश्य वाणिज्य के विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास है। साथ ही वे व्यवसाय के क्षेत्र में परिपक्व हो कर स्वावलम्बी बन सकें। रविवार को कॉलेज के प्राचार्य डॉ अशोक झा ने आयोजन स्थल पर तैयारियों की जानकारी ली। इस दौरान डॉ डीके मित्रा, डॉ मौसमी पॉल, डॉ विनय कुमार गुप्ता, प्रो बिनोद कुमार, डॉ कुमारी रानी, मोहन साहू, दुर्गेश दास समेत कई विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन जेजेएमपी का सक्रिय सदस्य महेंद्र गिरफ्तार

RAMGARH : पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन जेजेएमपी के सक्रिय सदस्य और हत्या के आरोपी महेंद्र करमाली को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल बरामद किया है। महेंद्र करमाली पर लेवी के लिए मुर्गा लड़ाई के दौरान मनोज मुंडा नामक व्यक्ति की हत्या करने का आरोप है। इस संबंध में मामला दर्ज किया गया था, महेंद्र करमाली करीब 18 महीने से फरार चल रहा था। दरअसल, बरकाकाना ओपी क्षेत्र के लोवाडीह झांझीटोला गांव में 16 फरवरी 23 को मुर्गा लड़ाई के दौरान चार अज्ञात अपराधियों ने मनोज गुंडा की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसके बाद मृतक मनोज मुंडा के भाई जनक मुंडा ने बरकाकाना ओपी में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ धारा 302/120 आईपीसी और 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने जब पूरे मामले की जांच की तो पता चला कि इस पूरी घटना को प्रतिबंधित नक्सली संगठन जेजेएमपी के सक्रिय सदस्यों ने मुर्गा लड़ाई क्लब के संचालक से लेवी वसूलने के लिए अंजाम दिया था।

खूंटी के ग्रामीणों ने रफ्तार पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन से की मांग

सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे बालू लदे वाहन

PHOTON NEWS KHUNTI : जिले के कामडारा वाया जरियागढ़ कर्रा की सड़कों पर चलने वाले तेज रफ्तार हाइवा से ग्रामीण भयभीत हैं। दो वर्षों के भीतर तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आने से लगभग दो दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद रफ्तार में ब्रेक नहीं लग पा रहा है। इस कारण क्षेत्र के ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मामले में कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि तोरपा और कर्रा प्रखंड क्षेत्र में कारो और छाता नदी से दिनदहाड़े अवैध बालू का खनन कर देर रात हाइवा से बालू की ढुलाई होती है और बालू का अवैध परिवहन रोकने के लिए गठित टास्क फोर्स कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति करता है। इस कारण रेत माफियाओं का मनोबल बढ़ गया है। इस कारण दिन हो या रात बेखौफ होकर सड़कों पर हाइवा तेज रफ्तार से दौड़ रहे हैं और उस रफ्तार के बीच जो आया उसकी मौत तय है। अब सड़कों पर लगातार हो रहे हादसों के बाद ग्राम सभा से लेकर स्थानीय ग्रामीण और जनप्रतिनिधि अवैध बालू का खनन और परिवहन पर लगाम लगाने के लिए मुखर होने लगे हैं। इस संबंध में तोरपा अनुमंडल क्षेत्र के ग्रामीणों ने बताया कि बालू लदे हाइवा की रफ्तार देखकर सबसे रौंगटे खड़े हो जाते हैं। ज्यादातर घटनाएं तेज रफ्तार हाइवा के कारण होती हैं। कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बताया कि पुलिस प्रशासन से बचने के लिए हाइवा तेज रफ्तार में चलता है। जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन, पुलिस और सड़क सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से अनुरोध किया है कि अवैध बालू लदे हाइवा की रफ्तार पर लगाम लगाने के लिए कार्रवाई करें। जबकि कुछ जनप्रतिनिधियों ने मामले में स्थानीय पुलिस पर अनदेखी का आरोप लगाया है। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि थाने के सामने से अवैध बालू लदे हाइवा गुजर जाते हैं, लेकिन पुलिस गाड़ियों को रोकने की जहमत नहीं उठाती है। जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मामले में कार्रवाई की मांग की है, ताकि अवैध बालू का खनन और परिवहन पर रोक लग सके। जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि क्षेत्र में जनजागरुकता के साथ बालू के अवैध खनन और परिवहन पर सख्त कार्रवाई हो नहीं तो प्रखंड क्षेत्र के सभी ग्राम सभा उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे।

उधर, तोरपा डीएसपी ख्रिस्तोफर केरकेट्टा सड़क हादसों में कमी लाने के लिए जागरुकता अभियान चला रहे हैं। सभी पेट्रोल पंप मालिकों को बगैर हेलमेट लोगों को पेट्रोल नहीं देने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में तेज रफ्तार से चलने वाली गाड़ियों और चालकों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने का निर्देश थाना प्रभारियों को दिया गया है। उन्होंने बताया कि तेज रफ्तार से चलने वाले बालू लदे हाइवा को रोकने का काम खनन विभाग का है। हालांकि तोरपा पुलिस लगातार खनन विभाग का सहयोग करती रही है। वहीं इस संबंध में प्रभारी एसडीओ अरविंद कुमार ओझा ने बताया कि सड़कों पर तेज रफ्तार हाइवा को रोकने के लिए थाना प्रभारियों को चेकपोस्ट और बैरिकेडिंग लगाने का निर्देश दिया गया है।

शाम ढलते ही सड़क पर नहीं निकलते लोग

सड़कों पर देर रात हाइवा के खौफ से सड़क किनारे गांव में रहने वाले ग्रामीण खौफ के साये में जी रहे हैं। खौफ इतना है कि शाम ढलते ही राहगीर भी सड़कों पर नहीं निकलते हैं। सड़कों पर बेखौफ होकर दौड़ने वाले हाइवा की रफ्तार इतनी है कि जो आया उसके परखच्चे उड़ना तय है। यही कारण है कि लोग सड़कों पर चलने से डरने लगे हैं।

हनुमान रूप सज्जा प्रतियोगिता संपन्न, 232 बच्चों ने लिया भाग

तुलसी जयंती पर हनुमान रूप में बच्चे। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन और तुलसी भवन द्वारा आयोजित तुलसी जयंती समारोह के अन्तर्गत रविवार को श्री हनुमान रुप सज्जा प्रतियोगिता सम्पन्न हुई । कक्षा 1 से 3 तथा 4 से 6 तक के छात्र - छात्राओं के लिये दो वर्गों में सम्पन्न हुए इस आयोजन में नगर के 27 विद्यालयों के कुल 232 विद्यार्थियों ने भाग लिया । कार्यक्रम के आरंभ में संस्थान के मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुये पुरे कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी । तत्पश्चात संस्थान के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र मुनका , उपाध्यक्ष राम नन्दन प्रसाद , कोषाध्यक्ष विमल जालान, प्रकाश मेहता एवं साहित्य समिति के पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलन किया गया । प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में डॉ.यमुना तिवारी व्यथित, अनीता निधि, दिव्येन्दु त्रिपाठी, शिखा अखौरी, राजेन्द्र साह राज, आरती श्रीवास्तव, माधुरी मिश्र, एवं नीलाम्बर चौधरी रहे । प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र एवं उपहार प्रदान करने वालों में सर्वश्री राम नन्दन प्रसाद, विमल जालान, डॉ. रागिनी भूषण, डॉ. अजय कुमार ओझा , सुरेश चन्द्र झा, अजय कुमार प्रजापति, डॉ. उदय प्रताप हयात, वसंत जमशेदपुरी, डॉ. वीणा पाण्डेय भारती, वीणा कुमारी नंदिनी, कैलाश नाथ शर्मा 'गाजीपुरी', शकुंतला शर्मा, लक्ष्मी सिंह , रीना सिन्हा , उषा झा तथा जितेश तिवारी प्रमुख रहे । मौके पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अभिभावक एवं शिक्षक - शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही ।

BRIEF NEWS

योगदा सत्संग आश्रम के पास करंट लगने से एक की मौत

RANCHI : चुटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित योगदा सत्संग आश्रम के पास रविवार को करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। बताया जाता है कि कचरा चुनकर जीवनयापन करने वाले व्यक्ति की करंट लगने से मौत हो गयी। खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो पायी है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और शिनाख्त करा रही है।

विहिप ने किया पौधारोपण

RANCHI : विश्व हिंदू परिषद (विहिप) प्रताप नगर की ओर से रविवार को बड़ा तालाब के समीप सरोवर पार्क में पौधारोपण किया गया। पर्यावरण को बेहतर बनाये रखने के लिए एक पेड़ लगाए मातृभूमि के नाम से अभियान आरंभ हुआ। प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह ने बरगद और महानगर अध्यक्ष कैलाश केसरी ने पीपल का पौधा लगाया। नगर के सहमंत्री विश्वरंजन और विभाग सहमंत्री रवि शंकर राय ने नीम का पौधा लगाया। प्रताप नगर अध्यक्ष राजेश अग्रवाल की अगुवाई में एक पेड़ मातृभूमि के नाम से कार्यक्रम में प्रताप नगर मंत्री अजय राजगढ़िया, सहमंत्री उमेश वर्मा, मातृशक्ति प्रमुख रेखा मिश्रा, रजत चावला, अनिल जालान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सेल सैटेलाइट टाउनशिप में रक्तदान शिविर आयोजित

RANCHI : सीईटी सेल ने रविवार को सेल सैटेलाइट टाउनशिप में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर ईडी (सीईटी) के एस.के. वर्मा ने सेल रांची इकाइयों के परिवार के सदस्यों को रक्तदान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस शिविर में कुल 27 लोगों ने रक्तदान किया।

दो कलवट निर्माण का किया गया शिलान्यास

RANCHI : चान्हो प्रखंड के सोंस पंचायत अंतर्गत दो स्थानों पर कलवट निर्माण शिलान्यास किया गया है। यह कलवट निर्माण सोंस पंचायत के रहने वाले ओम प्रकाश साहू के घर के नजदीक और दूसरा सोंस मस्जिद से लेकर महली टोला के पास निर्माण होगा। शिलान्यास जिला परिषद सदस्य चान्हो मो आदिल अजीम के कर कमलों द्वारा किया गया। आदिल अजीम ने कहा की मस्जिद के पास नाली की पानी के कारण आने जाने वालो को बहुत परेशानी हो रही थी। मौके पर चान्हो प्रखंड प्रमुख होलिका देवी, सोंस पंचायत की मुखिया विमला देवी, पंसस रिजवान आलम, सांसद प्रतिनिधि मो गयास, मंजर अकील, मो फिरदौस, मो नसीम, शमीम राय, नौशाद आलम, ब्रज नंदन साहू, भरत महली, मो इम्तियाज सहित सोंस पंचायत के कई ग्रामीण मुख्य रूप से उपस्थित थे।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने जोर देकर कहा- झारखंड बचाओ-भाजपा लाओ

99 सीटें लाकर न जाने कौन सा तीर मार लिया कांग्रेस ने : शिवराज सिंह

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कांग्रेस और जेएमएम के खिलाफ आक्रामक तेवर दिखाये। श्री चौहान राजधानी रांची के धुर्वा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में आयोजित विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ऐसा लग रहा है कि 99 सीटें प्राप्त कर उनने बड़ा तीर मार लिया है। राहुल को चिंदी मिल गयी तो बजाज बन गये। शिवराज सिंह ने कहा कि हमारी 243 और एनडीए के साथ 293 सीटें आयू। लोकसभा में जब अध्यक्ष के चुनाव की बारी आयी तो पूरा इंडिया ब्लॉक कांग्रेस और उनके साथी मैदान छोड़कर भाग गये। उनको पता था कि बहुत बुरा हारेंगे। क्योंकि लोकसभा में संसद में भारी बहुमत नरेंद्र मोदी को प्राप्त हुआ है। कहा कि कांग्रेस और जेएमएम झूठ बोलने की मशीन हैं। वे गलत नैरेटिव सेट करते हैं। बीजेपी कार्यकताओं की पार्टी है। राहुल गांधी द्वारा सदन में दिये गये बयान पर कहा कि राहुल गांधी को हिंदू के बारे में पता नहीं है। चौहान ने कहा, झारखंड में क्या हुआ 14 में से हम 09 सीटें जीते हैं। और इसी को विधानसभा में बदल दिया जाये तो हम 81 में से 52 सीटों पर आगे रहे हैं। कभी अग्निवीर के बारे में झूठ बोलते हैं तो कभी झूठ बोलते हैं कि किसानों को एमएसपी नहीं दे रहे। कहा कि तुम्हारी सरकार (कांग्रेस) जहां होगी वहां गड़बड़ होती होगी। हमारी सरकारें सब जगह दे रही हैं।

झामुमो ने एक भी वादा पूरा नहीं किया : झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कितने वादे किये थे। इनके निश्चय पत्र पर सैंकड़ों वादे लिखे हैं। आज मैं जवाब मांग रहा हूं हेमंत सोरेन हो, कांग्रेस हो या गठबंधन के लोगङ्क बताओ कौन सा वादा पूरा किया है। नौजवानों को कहा था, सरकारी नौकरी देंगे, नौकरी नहीं दी तो 5 हजार रुपए स्नातक को और 7 हजार रुपए स्नातकोत्तर को बेरोजगारी भत्ता देंगे। बताओ किसी एक को भी बेरोजगारी भत्ता दिया है? नौकरियां मिल रही है? कितने बड़े झूठे हैं ये। बहनों से भी कई वादे किये थे कि घर खर्च के लिए 2 हजार रुपया महीना देंगे।

ये भाजपा है, जो कहती है, वो करती है

जब भाजपा की सरकार पांच साल पहले थी तब झारखंड का विकास हुआ था। अच्छी सड़कें बनीं थी पुल-पुलिया बने थे। स्कूल अस्पताल बने थे। क्योंकि भाजपा का राज था। और विकास अगर कर सकती है तो भाजपा की सरकार कर सकती है। इस सरकार में गरीब रो रहा है। सामान्य आदमी रो रहा है। घर बनाना और विकास के काम करना मुश्किल हो गया है। हेमंत जी ये बालू कहां जा रहा है ये तो बता दो ? बाल्टी में जैसे दूध-घी बिकता था। वैसे अब बालू बिक रहा है। जनता बालू की लिए तरस जाये। ऐसी लूट मैंने बालू की कभी नहीं देखी। ये बालू लूटने वाली सरकार है। इस राज्य में हर चीज के रेट फिक्स हैं। सरकारी दफ्तरों में बिना लिये दिये कोई काम नहीं होता।

मीडिया से बात करते शिवराज सिंह चौहान व अन्य। ● फोटोन न्यूज

राहुल बाबा हिंदुत्व की पहचान तुम क्या जानो?

चौहान ने कहा कि कभी कहते हैं हिंदू हिंसक हैं। राहुल बाबा हिंदुत्व की पहचान तुम क्या जानो? ये मेरा है, ये तेरा है ये सोच छोटे दिल वालों की होती है। जो विशाल हृदय के होते हैं वो कहते हैं सारी दुनिया ही एक परिवार है। ये हिंदुत्व है। धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो ये हिंदुत्व है। और केवल मनुष्य में नहीं प्राणियों में सद्भावना हो ये हिंदुत्व है। सब सुखी हो, सब निरोग हों, सबका मंगल हो, सबका कल्याण हो ये हिंदुत्व है। और ये भारत की हजारों साल पुरानी परंपरा हैं।

हेमंत सरकार पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

केंद्रीय मंत्री एवं झारखंड भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान राज्य की हेमंत सोरेन सरकार की विफलताओं पर भी खूब नजर बनाए हुए हैं। रविवार को मीडिया प्रतिनिधियों संग अनौपचारिक बातचीत में भी उन्होंने हेमंत सरकार पर जनता से वादाखिलाफी करने, छलने का आरोप लगाया। कहा कि करीब पांच साल इस सरकार के होने को हैं। 2019 में चुनाव के समय संकल्प पत्र जारी करते कहा था- बदलो सरकार, पाओ अधिकार। सरकार बदल भी गयी पर लोगों को कौन सा अधिकार, न्याय यह अबतक दे सकी है? केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज धुर्वा मंडल भाजपा अध्यक्ष उमेश यादव के घर भोजन किया।

ग्रामीणों ने किया सड़क जाम, पुलिस से दुर्व्यवहार

सड़क हादसे में चली गई नाबालिग लड़के की जान

घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीण व पुलिस। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KANKE : रविवार की सुबह कांके थाना क्षेत्र के बुकरु गांव के समीप सड़क दुर्घटना में बुकरु निवासी पवन मुंडा (15) पिता- संतोष मुंडा की मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने बुकरु चैक के समीप रांची पतरातू मार्ग 6 घंटा जाम रखा। इससे सड़क के दोनों छोर पर लगभग 5 किलोमीटर सड़क जाम हो गया। घटना के संबध में प्रत्यशदर्शियों ने बताया कि पवन मुंडा बाढू स्थित पेट्रोल भराकर घर लौट रहा था। सड़क पार करना चाह रहा था। इसी बीच तेज गति से आ रही बाइक राइडर्स के समूह में से एक बाइक संख्या जेएच 24 ई 4864 पवन की बाइक को टक्कर मार दी। पीछे से दूसरे बाइक राइडर की बाइक संख्या जेएच 01ईवी 6405 ने भी टक्कर मार दी। इससे पवन मुंडा की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। गुस्साए ग्रामीण पुलिस द्वारा रिम्स भेजे गए दोनों बाइकर्स को बुकरु चैक बुलाने की मांग करने लगे। महिलाएं पिठोरिया पुलिस के एसआइ मोबिन खान का कॉलर पकड़कर धक्का मुक्की कर दोनों बाइकर्स को बुलाने को कहा। मौके पर पंहुचे डीएसपी अमर कुमार पांडेय,बीडीओ विजय कुमार व इंस्पेक्टर राम कुमार वर्मा ने भी ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। बीडीओ विजय कुमार द्वारा 10 लाख रुपया मुआवजा,परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी,आपदा प्रबंधन के द्वारा राशि का भुगतान का लिखित आश्वसन के बाद जाम हटाया गया।

रांची में 21 जुलाई के बाद स्मार्ट मीटर होंगे प्रीपेड

RANCHI : राजधानी रांची के उपभोक्ताओं के घरों में लगे स्मार्ट मीटर 21 जुलाई के बाद से प्रीपेड होने लगेंगे। इसे चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जायेगा। इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किया जाएगा। इस संबंध में झारखंड ऊर्जा संचरण निगम (जेयूएसएनएल) के एमडी केके वर्मा ने बताया कि जिनका मोबाइल नंबर टैग नहीं हुआ है वह संबंधित बिजली ऑफिस जाकर कंज्यूमर नंबर के साथ अपना मोबाइल नंबर टैग करा लें, ताकि वाट्सएप पर भी सेवा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से बिजली राजस्व का काम देख रही एचसीएल की सेवा अब समाप्त कर दी गयी है। अब जेबीवीएनएल राजस्व के सारे काम को अपने हाथ में ले रहा है। इसी कड़ी में रांची में लगे स्मार्ट मीटर को प्रीपेड किया जायेगा। इसे डिवीजन वाइज अलग-अलग चरणों में किया जायेगा। रांची में अब तक 2.5 लाख घरों में स्मार्ट मीटर लग चुके हैं।

इनरव्हील क्लब रांची को मिला बेस्ट क्लब का अवार्ड

पुरस्कार के साथ इनरव्हील क्लब की सदस्य । ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : इनरव्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा, रांची को बेस्ट क्लब का अवॉर्ड मिला है। यह अवॉर्ड जमशेदपुर में आयोजित दो दिवसीय डिस्ट्रिक्ट असेंबली में दिया गया। वहीं बेस्ट प्रेसिडेंट और बेस्ट ट्रायल बेलेजर वर्टीकल का खिताब माला श्रीवास्तव को मिला है। जबकि बेस्ट सेक्रेटरी का अवॉर्ड सोमा भादुड़ी को दिया गया। इसके अलावा बेस्ट कोषाध्यक्ष नीता शेखर और बेस्ट आइएसओ का अवॉर्ड अर्चना त्रिवेदी को मिला। बता दें कि इनरव्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा का कारवां बढ़ता ही जा रहा है। क्लब ने अपने कामकाज के जरिये राज्यभर में अपनी पहचान बना ली है। क्लब का गरीब असहाय लोगों की मदद करने के साथ-साथ कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक करने का भी सिलसिला जारी है। अन्नपूर्णा प्रोजेक्ट के तहत गरीब-गुरबों को भोजन कराया जा रहा है। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के बीच आवश्यक सामग्रियों का भी वितरण किया जा रहा है।

गैंगस्टर अमन साव का गुर्गा मयंक बना गिरोह का सरगना

RANCHI : गिरिडीह जेल अधीक्षक के परिवार पर गोलीबारी की साजिश रचने का खुलासा होने के बाद कुख्यात अमन साहू के गुर्गे मयंक सिंह ने कहा है कि गिरिडीह जेल सुपरिटेंडेंट और जेलर ने अमन साहू को बदनाम करने और झूठे केस में फंसाने का प्रयास किया। अमन साहू को गिरिडीह जेल में जेल मैनुअल के हिसाब से नहीं रखा जाता है। उन्हें जेल में बहुत ज्यादा प्रताड़ित किया जाता है। मयंक सिंह ने कहा है कि अमन साहू को परेशान और प्रताड़ित करने वाले को वह दंडित करेगा। मयंक सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि अमन साहू सिर्फ उसका बॉस ही नहीं, उसके लिए भगवान से बढ़कर है। गिरोह से उसका पूर्व में रिश्ता बहुत अच्छा रहा था। यह बात सत्य है। अमन साहू और उनके गिरोह का सारा काम वह देखता है।

जेवर दुकानदार प्रतिष्ठानों में लगाएं अलार्म और सीसीटीवी : एसएसपी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में स्थित ज्वेलर्स प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर और पुख्ता बनाने के लिए रविवार को रांची एसएसपी ने जेवर दुकानदारों से गहन मंथन किया। जेवर दुकानदारों के साथ बैठकर रांची एसएसपी ने कारोबारी के लिए राजधानी में भय मुक्त वातावरण कैसे बनाया जाए, इसकी रणनीति तैयार की।

सभी ज्वेलर्स प्रतिष्ठानों के मालिक और प्रतिनिधियों के साथ रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में हाल के दिनों में जो घटनाएं घटी हैं, उसे लेकर भी चर्चा की गई। भविष्य में जेवर दुकानों में लूट की घटना को अपराधी अंजाम न दे पाए। इसे लेकर ज्वेलर्स प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों ने सीनियर एसपी को कई सुझाव दिए। वहीं दूसरी तरफ रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया जेवर दुकान को निशाना बनाने वाले अपराधियों की एक लिस्ट तैयार की गई है, जिन पर पूरी तरह से निगरानी रखी जा रही है। जेवर कारोबारी से भी यह कहा गया है कि वह किसी संदिग्ध व्यक्ति को अगर अपने प्रतिष्ठान के आसपास लगातार देख रहे हैं तो उसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें। इस बैठक के दौरान रांची के सीनियर एसपी ने सभी जेवर दुकानदारों से यह अपील की है कि वह अपने-अपने प्रतिष्ठानों में उच्च क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरे जरूर लगाएं। केवल दुकान के अंदर ही कमरे ना लगे बल्कि आसपास भी कैमरे लगाए ताकि अगर कोई संदिग्ध दिखे तो उसकी पहचान की जा सके। चोरी के गहनों को लेकर भी बड़े ही स्पष्ट निर्देश दिए हैं। हाल के दिनों में एक दर्जन से ज्यादा जेवर दुकान में काम करने वाले या फिर जेवर दुकानदार चोरी के गहने खरीदने के आरोप में जेल भेजे गए हैं।

जेवर दुकानदारों के साथ बैठक करते एसएसपी। ● फोटोन न्यूज

शिविर में लोगों की हुई निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

PHOTON NEWS RANCHI : निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन आरसी मिशन स्कूल हिंदपीढ़ी रांची में अल्पसंख्यक सामाजिक संगठन के द्वारा किया गया। जिसमें 200 से ज्यादा लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच किया गया। वहीं आवश्यक दवाइयां भी निशुल्क दी गई। उक्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन सैमफोर्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया। शिविर में सैमफोर्ड हॉस्पिटल के निवरो सर्जन डॉक्टर युवराज लहरी, आंख के डाक्टर उत्पला चक्रवर्ती, जनरल फिजिशियन डाक्टर इरफान आलम, हॉस्पिटल के डेवलपर्स शाहबाज, आ जनता फार्मा के मो शाहबाज थे। मो अनवर खान कहा कि लोगों को अपनी स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सजग रहना चाहिए।

बाहर ले जाए जा रहे 4018 किग्रा डोडा को पुलिस ने किया जब्त, चालक अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI : रांची पुलिस ने भारी मात्रा में डोडा के साथ राजस्थान के डोडा तस्कर राकेश बिश्रोई को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर राजस्थान के जोधपुर जिले के भोपालगढ़ थाना स्थित अरटिया खुर्द गांव का रहनेवाला है। इसके पास से डोडा 4018 किलोग्राम, कन्टेनर ट्रक-01 (एचआर 38एस 4743), दो मोबाईल और चावल से संबंधित फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। डीएसपी अमर कुमार पांडे ने रविवार को बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक रांची को एनएच-33 मुख्य सड़क के रास्ते तमाड़ की ओर से नामकुम की ओर एक अफीम डोडा लदा कन्टेनर आने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के बाद एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामकुम थाना के रामपुर स्थित टाटा रोड पंजाबी ढाबा के पास वाहन चेकिंग लगाकर कन्टेनर ट्रक को पकड़ा । वाहन चालक से पूछताछ करने पर उसके द्वारा वाहन में चावल लदे होने की बात कही गयी। मां दीवारी राइस मिल प्राइवेट लिमिटेड और लुधियाना ट्रांसपोर्ट का दस्तावेज प्रस्तुत किया गया, जिसे देखने से संबंधित कागजात चावल से संबंधित होना पाया गया, लेकिन वाहन का भौतिक निरीक्षण करने पर ट्रक में डोडा से भरा हुआ 198 प्लास्टिक बोरा पाया गया। छापेमारी टीम को स्पष्ट हो गया कि डोडा आपूर्तिकताओं और तस्करों के जरिये षडयंत्र पूर्वक चावल का फर्जी कागजात बनाकर उसके स्थान पर अफीम डोडा का अवैध व्यापार, परिवहन और तस्करी किया जा रहा है।

जब्त डोडा। ● फोटोन न्यूज

एसएसपी ने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को दिए दिशा-निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : कांके रोड स्थित पुलिस लाइन में रविवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एसएसपी चंदन सिन्हा ने ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को कई दिशा-निर्देश दिये। साथ ही एसएसपी ने ट्रैफिक पुलिस के जवानों के बीच रेनकोट का वितरण किया, ताकि बरसात में बिना भींगे सभी ड्यूटी कर सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसएसपी कहा कि राजधानी में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने और लोगों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए बेहतर तरीके से ड्यूटी करनी होगी। एसएसपी ने कहा कि शहर में ट्रैफिक व्यवस्था तभी बेहतर होगी जब कर्मी स्वस्थ रहेंगे।

युवा शक्ति से गांवों को बदलने का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किया आह्वान, कहा-

महीने में कम से कम 24 घंटे गांव को दें

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे गांव में बदलाव के वाहक बनें। गांवों में नवजीवन लाने का आह्वान करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर रविवार को कहा कि इसके लिए संघ की ओर से व्यापक अभियान चलाया जाएगा। झारखंड की राजधानी रांची में चल रही संघ की बैठक के दौरान प्रचार प्रमुख ने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने धर्मांतरण से लेकर लोकसभा के चुनाव परिणाम पर बात की और संघ के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी। संघ के प्रचार प्रमुख ने कहा कि इस साल संघ के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 20 हजार से अधिक युवाओं ने भाग लिया। लोकसभा चुनाव के परिणाम के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जनता ने अपना फैसला दिया है। जनता का जो फैसला है, उसी के अनुरूप पार्टियां सरकार चला रहीं हैं। संघ के प्रचार प्रमुख ने धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून की मांग की है। कहा कि जिन राज्यों में धर्मांतरण के खिलाफ कानून पहले से मौजूद हैं, वहां उसका क्रियान्वयन हो और दोषी लोगों पर सख्त कार्रवाई हो।

बैठक में शामिल अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर व अन्य।

रांची में संघ के शताब्दी वर्ष की कार्ययोजना पर मंथन

12 जुलाई से रांची के सरला बिरला विवि में प्रांत प्रचारकों, सह प्रांत प्राचरकों, क्षेत्र प्रचारकों और अखिल भारतीय कार्यकारिणी के कार्यकताओं की बैठक शुरू हुई थी। इस बैठक का आज आखिरी दिन था। बैठक के बाद आंबेकर ने पत्रकारों को संबोधित किया। संघ के शताब्दी वर्ष (2025-26) में देश भर में होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा भी रांची में ही तैयार की जाएगी। सरसंघचालक मोहन भागवत की उपस्थिति में संघ की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा होगी।

झारखंड जदयू ने 12 सीटों पर चुनाव लड़ने का केंद्रीय नेतृत्व को भेजा प्रस्ताव

RANCHI : झारखंड में जदयू अपनी अस्तित्व को बचाने की कोशिशों में जुटी हुई है। साल के अंत में होने वाले चुनाव के लिए जदयू ने 12 सीटों को चिन्हित किया है। ये सभी वैसी सीटें हैं जहां बीजेपी या तो कमजोर स्थिति में है या वर्तमान में उसकी सीटें नहीं हैं। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो का कहना है कि झारखंड में जिन सीटों को चिन्हित किया गया है, उन पर अंतिम मुहर पार्टी की शीर्ष नेतृत्व लगाएगा। उन्होंने कहा कि मांडू, गिरिडीह, डुमरी, जमशेदपुर पूर्वी जैसी कई सीटें हैं, जिन पर पार्टी मजबूत स्थिति में है। हाल ही में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो ने साफ तौर पर इस बात के संकेत दिए थे कि झारखंड में पार्टी एनडीए में रहते हुए अन्य सहयोगी दलों के साथ तालमेल बिठाकर ही चुनाव लड़ेगी।

'इमाम हुसैन की अजमत से कोई भी मुसलमान नहीं कर सकता इनकार'

PHOTON NEWS RANCHI : इमामे हुसैन जिसने कर्बला में अपने नाना के दीन(मजहब इस्लाम) को बचाने के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। वो हुसैन जिसने अपनी जान देकर नमाज को बचाया। वो हुसैन जिसने अपनी जान देकर दीन ए इस्लाम को बचाया। वो हुसैन जिसने अपने 72 साथियों को लेकर हजारों लश्कर पर भारी पड़ गया। वो हुसैन जिसने अल्लाह की रजा के लिए सजदे की हालत में शहीद हो गए। उक्त बातें ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के चेयरमैन सह मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम व खतीब हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कही। वह रविवार को सातवी मोहर्रम के अवसर पर शहर के मकबूल युवा समाजसेवी सह समाजवादी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सैयद शाहरुख हसन रिजवी पिता स्वर्गीय सैयद हसन अली रिजवी के कांके हुसीर आवास पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। मजलिस में आए हुए सभी लोगों का स्वागत सैयद शाहरुख हसन रिजवी ने किया। मजलिस की शुरूआत मौलाना बाकर राजा दानिश के तिलावते कुरान से हुआ। मौके पर इकबाल हुसैन, सैयद फराज अब्बास, शाहरुख रिजवी, जीशान हैदर, नूरी मस्जिद के इमाम मौलाना जैनुल आबिदीन, मौलाना नुरुल्लाह, मौलाना सईद अहसन, सैयद फराज अब्बास, सैयद शजर हसन रिजवी, सैयद सद्रुद्दीन शाहनवाज, समेत सैंकड़ों लोग थे।

मजलिस में शामिल लोग। ● फोटोन न्यूज

BRIEF NEWS

बुद्धिजीवी मंच ने निकाली शिक्षा जागरूकता रैली

NAWADA : नवादा जिले के अकबरपुर प्रखंड स्थित तेयार कस्बा में रविवार को बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष डॉ सुनीति कुमार के नेतृत्व में शिक्षा जागरूकता रैली का आयोजन कर बच्चों को स्कूल भेजने का संकल्प दिलाया गया ।कलाकारों ने प्रेरणा गीत के माध्यम से ग्रामीणों को शिक्षा का महत्व भी बताया । इससे पूर्व भी इस गांव में 3 बार यह कार्यकर्म किया जा चुका है। डॉ सुनीति के साथ ही बुद्धिजीवी विचार मंच के संयोजन अवधेश कुमार, बुजुर्ग रामलखन प्रसाद , पवन कुमार, उदय शंकर सिंह, दिलीप पासवान, अभिनाश कुमार, व्यास यादव ,गायक चंदेश्वर यादव एवं नरेश राजवंशी, तेयार के शिक्षक जन्मेजय गिरी आदि ने भाग लिया। बच्चों को एकत्रित करने का काम जन्मेजय गिरी ने किया। बरसात के मौसम होने के वाबजूद बच्चों, बुजुर्ग एवं महिलाओं की संख्या बहुत अच्छी थी। गीत और स्लोगन गाते हुए पूरे गांव का भ्रमण किया। सभी लोग बहुत प्रभावित दिखे। अवधेश बाबू ओर मैं अपने-अपने विचार रखे। चंदेश्वर यादव, नरेश राजवंशी एवं अभिनाश कुमार के गीत सबों को बांधे रखा एवं सोचने पर बाध्य किया कि बच्चों को पढ़ाना बहुत जरूरी है।

डीएम से की फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी की शिकायत

ARARIA : अररिया में सहायक शिक्षक पर फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी का मामला सामने आया है। बिहार विकास युवा मोर्च के अध्यक्ष सह आरटीआई एक्टिविस्ट प्रसेनजीत कृष्ण ने इस संबंध में अररिया डीएम से शिकायत की है। उनका आरोप है कि मध्य विद्यालय खैरखा फारबिसगंज के सहायक शिक्षक मो मुश्ताक आलम ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी ली है। बिहार विकास युवा मोर्च के अध्यक्ष सह आरटीआई एक्टिविस्ट प्रसेनजीत कृष्ण ने अररिया डीएम को दिए गए आवेदन में बताया है कि मोहम्मद मुस्ताक आलम, पिता स्वर्गीय खलील ₹शेख₹ जाति से आते हैं लेकिन, साल 2005 में मो मुस्ताक आलम ने प्रखंड शिक्षक के रूप में फर्जी जाति प्रमाण पत्र में धुनिया जाति का लगाकर नौकरी प्राप्त कर लिया।उनका खतियान, केवाला और जमीन का रसीद में जाति में शेख दर्ज है। इन्होंने किस आधार पर धुनिया जाति प्रमाण पत्र बनाया है। यह जांच का विषय है। प्रसेनजीत कृष्ण ने कहा कि मुस्ताक आलम पूर्व में भी फर्जी वाड़ा करके एक नेपाली नागरिक को अपना भाई बताकर फर्जी पासपोर्ट बनवा लिया था। अब यह मामला पूर्व में उजागर हो चुका है। साथ ही उन्होंने कहा है कि सही से जांच हो तो ऐसे कई मामले सामने आ सकते हैं। बिहार विकास युवा मोर्च के अध्यक्ष कृष्ण ने मो मुस्ताक आलम के दस्तावेज की जांच फारबिसगंज अनुमंडल पदाधिकारी से कराकर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग डीएम से की है।

अररिया से पश्चिम बंगाल के बागड़ोगरा जा रहे थे सभी लोग

किशनगंज में दो वाहनों की टक्कर में पांच लोगों की मौत

AGENCY KISHANGUNJ : बिहार के किशनगंज जिले के पौआखाली नगर पंचायत के पेटभरी के पास एनएच-327ई पर रविवार को स्कॉर्पियो और डंपर की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि डंपर का चालक घायल हो गया। सभी मृतक अररिया जिले के जोकिहाठ प्रखंड के थपकौल के निवासी थे। ये लोग अररिया से पश्चिम बंगाल के बागड़ोगरा जा रहे थे। स्कार्पियो में एक बच्ची समेत पांच लोग सवार थे, जिनमें सभी की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार स्थानीय प्रशासन और जनता के सहयोग से तुरंत ही घायल को एमजीएम अस्पताल भेजा गया। किशनगंज की जिलाधिकारी नताशा तुषार सिंगला ने इस घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि दुख के इस घड़ी में जिला प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और हर सम्भव मदद के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि ऊपरी जिला परिवहन अधिकारी घटनास्थल पर कैंप कर रहे हैं। अनुमंडलीय किशनगंज, कार्यपालकेडी, ठाकुरगंज, रेड क्रॉस के अधिकारी को एमजीएम अस्पताल में उपस्थित रहकर लगातार स्थिति पर नजर रखने एवं आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया है। पीड़ित परिवार को अविलंब सड़क दुर्घटना में मिलने वाली क्षतिपूर्ति देने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए संबंधित को आवश्यक निर्देश दिया जा चुका है। नताशा ने बताया कि सड़क सुरक्षा के संबंध में एनएच खतरे के पीडी से दूरभाष पर बात की है। बताया गया है कि सड़क सुरक्षा को और अधिक बेहतर एवं प्रभावी बनाने पर अविलंब कार्रवाई की जाएगी। एनएच 8 के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूरी टीम कल पहुंचेगी और इस नए हाईवे पर आकलन किया जाएगा तथा अधिक स्थानों पर रंबल पट्टी, कैमरा आदि के अधिष्ठापन की कार्रवाई की जाएगी।

बकाया रुपये मांगने पर युवक की पीटकर हत्या

NAWADA : नवादा में अपना बकाया रुपया मांगना एक युवक को रविवार को महंगा पड़ा । रुपए मांगने पर बकायादारों ने युवक को लाठी -डंडों से पीट -पीटकर हत्या कर ढ़ी है। जिसके बाद सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस मामले को लेकर पूछताछ कर शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया है। यह घटना नवादा जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र के कुज्झा गांव की है। घटना के बाद परिजन में कोहराम मचा गया। मृतक युवक कुज्झा गांव निवासी गंगा चौहान का पुत्र बजरंगी चौहान है। मृतक के भतीजा ने बताया कि उनके चाचा का गांव के हीं रवि कुमार के यहां मजदूरी का रुपया बाकी था, जिसे वह मांगने गया था। रुपए मांगने पर वह आगबबूला हो गया ।बकाया रुपया नहीं दिया और उल्टा उसे गाली -गलौज देने लगा, जिसका विरोध करने पर उसके साथ लाठी -डंडे और लोहे के राड से जमकर पीटाई किया गया, जिसके बाद उसकी मौत हो गयी।

एसएसबी व नेपाल एपीएफ के जवानों ने की संयुक्त गश्ती

AGENCY ARARIA : जोगबनी के भारत नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी व नेपाल के आर्म्स फोर्स के द्वारा सीमा सुरक्षा, बंधुत्व व सेवा भाव के साथ संयुक्त रूप से गश्ती की गई। गश्ती का मुख्य उद्देश्य सीमा स्तम्भों के रख रखाव व सीमा क्षेत्र से असामाजिक तत्वों को दूर रखते हुए सीमा की सुरक्षा करना है। वही, यह गश्ती जोगबनी के चाणक्य चौंक स्थित पीलर संख्या 179/2 से शुरू कर मुख्य नाका होते हुए पीलर संख्या 180/2 टिकुलिया बस्ती तक किया गया। इस संयुक्त अभियान की कमांड एसएसबी जोगबनी प्रभारी इंस्पेक्टर पशुपति सिंह व एपीएफ इंस्पेक्टर किरण नेपाल ने किया। इस दौरान अधिकारियों ने पिलर की स्थिति से अवगत होकर फोटोग्राफी भी किया। इस गस्ती में शामिल अधिकारियों ने बताया कि ज्वाइंट पेट्रोलिंग का उद्देश तस्करों, सीमा पर सक्रिय असमाजिक तत्व में भय पैदा करना है और उन्होंने कहा कि संयुक्त गश्ती हर महीने में दो बार किया जाता है और जिससे दोनों देश के सुरक्षा को लेकर आपसी सामंजस्य और कोई तरह की वातार्लाप और सूचना का आपस में आदान-प्रदान कर सके।

नवादा सदर अस्पताल में छापेमारी दलालों की 9 अवैध एंबुलेंस बरामद

AGENCY NAWADA : नवादा सदर अस्पताल में देर रात्रि जिला प्रसाशन के अधिकारियों ने सदर एसडीओ अखिलेश कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बगैर सूचना दिए छापा मारा,जिसके बाद पूरे अस्पताल परिसर में अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया।सबसे ज्यादा निजी एम्बुलेंस चालको एवं दलालों में हड़कंप मच गया। नवादा सदर एसडीएम अखिलेश कुमार ने रविवार को बताया कि डीटीओ सहित तीन सीनियर डिप्टी कलेक्टर की संयुक्त टीम ने सदरअस्पताल में देर रात छापा मारा।जहां निरीक्षण के दौरान सदर अस्पताल परिसर में दलालों के 9 अवैध रूप से निजी एंबुलेंस को जब्त किया गया है।कार्रवाई के दौरान सभी एंबुलेंस के ड्राइवर मौके से फरार हो गये। जिला प्रशासन ने सभी एम्बुलेंस के टायर का हवा निकाल दिया और डीटीओ को सभी एंबुलेंस को जप्त करने का आदेश दिया।साथ ही साथ उन सभी एम्बुलेंस मालिक पर भी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। संयुक्त टीम ने अस्पताल के सभी हिस्सों का निरीक्षण किया ।जहां मौके पर खामियां पाए गए।जांच के दौरान अस्पताल की सुरक्षा में लगे कई गार्ड अनुपस्थित पाए गए।वैसे अनुपस्थित गार्ड पर कार्रवाई का आदेश दिया गया । साथही सिक्योरिटी एजेंसी से भी स्पस्टीकरण मांगा गया।अस्पताल में एक बार फिर से साफ सफाई की व्यवस्था खराब दिखाई दी । जिस पर उन्होंने डीपीएम एवं हॉस्पिटल मैनेजर को कड़ी फटकार भी लगाई।यह कार्रवाई जिलाधिकारी के आदेश पर किया गया था।

सदर अस्पताल में छापेमारी करने पहुंची टीम।

बेगूसराय में बलान नदी में 4 छात्राएं डूबीं, एक की मौत

PATNA : बिहार के बेगूसराय में बलान नदी की धारा में रविवार को चार छात्राए बह गई, जिसमें से तीन को स्थानीय लोगों की मदद से बचा लिया गया जबकि एक छात्रा की मौत हो गई है। हादसा बलान नदी में स्नान करने के दौरान हुआ। घटना तेघड़ा थाना क्षेत्र के खिदिरचक बलान नदी की है। नदी में स्नान करने के दौरान एक छात्रा गहरे पानी में चली गयी। उसे बचाने के लिए बाकी तीन छात्राएं भी गहरे पानी में चली गईं। सभी चार छात्राओं को डूबते देख जब शोर हुआ तो स्थानीय लोगों ने तीन छात्राओं को किसी तरह डूबने से बचा लिया लेकिन एक छात्रा गहरे पानी में चली गई, जिससे उसकी मौत हो गई। मृत छात्रा की पहचान खिदिरचक गांव निवासी रंजीत सिंह की बेटी लक्ष्मी कुमारी के रूप में की गई है। वह 12वीं की छात्रा थी।

आरएसएस की साप्ताहिक शाखा में एकात्मता स्त्रोत पर की गई चर्चा

AGENCY SAHARSA : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में रविवार को महावीर चौक स्थित मंदिर परिसर में साप्ताहिक शाखा का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य शिक्षक सुभाष चंद्र झा के निर्देशन में एकात्मता स्त्रोत, एकात्मता वैदिक मंत्र, सूर्य नमस्कार मंत्र, अमृत वचन, सुभाषित,गीत बौद्धिक एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा प्रमुख डॉक्टर मुरारी कुमार के द्वारा सूक्ष्म योग एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया। साथ ही एकात्मता स्त्रोत पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सृष्टि प्रकृति से बनी हुई है। प्रकृति के बिना मनुष्य या किसी भी जीव जंतु पहाड़ नदी एवं पेड़ पौधे का कोई अस्तित्व नहीं है। प्रकृति से ही ग्रह

नक्षत्र लोक एवं परलोक तथा काल का संचालन होता है। इसीलिए सनातन धर्म में बताया गया कि सृष्टि के कण-कण में व्याप्त सभी पदार्थों में प्राण होते हैं चाहे वह संजीव हो या निर्जीव। इसीलिए हमारे पूर्वजों ने प्रकृति की हर वस्तु को धर्म से जोड़ते हुए इसकी पूजा अर्चना की। भारतीय ऋषि मुनि एवं मनुष्यों ने सदैव प्रकृति की रक्षा की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा किसी व्यक्ति को गुरु ना मानकर तत्व रूपी भगवा ध्वज को अपना गुरु मानते हैं। इसीलिए हर स्वयंसेवक गुरु पूर्णिमा के दिन भगवा ध्वज के समक्ष अपनी समर्पण राशि समर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया जाएगा।

किसान की बेटी शुभांगी प्रिया पहले प्रयास में ही बन गई सीए

AGENCY SAHARSA : जिले के सलखुआ प्रखंड मुख्यालय स्थित कन्या मध्य विद्यालय में कार्यरत शिक्षिका सीमा गुप्ता की पुत्री शुभांगी ने पहली प्रयास में सीए की परीक्षा में सफलता हासिल कर परिवार व गांव समाज का मान बढ़ाया है। उसकी सफलता से घर सहित आसपास में खुशी का माहौल है और बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। शुभांगी की माता सीमा गुप्ता व पिता पवन कुमार चौधरी ने बताया कि वह बचपन से ही मेधावी थी। शुभांगी की प्राईमरी से दसवीं वर्ग तक की शिक्षा किड केयर सहरसा तथा इंटर पटना से पास की। उसके बाद डीयू से बीकॉम कर दिल्ली के लक्ष्मीनगर शकरपुर में रहकर अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित चार्टेड अकाउंटेंट परीक्षा 2024 में पहली प्रयास में परचम लहराया। शुभांगी सफलता का श्रेय अपने माता पिता व शिक्षक के मार्गदर्शन को दिया। शुभांगी कहती है अगर कोई भी छात्र मन मे ठान कड़ी मेहनत करे तो कोई भी परीक्षा कठिन नहीं होता। शुभांगी के पिता किसान तथा बड़े भाई आदर्श गौरव कोलकाता में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। शुभांगी का पूरा परिवार मिशन कम्पाउंड सहरसा में रहता है।

स्काउट गाइड की ओर से वन महोत्सव का आयोजन, किया गया पौधारोपण

AGENCY ARARIA : बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड के बैनर तले रविवार को स्काउट गाइड की ओर से फारबिसगंज के प्लस टू स्तरीय ली अकादमी परिसर में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम क्लैप (क्लाइमेट लीडर एक्सन प्लान) प्रोजेक्ट के तहत आयोजित की गई। जिसमें दर्जनों स्काउट गाइड वृक्षारोपण के साथ हाथों में जागरूकता से संबंधित बैनर लेकर जागरूकता का मैसेज दे रहे थे। मौके पर अररिया के भारत स्काउट और गाइड के उपसभापति सह ली अकादमी के प्राचार्य तेज बहादुर सिंह, भारत स्काउट और गाइड के जिला आयुक्त स्काउट व्यस्क संसाधन श्रीकुमार ठाकुर, जिला संगठन आयुक्त स्काउट बैजनाथ प्रसाद एवं स्काउट लीडर मो. शाहिद आलम और बच्चों के द्वारा संयुक्त रूप से वृक्षारोपण किया गया। मौके पर उपसभापति तेज बहादुर सिंह ने बताया कि पेड़ पृथ्वी पर सबसे आवश्यक संसाधन है। क्योंकि वह कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके ऑक्सीजन का उत्पादन करके, जैव विविधता को बनाए रखने और मिट्टी के कटाव को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।वहीं जिला आयुक्त स्काउट व्यस्क संसाधन श्रीकुमार ठाकुर ने बताया कि वन महोत्सव वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए आयोजित है।ग्लोबल वार्मिंग और जैव विविधता और पर्यावरण को बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक संख्या पेड़ लगाने की वकालत पर जोड़ दिया।जिला संगठन आयुक्त स्काउट बैजनाथ प्रसाद ने बताया कि वन महोत्सव एक त्यौहार है। जिनकी शुरूआत 1950 ई के दशक में तत्कालीन और पहले केंद्रीय कृषि मंत्री के. एम. मुंशी ने नागरिकों में पर्यावरण संबंधी जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने और वनों की कटाई से निपटने के लिए की थी। मौके पर राज्य पुरस्कार से सम्मानित मो सब्दुल आलम के साथ प्रेम कुमार मो कबीर, रमजानी,दीपेन कुमार, मिथिलेश कुमार, अंश कुमार, विशाल, सूरज, रवि, उषा कुमारी आदि मौजूद थे।

पौधारोपण करते लोग।

बीसीए में नए नामांकन के लिए हुआ एंट्रेंस एग्जाम

परीक्षा देते विद्यार्थी।

AGENCY SAHARSA : एमएलटी कॉलेज बीसीए में नए नामांकन हेतु रविवार को एंट्रेंस एग्जाम आयोजित किया गया। एंट्रेंस एग्जाम में लगभग एक सौ छात्र छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें से 60 छात्र-छात्राओं को नामांकन हेतु चयनित किया जाएगा।बीसीए कोर्डिनेटर डॉ.संजीव कुमार झा ने बताया कि बीसीए द्वारा आयोजित एंट्रेंस एग्जाम का परिणाम एक सप्ताह के अंदर प्रकाशित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एंट्रेंस एग्जाम में सफल छात्र-छात्राओं का नामांकन लिया जाएगा। बीसीए में 3 साल का कोर्स होता है। बीसीए के नए सत्र के लिए प्रत्येक वर्ष एंट्रेंस एग्जाम लिया जाता है। जिसमें सफल छात्रों का ही नामांकन दाखिल किया जाता है। एंट्रेंस एग्जाम को सफल बनाने में कार्यालय सहायक संजीव कुमार झा, शिक्षक आदेश चौहान, निखिल कुमार, आशीष कुमार, परमेश्वर कुमार, रौनक कुमार, अतुल कुमार सिंह सहित अन्य शामिल थे।

100 एकड़ में खेती का प्रत्यक्षण किसानों के बीच कराने का लक्ष्य, परसौनी केंद्र में शुरू हुई कवायद

पूर्वी चंपारण में शुरू होगी सोयाबीन की खेती

AGENCY E. CHAMPARAN : मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, कर्नाटक राजस्थान, गुजरात एवं आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों की तर्ज पर बिहार में भी सोयाबीन की खेती को बढावा देने के लिए पूर्वी चंपारण जिले के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र ने कवायद शुरू कर दी है। इसको लेकर केन्द्र समूह अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण के अंतर्गत लगभग 100 एकड़ क्षेत्रफल में सोयाबीन की खेती का प्रत्यक्षण किसानों के बीच कराने जा रहा है। इसकी जानकारी देते केविके परसौनी के विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि अभियंत्रण) डॉ.अंशु गंगवार ने बताया कि सोयाबीन की बुआई का मौसम शुरू हो चुका है। जुलाई महीने के मध्य तक सोयाबीन की बुआई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि

सोयाबीन एक प्रमुख प्रोटीन स्त्रोत वाले उत्पाद के तौर पर जाना जाता है। सोयाबीन को स्वर्ण सेम के नाम से भी जानते हैं। सोयाबीन की उपयोग की बात करें तो इसे पनीर बनाने, सोया मिल्क बनाने, सोयाबड़ी बनाने, सोयाबीन तेल आदि कई खाद्य पदार्थ के रूप में किया जाता है। सोयाबीन में 36 से 42 प्रतिशत तक प्रोटीन और 15 से 25 प्रतिशत तक तेल की मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि सोयाबीन का उपयोग खाद्य तेल, प्रोटीन स्त्रोत और सब्जी, पनीर आदि के रूप में भी किया जाता है। इसलिए सोयाबीन की खेती करना किसानों के लिए मुनाफे का सौदा हो सकता है। मृदा विशेषज्ञ डॉ. आशीष राय ने बताया कि सोयाबीन को दलहन और तिलहन दोनों के रुप में उगाया जाता है। इस फसल को उगाने के लिए दोमट मिट्टी, बलुई दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त होती है। मिट्टी का पीएच स्तर आदर्श रूप से 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए। उन्होंने किसानों को सलाह देते कहा कि इसके खेती के पूर्व मिट्टी की जांच जरूरी है।इसके अलावा इस फसल को उन खेतों में लगाना चाहिए जहां जल निकासी की व्यवस्था काफी बेहतर हो, क्योंकि पानी लगने से सोयाबीन की फसल खेतो में ही खड़े-खड़े खराब हो जाती है। चूंकि यह दलहन के भी गुण रखती है तो बुवाई से पूर्व बीज का उपचार अत्यंत आवश्यक है इसके लिए ट्राईकोडर्मा या राईजोबियम या पी.एस.बी.कल्चर 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के लिए उपयोग किया जाना चाहिए जिससे जड़ों में नोड्यूल बनते हैं और नाईट्रोजन का प्रयोग खेत में कम करना पड़ता है।

किसानों को लाभ

सोयाबीन तिलहन की फसल होने के साथ साथ इसमें दलहनी गुण भी होता है अतः यह फसल खेतों में नत्रजन एकत्रीकरण करने में मददगार होती है। जिससे खेत की उर्वरा शक्ति बढती है। इसमें प्रोटीन की अधिकता होने के कारण यह विशेष रूप से प्रोटीन की कमी से होने वाली कुपोषणता को दूर करने में सहायक हो सकती है। सोयाबीन का सेवन न केवल शरीर की कोशिकाओं के विकास और मरम्मत में मदद करता है, बल्कि मानसिक संतुलन को बेहतर बनाने और दिमाग को तेज करने में भी सहायक है।

सारण में फिर डराने लगा गंडक का बढ़ता जलस्तर, निचले इलाकों में फैला पानी

AGENCY SARAN : पिछले तीन दिनों से गंडक नदी के जलस्तर में कमी के बाद एक बार फिर से बढ़ते जलस्तर ने सारण तटबंध के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। एक सप्ताह पहले बाढ़ की आशंका से डरे पृथ्वीपुर, सोनवर्षा, बसहिया, रामपुररुद्र आदि गांवों के निवासी जलस्तर में कमी होने से राहत महसूस कर रहे थे, लेकिन गंडक के बढ़ते जलस्तर ने फिर से उनकी चिंता बढ़ा दी है। सारण तटबंध के निचले इलाकों के ग्रामीणों ने बताया कि एक सप्ताह पहले आए पानी से इस बार पानी में ज्यादा बढ़ोतरी हुई है, जिसके कारण बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो गई है। जल संसाधन विभाग के एसडीओ कमलेश कुमार ने बताया कि वाल्मीकिनगर बराज से डिस्चार्ज किए गए पानी के स्तर में वृद्धि के बाद रविवार से इसमें फिर कमी आई है, जिससे अगले 24

घंटे के बाद जलस्तर में कमी आने लगेगी। उन्होंने बताया कि जल संसाधन विभाग के पदाधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा सारण तटबंध की लगातार निगरानी की जा रही है। लोगों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। वाल्मीकिनगर बराज से गंडक नदी में करीब तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जिसके बाद तरैया थाना क्षेत्र के सारण तटबंध के पूर्वी भाग में दियारा क्षेत्र में स्थित सगुनी, शामपुर, जिमदाहा, अरदेवा, शीतलपुर, बनिया हसनपुर, चंचलिया बिंद टोली, साव बस्ती में पानी काफी तेजी से फैल रहा है। गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण चंचलिया दियारा क्षेत्र में स्थित चंचलिया मुखिया नंदकिशोर साह और उनकी बस्ती के करीब 70 लोगों का घर चारों तरफ से पानी से घिरा हुआ है। गंडक में जब भी उफान या बाढ़ आती है, तो सबसे पहले तरैया प्रखंड के चंचलिया दियारा में रहने वाले लोग प्रभावित होते हैं।

क्या हिंदू धर्म में हैं 33 करोड देवी-देवता

हिंदू धर्म के बारे में कई ऐसी जानकारियां हैं जो बहुत ज्यादा लोगों को पता नहीं है। ऐसे में कुछ खास और गूढ जानकारियों को हम आपके साथ बांट रहे हैं

देवभाषा संस्कृत में कोटि के दो अर्थ होते है, कोटि का मतलब प्रकार होता है और एक अर्थ करोड़ भी होता। हिन्दू धर्म का दुष्प्रचार करने के लिए ये बात उडाई गयी है कि हिन्दुओ के 33 करोड़ देवी देवता हैं। विद्वानों के अनुसार कुल 33 प्रकार के देवी देवता हैं हिंदू धर्म में – 12 प्रकार हैं आदित्य– धाता, मित, आर्यमा, शक्रा, वरुण, अँश, भाग, विवास्वान, पूष, सविता, तवास्था, और विष्णु...! 8 प्रकार में हैं वासु– , धर, ध्रुव, सोम, अह, अनिल, अनल, प्रत्युष और प्रभाष। 11 प्रकार हैँ– रुद्र, हर, बहुरुप,त्रयँबक,अपराजिता, बृषाकापि, शँभू, कपार्दी, रेवात, मृगव्याध, शर्वा, और कपाली एवं दो प्रकार हैं अश्विनी और कुमार। कुल- 12+8+11+2=33

भारतीय संस्कृति के बारे में कुछ और भी जानना उचित रहेगा–

दो पक्ष– कृष्ण पक्ष, शुक्ल पक्ष।

तीन ऋण –देव ऋण, पितृ ऋण, ऋषि ऋण।

चार युग – सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, कलियुग

चार धाम – द्वारिका, बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम धाम

चारपीठ – शारदा पीठ (द्वारिका), ज्योतिष पीठ (जोशीमठ बद्रिधाम), गोवर्धन पीठ (जगन्नाथपुरी), श्रन्गेरिपीठ!

चार वेद– ऋग्वेद, अथर्वेद, यजुर्वेद, सामवेद! चार आश्रम – ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास!

चार अंत:करण – मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार!

पंच गव्य – गाय का घी, दूध, दही,गोमूत्र, गोबर!

पञ्च देव – गणेश, विष्णु, शिव, देवी,सूर्य!

पंच तत्त्व – पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश!

छह दर्शन – वैशेषिक, न्याय, सांख्य,योग, पूर्व मिसांसा, दक्षिण मिसांसा!

सप्त ऋषि – विश्वामित्र, जमदाग्नि, भरद्वाज, गौतम, अत्री, वशिष्ठ और कश्यप!

सप्त पूरी –अयोध्यापूरी,मथुरा पूरी, माया पूरी (हरिद्वार), काशी, कांची (शिन कांची – विष्णु कांची), अवंतिका और द्वारिका पूरी!

आठ योग – यम, नियम, आसन,प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधी !

आठ लक्ष्मी – आग्घ, विद्या, सौभाग्य, अमृत, काम, सत्य, भोग एवं योग लक्ष्मी!

नव दुर्गा –शैल पुत्री, ब्रह्मचारिणी,चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी एवं सिद्धिदात्री!

दस दिशाएं – पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, इशान, नेऋत्य, वायव्य, अग्नि, आकाश एवं पाताल!

मुख्य 11 अवतार – मत्स्य, कच्छप, वराह,नरसिंह, वामन, परशुराम,श्री राम, कृष्ण, बलराम, बुद्ध, एवं कल्कि!

बारह मास – चेत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, अषाढ, श्रावण, भाद्रपद, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ, फागुन!

बारह राशी – मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, कन्या।

बारह ज्योतिर्लिंग – सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकाल, ओमकारेश्वर, बैजनाथ, रामेश्वरम, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, केदारनाथ, घुष्नेश्वर,भीमाशंकर, नागेश्वर।

पंद्रह तिथियां– प्रतिपदा,द्वितीय, तृतीय, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी,दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी, पूर्णिमा, अमावष्या!

19 स्मृतियां – मनु, विष्णु, अत्री, हारीत, याज्ञवल्क्य, उशना, अंगीरा, यम, आपस्तम्ब, सर्वत, कात्यायन, ब्रहस्पति, पराशर, व्यास, शांख्य, लिखित, दक्ष, शातातप, वशिष्ठ!

मंगलवार व शनिवार को करें इन मंत्रों का जाप हनुमानजी करेंगे हर समस्या का समाधान

मंगलवार और शनिवार को रामभक्त हनुमान जी की पूजा की जाती है। इन दोनों दिन हनुमान जी का व्रत व पाठ करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। सुंदरकांड का पाठ करके हनुमान जी को प्रसन्न किया जा सकता है। यदि मंगलवार के दिन व्रत किया जाए तो मंगल दोष से भी मुक्ति मिलती है। यहां कुछ मंत्रों के बारे में बताया गया है जिनके जाप मात्र से व्यक्ति की विवाह, विद्या व रोग संबंधी सभी समस्याओं का हल हो जाता है।

इस मंत्र का जाप करने से विद्यार्थियों की बल बुद्धि में बढ़ौत्तरी होती है।

बुद्धिहीन तनु जान के सुमिरो पवन कुमार
बल बुद्धि विद्या देहु मोहिं हरहु कलेश विकार।

व्यक्ति को किसी प्रकार की पीड़ा या रोग है तो मंगलवार या शनिवार के दिन इस मंत्र के जाप मात्र से निवारण हो जाएगा।

हनुमान अंगद रन गाजे हांक, सुनत रजनीचर भाजे।

लड़की या लड़के के विवाह में विलंब हो रहा है तो किसी भी मंगलवार या शनिवार के दिन इस मंत्र का जाप करें। इससे विवाह शीघ्र होने के योग बनते हैं।

मास दिवस महुं नाथु न भावा, तो पुनि मोहि जिअत नहि पावा।

घर में सुख शांति के लिए आजमाए ये सरल उपाय

हर इंसान चाहता है कि मेरे घर में सुख–शांति हमेशा बनी रही। लोग बहुत परेशान होते हुए भी कुछ नहीं समझ पाते की हमें अब क्या करना चाहिए। खबर यह है कि गृहस्थ व्यक्ति हमेशा कामना करता है कि उसके घर मे शांति हो, लेकिन उसके प्रयासों के बाद भी कोई न कोई बात ऐसी हो जाती है, जो उसके मन को अशांत कर देती है ऐसे में उसके कारणों की खोज परोक्ष रूप में करनी चाहिए। लहसुन की गांठ घर में रखने से सर्प कभी घर में प्रवेश नहीं करता। जो व्यक्ति यह समझता है कि घर के लोग उसकी बात को गंभीरता से नहीं लेते, जबकि वह हमेशा उसकी बात को गंभीरता से नहीं लेते, जबकि वह हमेशा सही होता है। ऐसे व्यक्ति को नियमित रूप से जल में थोड़ा–सा गुड मिलाकर निम्मलिखित मंत्र के साथ सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए। यदि आपके घर में प्रतिदिन कभी भी किसी भी चीज की संपन्नता स्थिर नहीं रह पाती है तो अपने घर में महालक्ष्मी शंख को रखें, शाम में यंत्र को एकटक निहारते हुए श्रीं श्रीयेयै नम: का नियमित जप करें। जितनी अधिक संख्या में कर सकते हैं, उतना ही अच्छा है। यदि आपके घर में प्रतिदिन कोई न कोई मुसीबत आती है और आपको लगात है कि कोई आप पर तंत्र–मंत्र करवाता है तो आप किसी भी शुक्लपक्ष के सोमवार को नवदुर्गा यंत्र को घर के मुख्य द्वार पर लगाकर रोज 21 बार ऊँ ह्रीं दुर्गायै नम: का नियमित जप करें। गीता के 11वें अध्याय के 36वें श्लोक को गत्ते पर लाल स्याही से लिखकर टांग देने से घर की समस्त बाधाएं दूर हो जाती हैं। जिस घर में नियमित रूप से अथवा प्रत्येक शुक्रवार को श्रीसूक्त या श्रीलक्ष्मी सूक्त पाठ होता है। उस घर में सदा लक्ष्मी का वास होता है।

गाय कैसे और क्यों करती है वास्तु दोषों का निवारण

वास्तु के अनुसार अगर भवन, घर का निर्माण करना हो यदि वहां पर बछड़े वाली गाय को लाकर बांधा जाए तो वहां संभावित वास्तु दोषों का स्वत: निवारण हो जाता है। वह कार्य निर्विघ्न पूरा होता है और समापन तक आर्थिक बाधाएं नहीं आतीं। गाय के रूप में पृथ्वी की करुण पुकार और विष्णु से अवतार के लिए निवेदन के प्रसंग बहुत प्रसिद्ध हैं। 'समरांगण सूत्रधार' जैसा प्रसिद्ध वृहद् वास्तु ग्रंथ गो रूप में पृथ्वी–ब्रह्दि के समागम–संवाद से ही आरंभ होता है। वास्तुग्रंथ 'मयमतम' में कहा गया है कि भवन निर्माण का शुभारंभ करने से पूर्व उस भूमि पर ऐसी गाय को लाकर बांधना चाहिए जो सवत्सा या बछड़े वाली हो। शास्त्रों में लिखा हैं की जब नवजात बछड़े को जब गाय दुलारकर चाटती है तो उसका फेन भूमि पर गिरकर उसे पवित्र बनाता है और वहां होने वाले समस्त दोषों का निवारण हो जाता है। यही मान्यता वास्तुप्रदीप, अपराजितपृच्छा आदि में भी आई है। महाभारत के अनुशासन पर्व में कहा गया है कि गाय जहां बैठकर निर्भयतापूर्वक सांस लेती है, उस स्थान के सारे पापों को खींच लेती है–

निविष्टं गोकुलं यत्र श्वांस मुंचति निर्भयम।
विराजयति तं देशं पापं चास्याप कर्षति॥

यह भी कहा गया है कि जिस घर में गाय की सेवा हो, वहां पुत्र–पौत्र, धन, विद्या, सुखादि जो भी चाहिए, मिल सकता है। यही मान्यता अत्रिसंहिता में भी आई है। अत्रि ने तो यह भी कहा है कि जिस घर में सवत्सा धेनु नहीं हो, उसका मंगल–मांगल्य कैसे होगा?

गाय का घर में पालन करना बहुत लाभकारी है। ऐसे घरों में सर्वबाधाओं और विघ्नों का निवारण हो जाता है। जिस घर में गाय रहती है उसमें रहने वाले बच्चों में भय नहीं रहता। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जब श्रीकृष्ण पूतना के दुग्धपान से डर गए तो नंद दंपती ने गाय की पूंछ घुमाकर उनकी नजर उतारी और भय का निवारण किया। सवत्सा गाय के शकुन लेकर जाने से कार्य सिद्ध होता है। पद्मपुराण, और कूर्मपुराण में कहा गया है कि कभी गाय को लांघकर नहीं जाना चाहिए। किसी भी साक्षात्कार, उच्च अधिकारी से भेंट आदि के लिए जाते समय गाय के रंभाने की ध्वनि कान में पड़ना शुभ है। संतान लाभ के लिए घर में गाय की सेवा अच्छा उपाय कहा गया है। शिवपुराण व स्कंदपुराण में कहा गया है कि गो सेवा और गोदान से यम का भय नहीं रहता। गाय के पांव की धूली का भी अपना महत्व है। यह पाप विनाशक है, ऐसा गरुड़पुराण और पद्मपुराण का मत है।

क्लेशों से मुक्ति दिलाता विश्रांति घाट

श्री कृष्ण ने स्नान कर किया था विश्राम

ततो विश्रांति तीर्थाख्यं तीर्थमहो विनाशनम। संसारमरू संचार क्लेश विश्रांतिदं नृणाम।

संसार रूपी मरूभूमि में भटकते हुए, त्रितापों से पीड़ित हर तरह से निराश्रित, विविध क्लेशों से क्लांत होकर जीव श्री कृष्ण के इस महातीर्थ में स्नान कर विश्राम अनुभव करता है इसलिए इस तीर्थ का नाम विश्रांति या विश्राम घाट है। विश्राम घाट की संरचना दो–मंजिली है। इसे बनाने के लिए लखोरी ईंट व चूने, लाल एवं बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया गया है। घाट को बुर्ज व खंभों पर बने अर्द्ध–गोलाकार, कांटेदार मेहराबों से सुसज्जित किया गया है। घाट का मध्य क्षेत्र खिले हुए आकर्षक रंगों से सजा हुआ है। यह तीन तरफ से मठों से घिरा हुआ है व चौथी तरफ सीढियां नदी में उतर रही हैं। मध्य क्षेत्र में संगमरमर से निर्मित श्री कृष्ण व बलराम की मूर्तियां नदी की ओर मुख करके स्थापित हैं। मूर्तियों के सामने पांच विभिन्न आकार के मेहराब हैं। बीच का मेहराब पत्थर के कुर्सी आधार व पत्थर के छोटे स्तंभ से निर्मित आयताकार है, जबकि नदी की तरफ वाले मेहराब ऊपरी मंजिल का सहारा लेकर छतरी की आकृति बनाते हैं। यहां अनेक संतों ने तपस्या की एवं अपना विश्राम स्थल बनाया। उक्त घाट पर भारत के धर्मभीरू राजाओं ने तुलादान (एक पलड़े में स्वयं व दूसरे में अपने वजन के सोना–चांदी जवाहरात) किए थे। तुला को लटकाने के मेहराब आज भी लगे हैं। विश्राम घाट के उत्तर में 12 और दक्षिण में 12 घाट हैं। दक्षिण दिशा के घाटों पर समाधियां जिनमें शंकरजी के मंदिर हैं। ये समाधियां सिंधिया परिवार से संबंधित हैं। देखभाल के अभाव में उक्त समाधियां जीर्ण–शीर्ण अवस्था में पहुंच गई हैं। उत्तर दिशा के घाटों में गणेशतीर्थ घाट है, चक्रतीर्थ, कृष्णगंगा, स्वामीघाट, असिकुंड तीर्थ आदि हैं। जब शिवाजी महाराज आगरा किले से औरंगजेब की कैद से निकले तब मां जगदंबा (महाविद्या) की पूजा–अर्चना करके स्वर्ण छत्र चढ़ाया। तत्पश्चात गणेशजी का पूजन कर सीधे महाराष्ट्र के प्रतापगढ़ के लिए प्रस्थान किया। गणेशजी व मां जगदंबा के मंदिर आज भी उक्त स्थलों पर हैं। भगवान श्री कृष्ण ने कंस का वध कर इस स्थान पर विश्राम किया था इसलिए यहां की महिमा अपरंपार है। कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने महाबलशाली कंस को मारकर ध्रुव घाट पर उसका अंत्येष्टि संस्कार करवाकर बंधु–बांधवों के साथ यमुना के इस पवित्र घाट पर स्नान कर विश्राम किया था। किंतु भगवान से भूले–भटके जन्म–मृत्यु के अनंत, अथाह सागर में डूबते–उबरते हुए क्लांत जीवों के लिए यह अवश्य ही विश्राम का स्थान है।

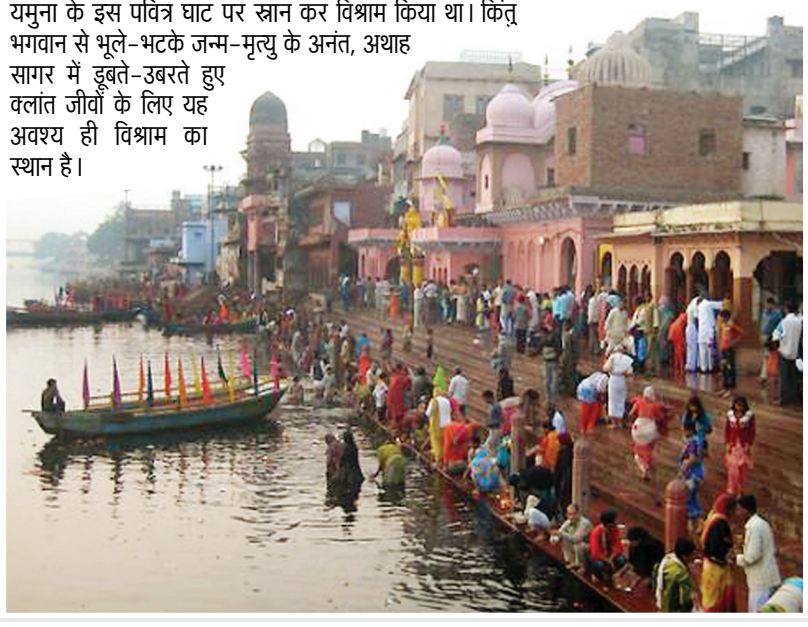

अब ब्रिटेन में सख्ती से कसे जाएं खालिस्तानी

ब्रिटेन के हालिया चुनावों में लेबर पार्टी की महत्वपूर्ण जीत से साबित हो गया कि ब्रिटेन की राजनीति में भारतीय प्रवासी समाज की भूमिका बेहद खास है। ब्रिटेन के चुनाव परिणाम यह बताते हैं कि वहां की राजनीति में भारतीय प्रवासियों की ताकत बढ़ती ही जा रही है। निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक सहित 26 भारतीय मूल के नेता नई संसद के लिए चुने गये हैं। सुनक ने उत्तरी इंग्लैंड में रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल की। सुनक की पार्टी की शिवानी राजा ने लीसेस्टर ईस्ट की सीट जीत ली है। लीसेस्टर ईस्ट में लड़ाई में कई दिग्गज शामिल थे, जिनमें पूर्व सांसद क्लाउड वेबे और कीथ वाज शामिल थे, जिन्होंने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। कीथ वाज भी भारतीय मूल के ही हैं। वे पहले भी संसद के सदस्य रहे हैं। शिवानी राजा शिक्षा की दुनिया से जुड़ी हुई हैं। वो लंबे समय से कंजरवेटिव पार्टी की एक्टिविस्ट हैं। भारत में जन्मे कनिष्क नारायण पूर्व वेल्श की सीट से जीत गए हैं। वे भी कंजरवेटिव पार्टी के उम्मीदवार थे। बिहार के मुजफ्फरपुर के मूल निवासी कनिष्क नारायण 12 साल की उम्र में ब्रिटेन गए थे। उन्होंने ऑक्सफोर्ड और फिर स्टैनफोर्ड में पढ़ाई की। भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन ने फेयरहैम और वाटरलूविल सीट जीती है। उनके पिता गोवा के और मां तमिल मूल की हैं। पंजाबी हिन्दू परिवार से संबंध रखने वाले गगन मोहिन्दर फिर से साउथ-वेस्ट हर्टफोर्डशायर सीट से चुनाव जीत गए हैं। निवर्तमान संसद के सदस्य नवेंदु मिश्र लेबर पार्टी की टिकट पर स्टॉकपोर्ट सीट से कामयाब रहे हैं। वो मूल रूप से कानपुर से हैं। ब्रिटेन की निवर्तमान संसद में भी 15 भारतीय मूल के सांसद थे। ब्रिटेन के आम चुनाव 2024 में, कुल 107 ब्रिटिश-भारतीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। भारत-ब्रिटेन संबंधों के देखा जाए तो इसके प्रमुख रूप से पांच आयाम हैं। ब्रिटेन भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है। जबकि भारत भी ब्रिटेन में नई परियोजनाएं शुरू करने के मामले में तीसरा सबसे बड़ा देश है। भारत के लिए ब्रिटेन एक महत्वपूर्ण आयातक देश है। हालांकि यह भारत को बहुत बड़ी मात्रा में निर्यात भी करता रहा है। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में भारतीय कंपनियों की भी अहम भूमिका है। भारतीयों की स्वामित्व वाली 700 से ज्यादा कंपनियों ने ब्रिटेन में 1 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया हुआ है। टाटा ग्रुप की ही कंपनियों ने ब्रिटेन में हजारों लोगों को रोजगार दिया हुआ है। वहां हिन्दुजा, लक्ष्मी मित्तल, स्वराज पॉल जैसे बहुत सारे बड़े उद्योगपति स्थायी रूप से रहकर ही देश-विदेश में अपना काम कर रहे हैं। इसके अलावा, भारत के हजारों छात्र ब्रिटेन में पढ़ाई करने भी हर साल जाते हैं। हां, भारत के युवाओं में अमरीका, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी में पढ़ाई, नौकरी या निवेश करने का चलन भी बढ़ रहा है। भारत और ब्रिटेन के बीच 200 साल से भी अधिक का पुराना संबंध है। दोनों ही देश सांस्कृतिक संस्थानों और अंग्रेजी से माध्यम से जुड़े हैं। दोनों देशों के आपसी संबंधों को मजबूत रखने में ब्रिटेन में रहने वाले करीब 15 लाख प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका है। ये प्रवासी भारतीय न केवल ब्रिटेन और भारत के बीच एक मजबूत पुल का काम कर रहे हैं, बल्कि, इन्होंने भारत की संस्कृति से ब्रिटेन को संपन्न भी किया है। प्रवासी भारतीय ब्रिटेन में हर क्षेत्र में प्रभावशाली रूप से मौजूद है। अब चाहे वो व्यापार, राजनीति, खेल का क्षेत्र हो या कोई और, इन्होंने सभी क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है। भारत को ब्रिटेन की नई सरकार से यह भी यही उम्मीद रहेगी कि पिछले साल भारतीय उच्चायोग पर हुए हमले के लिए जिम्मेदार तत्वों पर अब कठोर एक्शन लिया जाये। ऋषि सुनक सरकार ने भी खालिस्तान समर्थक संगठनों पर चाबुक चलानी शुरू कर दी थी। ये संगठन ब्रिटेन में बैठकर भारत के खिलाफ आतंकवाद या नफरत की आग फैलाने की साजिश में लगे हुए हैं। इन संगठनों में इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन, खालसा टेलीविजन लिमिटेड, खालिस्तानी टेलीविजन चैनल वगैरह शामिल हैं। ब्रिटेन में खालिस्तानी फंडिंग नेटवर्क की कमर तोड़ने के लिए बनाई गई स्पेशल टास्क फोर्स ने खालिस्तान समर्थकों के 300 से ज्यादा बैंक खाते जब्त कर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जब्त की है। भारत- ब्रिटेन संबंधों में बेहतरी तब ही कायदे से आएगी, जब वहां खालिस्तानी समर्थक कसे जाएंगे। अब भारत-ब्रिटेन का यह लक्ष्य रहेगा कि दोनों देश व्यापार, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा में सहयोग बढ़ाएं। पिछली 4 जुलाई को ब्रिटेन में हुए संसदीय चुनावों के परिणाम व्यापक रूप से अपेक्षित थे। किएर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी को 34 फीसद वोटों के साथ हाउस ऑफ कॉमन्स में 650 सीटों में से 410 सीटों पर जीत मिली। वे अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन गए हैं। उनकी भी भारतीय सनातनी परम्पराओं में गहरी आस्था है और वे नियमित रूप से हिन्दू मंदिरों में जाते रहे हैं। हालिया चुनाव परिणाम भारत- ब्रिटेन संबंधों के लिए चुनौतियां और अवसर दोनों ही प्रस्तुत करते हैं, जो पिछले दो दशकों में लगातार मजबूत होते रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर से बात की और उन्हें पीएम चुने जाने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने विगत शनिवार को ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री से बात करते हुए उन्हें लेबर पार्टी की उल्लेखनीय जीत पर बधाई दी। बातचीत में दोनों नेताओं ने भारत-ब्रिटेन की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री को मोदी जी ने भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

भारतीय संस्कृति और मर्यादा का अंतस

ANALYSIS

हृदयनारायण दीक्षित

सारांशतः भारत के बुद्धि विवेक और ज्ञान प्रज्ञान का सर्वोत्तम संस्कृति है। राष्ट्र के सभी अंगभूत घटक एक स्वर, एक लय, एक प्रीति, एक छंद और एक रस समरस स्पंदित होकर अपनी संस्कृति गढ़ते हैं। संस्कृति भारत के लोगों के दर्शन, भाषा, धर्म, कला, आशा, संवेदना, अनुभूति, प्रीति, धीरज, साहस संयम और मर्यादा का अंतस है। भारतीय संस्कृति हजारों वर्ष की तपसाधना का सृजन है। मार्शल ने लिखा है, "अनेक प्रमाणों में भारत में एक अत्यंत विकसित संस्कृति की उपस्थिति का पता चलता है। इसके पीछे अवश्य ही भारत की धरती का लंबा इतिहास होना चाहिए।" ऋग्वेद दुनिया का प्राचीन शब्द प्रमाण है। प्राचीन समाज का विज्ञान है और तत्कालीन समाज की संस्कृति का दर्पण है। वैदिक साहित्य में सामाजिक संगठन के स्वर्ण सूत्र हैं। यहां दर्शनशास्त्र है। विज्ञान है। योग और भौतिक विज्ञान है।

प्रत्यक्ष पर्यावरण प्रकृति की संरचना है। भारत के प्राचीनकाल में भी प्राकृतिक पर्यावरण की उपस्थिति मनमोहक थी। प्रकृति को देखते, उसके विषय में सोचते और सुनते मनुष्य ने भी सृजन कर्म में जाने अनजाने भागीदारी की। आज का भारत हमारे पूर्वजों, अग्रजों के सचेत कर्मों का परिणाम है। मनुष्य द्वारा किए गए सुंदर सत्कर्म संस्कृति हैं। प्रकृति स्वाभाविक है। लेकिन संस्कृति मनुष्य की रचना है। संक्षेप में विश्व के प्रत्येक जीव की लोकमंगल कामना और उसके लिए किए गए कर्म संस्कृति है। संस्कृति किसी एक व्यक्ति या समूह के कर्मफल का परिणाम नहीं होती। भारतीय संस्कृति के विकास में विज्ञान और दर्शन की महत्ता है। कोई अंधविश्वास नहीं। रूप, रस, गंध, शब्द और स्पर्श प्रत्यक्ष इंद्रिय बोध के हिस्से हैं। पूर्वजों की 'मंगल भवन अमंगल हारी" कर्मठ चेतना से संस्कृति का विकास हुआ। सारांशतः भारत के बुद्धि विवेक और ज्ञान प्रज्ञान का सर्वोत्तम संस्कृति है। राष्ट्र के सभी अंगभूत घटक एक स्वर, एक लय, एक प्रीति, एक छंद और एक रस समरस स्पंदित होकर अपनी संस्कृति गढ़ते हैं। संस्कृति भारत के लोगों के दर्शन, भाषा, धर्म, कला, आशा, संवेदना, अनुभूति, प्रीति, धीरज, साहस संयम और मयार्दा का अंतस है। भारतीय संस्कृति हजारों वर्ष की तपसाधना का सृजन है। मार्शल ने लिखा है, "अनेक प्रमाणों में भारत में एक अत्यंत विकसित संस्कृति की उपस्थिति का पता चलता है। इसके पीछे अवश्य ही भारत की धरती का लंबा इतिहास होना चाहिए।" ऋग्वेद दुनिया का प्राचीन शब्द प्रमाण है। प्राचीन समाज का विज्ञान है और तत्कालीन समाज की संस्कृति का

दर्पण है। वैदिक साहित्य में सामाजिक संगठन के स्वर्ण सूत्र हैं। यहां दर्शनशास्त्र है। विज्ञान है। योग और भौतिक विज्ञान है। प्राचीन इतिहास में इस भूखंड की आस्था जैसा प्रश्नाकुल दर्शन अन्यत्र नहीं मिलता। यहां आस्था और वैज्ञानिक विवेक साथ-साथ चलते हैं। हिन्दू धर्म में एक साथ तर्क और प्रतिप्रश्न दिखाई पड़ते हैं। यहां धर्म का विकास हुआ है। यह इतिहास बड़ा मजेदार है। पहले प्रकृति का अध्ययन, विवेचन और विश्लेषण। फिर प्रकृति की शक्तियों का आदर। इन्हें देवता कहा गया। प्रकृति में नियमबद्धता देखी गई। वैदिक ऋषियों ने इस नियमबद्धता को मनुष्य के जीवन के लिए मार्गदर्शी व प्रेरक बताया। भारत में इसी सबसे विश्वप्रिय दृष्टिकोण का विकास हुआ। कौटिल्य ने दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर दुनिया का पहला अर्थशास्त्र लिखा। इसी तरह अभिनय कला के सभी सरोकारों को समझते हुए भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र लिखा। चरक ने चरक संहिता और पाणिनि की अष्टाध्यायी और पतंजलि का योगसूत्र हिन्दुओं की ओर से सारी दुनिया के लिए पुरस्कार है। ब्रिटिश सत्ता के दौरान यूरोपीय सभ्यता को श्रेष्ठ और भारतीय संस्कृति को छोटा और हेय बनाने का प्रयास किया गया है। पंडित नेहरू भी यूरोप की संस्कृति से प्रभावित थे। उन्होंने रामधारी सिंह 'दिनकर' की पुस्तक 'संस्कृति के चार अध्याय' की भूमिका में लिखा, "जब पश्चिम के लोग समुद्र पार से यहां आए, तब भारत के द्वार दरवाजे एक खास दिशा की ओर खुल गए। आधुनिक औद्योगिक सभ्यता बिना किसी शोरगुल के इस देश में प्रवेश कर गई। नए विचारों और नए भावों का हम पर हमला हुआ और भारतीय बुद्धिजीवी अंग्रेज बुद्धिजीवियों की तरह सोचने का अभ्यास करने लगे।" इस वक्तव्य के अनुसार भारतीय बुद्धिजीवियों द्वारा अंग्रेज बुद्धिजीवियों की तरह सोचना खास प्रतिष्ठा है। अंग्रेज बुद्धिजीवियों के हित साम्राज्यवादी थे। उनके लक्ष्य ईसाईयत के प्रचार से जुड़े थे। सभ्यता इकहरी नहीं होती। प्रत्येक सभ्यता का एक दर्शन होता है। एक उद्देश्य होता है। स्वयं को प्रकट करने की अपनी शैली होती है। यह सारी बातें हिन्दू धर्म और परंपरा में पहले से मजबूत रही हैं। लेकिन नेहरू और उनसे प्रभावित बुद्धिजीवी यूरोप से वैचारिक आयात कर रहे थे। इसलिए इतिहास के अनेक प्रश्न महत्वपूर्ण हैं। हिन्दू इतिहास संकलन की शैली यूरोपीय इतिहास संकलन से भिन्न है। भारतीय बुद्धिजीवियों ने महाकाव्यों, पुराणों और वैदिक साहित्य के रूप में भारत की सभ्यता और संस्कृति की नीव मजबूत की थी। लेकिन प्राचीन भारत में यूरोपीय ढंग से इतिहास का संकलन नहीं हुआ। अंग्रेजों ने अपनी सत्ता चलाने के लिए भारत के सम्यक अध्ययन को जरूरी पाया। ब्रिटिश विद्वानों ने इतिहास की यूरोपीय शैली को अपनाते हुए भारतीय इतिहास का विवेचन किया। मार्क्सवादी विद्वान रामशरण शर्मा ने 'प्रारंभिक भारत का परिचय" (पृष्ठ 6) में लिखा है, "ब्रिटेन वालों ने जब यहां शासन कायम किया तब उन्हें औपनिवेशिक प्रशासन के हित में इसकी आवश्यकता प्रतीत हुई। जब 1765 में बंगाल और बिहार ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन में आए, तब शासकों को हिन्दुओं के उत्तराधिकार की न्याय व्यवस्था करने में कठिनाई का अनुभव हुआ। अतः 1776 में सबसे अधिक प्रामाणिक मानी जाने वाली मनुस्मृति का अंग्रेजी अनुवाद 'ए कोड ऑफ जेंटू लॉज' के नाम से कराया गया।" यह सब बातें मार्क्सवादी विद्वान की हैं। 1784 में कोलकाता में 'एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल' की स्थापना विलियम जोन्स ने की। उन्होंने 'अभिज्ञान शाकुंतलम' नाटक का अंग्रेजी में अनुवाद किया। इसी समय वर्ष 1785 में विलकंस ने भगवदगीता का अंग्रेजी में अनुवाद किया। ब्रिटिश सत्ताधीश भारत को ठीक से समझने में लगे थे। वस्तुतः भारत की सभी संस्थाओं को अंग्रेजीराज की मजबूती के लिए इस्तेमाल करने का काम उस समय के आधुनिक विद्वानों के द्वारा किया जा रहा था। रामशरण शर्मा ने लिखा है, "उन्हें महसूस हो गया कि जिन विदेशी लोगों पर उन्हें शासन करना है, उनके रीति-रिवाज और सामाजिक व्यवस्था का गहन ज्ञान प्राप्त करना होगा। क्रिश्चियन मिशनों के धर्म प्रचारकों ने भी हिन्दू धर्म की दुर्बलताओं को जानना आवश्यक समझा ताकि वे धर्म परिवर्तन करा सके और इसके द्वारा ब्रिटिश साम्राज्यवादियों को मजबूत बना सकें। इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मैक्समूलर के संपादकतत्व में विशाल मात्रा में प्राचीन धर्म ग्रंथों का अनुवाद किया गया। ये अनुवाद 'सैकरेड बुक्स ऑफ द ईस्ट' सीरीज में 50 खंडों में प्रकाशित हुआ। भारतीय इतिहास और समाज के अध्ययन का इनका उद्देश्य ब्रिटिश सत्ता का समर्थन था। पाश्चात्य विद्वानों ने भारतीय इतिहास और समाज की संरचना के सम्बंध में कई भ्रामक नतीजे निकाले थे। उनके मत में प्राचीन भारत के लोगों को इतिहास का विशेषतया काल और क्रम का बोध नहीं था कि भारत के लोग स्वेच्छाकारी शासन के अभ्यस्त रहे।

लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।

'पार्किंसंस' के बीच सृजित हुआ 'पुष्कर के उद्गार'

"छह साल पहले, मेरा लंबे समय से चल रहा अवसाद एक मनोवैज्ञानिक अवसादग्रस्तता पार्किंसंन बीमारी में परिणत हो गया, जिससे मेरे पास बेहतर होने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। मैंने मूड स्टेबलाइजर लेना शुरू किया और नियमित रूप से एक चिकित्सक से मिला। भले ही यह अनुभव थका देने वाला रहा पर आज मैं पहले से कहीं ज्यादा स्थिर महसूस करता हूं। बीमारी गई नहीं है और शायद न ही कभी जीते जी जाएगी। ...क्योंकि इसका धरती पर कोई इलाज नहीं है।" यह कहना है हरियाणा के भिवानी के गांव बड़वा में जन्मे और आजकल हिसार के सेक्टर 16 -17 निवासी रिटायर्ड असिस्टेंट टाउन प्लानर (राजपत्रित अधिकारी) पुष्कर दत्त शर्मा की। उनका हाल ही में कविता संग्रह 'पुष्कर के उद्गार' छपा है। पुष्कर दत्त शर्मा को 2016 के दिसम्बर में दुनिया की इस भयंकर बीमारी के लक्षण आने शुरू हुए। शुरू में इनको दाएं पैर के अंगूठे में कम्पन का आभास हुआ। धीरे-धीरे उन्होंने अकेले चलने और कोई भी काम अकेले करने की क्षमता खो दी। देश-विदेश से इलाज लेने के बाद भी इस बीमारी का कोई इलाज नहीं मिला। आखिरकार इस बीमारी के साथ जीना जरूर सीख लिया। पार्किंसंस रोग एक मस्तिष्क विकार है, जो अनपेक्षित या अनियंत्रित गतिविधियों का कारण बनता है, जैसे कंपन, अकड़न, तथा संतुलन और समन्वय में कठिनाई। लक्षण आमतौर पर धीरे-धीरे शुरू होते हैं और समय के साथ बिगड़ते जाते हैं। जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, लोगों को चलने और बोलने में कठिनाई हो सकती है। पुष्कर दत्त ने बताया कि " मुझे यह स्वीकार करने में जितना भी अरुचि हो, मेरी मानसिक बीमारी ऐसी चीज बन गई जिसका मैं फायदा उठा सकता था। अपने लक्षणों को विचित्रताओं में बदलकर, मैं अपनी मानसिक बीमारी की तीव्रता को उससे कहीं अधिक समय तक दबाने में कामयाब रहा जितना मुझे करना चाहिए था। जब आप गंभीर मानसिक बीमारी से उत्पन्न होने वाले हानिकारक दृष्टिकोणों को आंतरिक रूप से ग्रहण करते हैं, तो यह आपको अनोखा महसूस करा सकता है, और अनोखा महसूस करना लगभग उतना ही अच्छा है जितना कि खुश होना। बाहर न जाने की स्थिति में मैंने कुछ न कुछ लिखना शुरू कर दिया।" "यह दशार्ता है कि मैंने अवसाद के साथ अपने रिश्ते को बदल दिया है और एक नए व्यक्ति के रूप में विकसित हुआ हूं। पहचान को फिर से खोजना जितना डरावना है, यह प्रक्रिया मुक्तिदायक हो सकती है, जिससे आप एक उद्देश्य पा सकते हैं और अपनी क्षमता की खोज कर सकते हैं। यह आपकी अपनी इच्छाओं और जुनून पर विचार करने का अवसर है, बजाय इसके कि उनका उपयोग अनुपचारित मानसिक बीमारी से निपटने के लिए किया जाए। उदाहरण के लिए, मैं रचनात्मक लेखन में इसलिए आया क्योंकि मैं भावनात्मक रूप से खुद को शांत करना चाहता था। अब जब मेरी मानसिक ऊर्जा मानसिक बीमारी से जूझने में एकाधिकार नहीं रखती, तो मैं रचनात्मक लेखन में स्वस्थ तरीके से शामिल हो पाया हूं। मेरा लेखन वास्तव में बेहतर हो गया है।" वह कहते हैं, " लेकिन मेरे मानसिक स्वास्थ्य में पर्याप्त सुधार के साथ एक अजीबोगरीब दुष्प्रभाव भी आया- कम्पन। बेहतर होने पर, मुझे जल्दी ही पता चला कि मैंने अपने जीवन का इतना हिस्सा इस धारणा पर बनाया था कि मैं हमेशा दुखी रहूंगा। और जब खुशी कुछ हासिल करने लायक हो गई, तो मैंने जो पहचान को अपनी 'अजीब आदतों' के विकसित की थी, उसका इस बीमारी के चलते अर्थ खो गया। मुझे अपनी बीमारी से रिटायरमेंट के बाद इस तरह जूझना पड़ेगा कभी सोचा न था। मेरी इस पार्किंसन बीमारी के परिणाम कभी भी पूरी तरह से दूर नहीं होंगे- लक्षण भड़क सकते हैं और जीवन के बुरे दौर की यादें बनी रहेंगी। अपने मानसिक स्वास्थ्य को सक्रिय रूप से संबोधित करने का मतलब यह नहीं है कि मानसिक बीमारियों के साथ आपके अनुभव अब आपके व्यक्तित्व का हिस्सा नहीं हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मानसिक बीमारी अब आपके जीवन और स्वयं की धारणा को प्रभावित नहीं करती है। इसे स्वीकार करें। यह रास्ता मुश्किल हो सकता है, लेकिन यह ऐसी चुनौती नहीं है जिसका सामना आपको अकेले करना पड़े। किसी थेरेपिस्ट से बात करें। अपने दोस्तों और परिवार का सहारा लें। अपनी पहचान को अपनी 'अजीब आदतों' के बजाय अपने जुनून के इर्द-गिर्द फिर से आकार देना मेहनत के लायक है।" पुष्कर दत्त शर्मा जी ने बताया, "मैंने अपनी ड्यूटी के साथ-साथ इस बीमारी से लड़ते हुए 103 कविताओं की एक पुस्तक, जिसका नाम 'पुष्कर के उद्गार' लिखी, इसका विधिवत विमोचन होने के बाद यह पुस्तक निशुल्क वितरित की गई। यह पुस्तक मेरा प्रथम प्रयास है तथा यह विभिन्न विषयों पर लिखी गई है। पुस्तक में लगभग 20 कविताएं कोरोना से संबंधित हैं। इनमें लोगों को कोरोना से लड़ने के लिए मोटिवेट किया गया है। लेखन भी जारी है परंतु बीमारी मुझे हर प्रकार से घेर रही है। स्वास्थ्य खराब होने के बावजूद भी मैंने बीमारी के सामने कभी घुटने नहीं टेके हैं। सरकार से अनुरोध है कि इस बीमारी के रोकथाम के लिए तुरंत प्रभाव से वैक्सीन इत्यादि बनाकर लाखों मरीजों की परेशानी से मुक्ति दिलाए।"

Social Media Corner

सच के हक में...

खर्ची पूजा के अवसर पर सभी को, विशेषकर त्रिपुरा के लोगों को शुभकामनाएं! चतुर्दश देवता का दिव्य आशीर्वाद सदैव हम पर बना रहे, जिससे सभी को खुशी और अच्छा स्वास्थ्य मिले। यह सभी के जीवन को समृद्धि और सद्भाव से समृद्ध करे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

श्री राज राजेश्वरी मां विंध्यवासिनी धाम में आदि महाशक्ति मां भगवती विंध्यवासिनी के दर्शन कर राज्यवासियों के स्वस्थ और सुखमय जीवन की कामना की। जय मां विंध्यवासिनी!

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

गिरिडीह के गांवा प्रखंड स्थित शिव मंदिर परिसर में आयोजित श्री श्री 108 रुद्र महायज्ञ में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महायज्ञ में परिक्रमा एवं पूजन अर्चन कर ईश्वर से समस्त प्रदेशवासियों के सुख-सौभाग्य, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण जरूरी

वायु प्रदूषण के संदर्भ में हाल ही में जारी आंकड़े देश में भयावह स्थिति की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। मौजूदा स्थिति के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 100 में से लगभग 12 लोगों की मौत खराब हवा के कारण होती है। एक रिपोर्ट में दिल्ली को विश्व का सबसे प्रदूषित शहर बताया गया था। पूरे वर्ष यहां की हवा खराब रहती है। सर्दी में समस्या और बढ़ जाती है। इस मसले पर अदालत से लेकर संसद तक चिंता जताई जा चुकी है। फिर भी स्थिति में सुधार नहीं है। ऐसा लगता है कि इस क्षेत्र में किसी ने कोई काम नहीं किया। जैसे ही सर्दी बढ़ेगी सरकारें एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति शुरू कर देंगी। वाराणसी में भी वायु प्रदूषण से होने वाली मौत 10 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा भी तमाम ऐसे इलाके हैं जहां वायु प्रदूषण मानव जीवन पर भारी पड़ रहा है। देश के स्वच्छ वायु मानदंड डब्ल्यूएचओ के 15 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर के दिशा-निर्देश से चार गुना अधिक है। यह बेहद परेशान करने वाला आंकड़ा है। इसही वजह से वायु प्रदूषण के लिहाज से बेहतर माने जाने वाले शहरों में भी लोगों की जान जा रही है। मुंबई, कोलकाता बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों में हवा अपेक्षाकृत साफ रहती है, लेकिन इन शहरों में भी प्रदूषण से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार हवा में पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ के मानक से अधिक होने से यह नौबत आती है। अब तो मौसम के बदलते स्वरूप की वजह से ऐसी बीमारियां सामने आ रही हैं, जिनका नाम कभी सुना भी नहीं गया। साथ ही कम उम्र में मधुमेह, कैंसर व हार्ट अटैक जैसी बीमारियों ने हमें आईना दिखाना शुरू कर दिया है। आश्चर्य यह है कि इतना सब कुछ होने के बाद भी हम वैसे के वैसे हैं। सर्दियों के दिनों में कोर्ट भी दिल्ली को गैस चैम्बर तक घोषित कर देता है। पिछले कुछ वर्षों से दीपावली के बाद प्रदूषण बहुत परेशान करता है। आंखों में जलन होना, गले में खराश रहने के अलावा थोड़ी दूर का स्पष्ट दिखाई तक नहीं देता। बच्चों, बुजुर्गों व अस्थमा के मरीजों के लिए तो आफत आ जाती है। इस खतरनाक प्रदूषण की वजह से स्कूलों को बंद करना पड़ता है। हद यह है कि व्यवस्था तंत्र प्रणाली को भलि-भांति पता है कि लोगों का जीवन प्रदूषण की वजह से खत्म होता जा रहा है, लेकिन उनकी सक्रियता व गंभीरता का धरातल पर कोई असर न दिखना मानव जीवन को खत्म कर रहा है और इसके अलावा हम आने वाली पीढ़ी को अपने हाथों से मारने जैसा काम कर रहे हैं। प्रदूषण के मुद्दे पर सबकी सोच एक जैसी है पर सुधरना कोई नहीं चाहता। अब प्रदूषण फैलने के दूसरे पहलू की बात करें तो केंद्र व राज्य सरकारें पराली न जलाने के लिए किसानों को लगातार जागरूक करती हैं। पराली को नष्ट करने के लिए मुआवजे के अंतर्गत मशीनें भी देती हैं। करोड़ों का बजट भी पारित किया जाता है लेकिन किसान मशीन तक नहीं खरीदते। हरियाणा में इसके लिए तमाम आईएएस व आईपीएस की ड्यूटी भी लगाई गई पर परिणाम वही ढाक के तीन पात। दिल्ली-एनसीआर में अभी सर्दी नहीं पड़ी और अभी से ही हाल इतना बुरा है कि यहां सांस लेने में इस कदर तकलीफ हो रही हो जैसे कि किसी बड़ी फैक्टरी के अंदर दम घुटता है। यदि आज यहां के किसी भी स्वस्थ व्यक्ति की जांच कराई जाए तो निश्चित तौर पर उसको फेफड़ों से संबंधित बीमारी निकलेगी। इसका ताजा उदाहरण प्रदूषण के दिनों में देखने को मिलता है क्योंकि हॉस्पिटल में सांस से संबंधित मरीजों की संख्या ज्यादा होती है। डॉक्टरों के अनुसार प्रदूषण की मात्रा बढ़ने के कारण ऑक्सीजन कम हो जाता है जिस वजह से अस्थमा के मरीजों की मौत तक हो जाती है। इसके अलावा दीवाली के बाद जो प्रदूषण हमारी सांस में जाता है उससे पूरे शरीर का सिस्टम बेहद प्रभावित हो जाता है जिसमें लीवर में भी समस्या होने लगी व छोटे बच्चों के शरीर के विकास में भी प्रभाव पड़ने लगा।

जमानत और जेल

जब किसी को अदालत से जमानत मिलती है, तो कहा जाता है कि वह जमानत पर बाहर आ गए। मगर शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जो अंतरिम जमानत मिली है, उसे लेकर यह नहीं कहा जा सकता। बेशक सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दिल्ली शराब-नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत दे दी है, लेकिन सिर्फ इतने से ही उनकी जेल से रिहाई नहीं हो पाएगी। कुछ सप्ताह पहले भी उन्हें इसी मामले में ट्रायल कोर्ट ने जमानत दे दी थी, हालांकि हाईकोर्ट ने तब इस पर रोक लगा दी। प्रवर्तन निदेशालय, यानी ईडी के सामने यह तभी स्पष्ट हो गया था कि इस मामले में केजरीवाल को बहुत समय तक जेल में रखा जाना शायद संभव न हो। ठीक उसी समय एक दूसरी जांच एजेंसी ह्यसीबीआईह्ल आगे आई और उसने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली की आबकारी नीति को लेकर एक मामला दर्ज किया और उन्हें औपचारिक रूप से अपनी हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें इस मामले में भी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसी के साथ यह भी तय हो गया कि अगर दिल्ली के मुख्यमंत्री एक मामले में जमानत हासिल करने में कामयाब भी रहे, तो दूसरा मामला उन्हें जेल से बाहर जाने से रोक देगा। शुक्रवार को यही हुआ और जमानत की खबर उनके लिए कोई राहत नहीं ला पाई। यह जरूर है कि इन मामलों पर जो राजनीति चल रही है, उनमें आम आदमी पार्टी को अपनी आक्रामकता दिखाने का एक और मौका मिल गया। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सिर्फ इतना ही नहीं हुआ। अरविंद केजरीवाल ने जो अर्जी सर्वोच्च अदालत में दाखिल की थी, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने उसे एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया। इस याचिका में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी और उसे गैर-कानूनी बताया था।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

A Jammu shift in Pakistani strategy

PRIME Minister Narendra Modi is likely to inaugurate the first train run from Reasi in Jammu region to Baramulla in Kashmir later this month, across the world's highest bridge over the Chenab river — a sight to send the spirits soaring — but the question is, will the PM's presence reassure the region's gnawing anxiety triggered by the recent spate of terror attacks south of the Pir Panjal?The last few weeks have reminded one of a blood-soaked metronome: Five soldiers killed in Kathua district on July 8. Eight persons, including six terrorists, killed in Kulgam on July 7. Three terrorists killed in Doda district on June 26. Nine pilgrims killed in Reasi district on June 9, the day PM Modi was being sworn in in Delhi.

Whatever happened to 'sab changa si?' As the BJP-ruled Centre prepares to celebrate the fifth anniversary of the revocation of Article 370 from Jammu & Kashmir less than a month from now, the question on subdued lips and depressed tongues is, why have terror attacks moved from the Muslim-majority Kashmir valley to Hindu-majority Jammu?First, the facts. The terrorists carrying out the attacks are foreign, meaning, they are from Pakistan; no other foreign terrorists — whether Afghans, Chechens, etc — have been found here. Second, they carry sophisticated weapons, such as the US-made M4 carbine assault rifles, more often found in the Afghan theatre rather than in J&K. Third, they are highly trained to carry out the attacks. Fourth, these terrorists have infiltrated into the Jammu region from the forested, international boundary (IB) section — dotted by fast-flowing streams that they use to swim across — and not really across the Line of Control.Don't be too surprised that the IB can be infiltrated. In Reasi, Doda, Kathua and Samba, the ground is soft, and in the past, terrorists have sneaked in via tunnels. In more modern times, Pakistani drones have done the job — including a drone attack over Jammu's airbase in 2021.Most importantly, the shift in Pakistani strategy — shifting the target area from Kashmir to Jammu — has been clearly done with an eye to "giving relief" to the Kashmiri population. The Valley is so closely monitored that it is difficult for a leaf to fall without the security establishment knowing about the speed, angle and distance of the falling leaf from the ground well in advance. There is not an iota of doubt that large parts of Kashmir are among the most militarised in the world. The cost of speaking up or against the establishment is so high that people would much rather mind their own business.

Not so in the Jammu region. The securitisation of these parts has been far more relaxed, notwithstanding the constant spate of attacks in the Poonch-Rajouri sector — Hindu-majority Jammu was seen to be more nationalist, less problematic. In fact, things were so laid back that in the summer of 2020, soon after the Chinese were discovered trampling all over the Line of Actual Control, a brigade of the Rashtriya Rifles (RR) was moved to eastern Ladakh. The thinning out has cost Jammu dear. Only now has the brigade been replaced with some reservists.

Something else has also been happening here, though that isn't directly related to the security situation but gives you some idea of the shifting winds — the surprising weakening of the BJP, that too in the wake of the abrogation of Article 370.It wasn't supposed to be like this. The abrogation was supposed to further integrate Jammu with the rest of the country. Instead, local residents are now complaining about increasing unemployment, rising inflation, the sale of land to outsiders, a rise in the liquor business as well as the shutting down of the 500,000-strong Durbar move from Srinagar which gave a shot in the arm to local business.

The recent Lok Sabha elections demonstrated some of that unhappiness. Although the BJP handsomely won the seats of Udhampur (Jitendra Singh defeated Choudhary Lal Singh, 51.28 per cent votes against 40.11 per cent) and Jammu (Jugal Kishore Sharma defeated Raman Bhalla, 52.8 per cent votes against 42.4 per cent), their victory margins were much lower — less than 1.5 lakh votes each.

Sort out the urban mess to fuel economic growth

There is a need to have separate plans for economic sectors like manufacturing, services & agriculture.

A little over two-thirds of the Indians live in rural areas. However, in 2022, the urban population grew faster than the rural one. The trend is likely to remain unchanged. As more people are likely to gravitate towards urban areas in search of better incomes, there is bound to be greater pressure on such places.

The great contradiction is that just one-third of the total population — those living in urban areas — accounted for 63 per cent of the national GDP in 2023. And the projection is that by 2030, this share is likely to rise to 75 per cent.The mega policy challenge is to focus on urban India in such a way that it can grow and prosper in a sustainable manner. As urban areas become home to more and more people, they must become more prosperous and habitable.There is a complexity in urban India — not only are youngsters moving from rural to urban places, they are also seeking to shift to top-tier cities that offer the most opportunities. To address the challenge, global consultancy BCG (Boston Consulting Group) has devised a plan so that 50 Indian cities with one million or more residents each live up to the ecosystems that are needed for them.

There are three critical areas that need to be addressed successfully in order to move forward. One, there is economic and social inequality across cities. This is highlighted when we compare, for example, Delhi with Bareilly and Patna. There is great inequality, particularly in healthcare and education infrastructure.Two, things are getting worse. The quality of life is deteriorating in smaller cities. In particular, there is a shortage of housing and the commute is long. Hence, more people keep moving to larger cities. In Mumbai, over 40 per cent of the people live in slums. Delhi alone has as many as 750 slum clusters.Three, air quality, water table and waste management are deteriorating. Extreme weather and global warming are impacting even large cities. Chennai's temperature has gone up by 1°C since 1960, causing floods.Large cities need city designs and master plans, with 10- and 30-year visualisations. There is a need to have separate plans for different economic sectors like manufacturing (factories), services (IT centres) and agriculture (local horticultural areas).It is imperative to develop robust transport connectivity. One way to do it is by making it expensive to buy a private car space in city apartment areas. Further, Metro rail services should be made more efficient to ensure a faster and more reliable commute for more people. Mumbai has the oldest and longest history of Metro and suburban railway services. Delhi has also made great strides in taking forward the Delhi Metro Rail Corporation. The Kolkata Metro Rail Corporation is fast catching up.As all these individual processes make progress, there is a need for an underlying enabler. There has to be a law in place to govern urban spaces. A step in the right direction was taken through the 74th constitutional amendment, with first- and second-tier cities having an institutional framework. But the third-tier ones have been lagging behind.

What is most important is not just to have laws and administrations in place but also a system through which residents can keep communicating with the corporators and help find the right solutions. Perhaps the best way to describe the troubling reality is to outline what is happening in Mumbai's Dharavi.Residents from city areas like Mulund, Kurla and Dharavi have formed a group to demand clarity on the Dharavi redevelopment scheme and the proposed Project Affected Persons (PAP) colony. They have come together as the Mumbai Bachao Samiti.A bone of contention is the proposal to have a PAP colony in these areas that lie outside Dharavi so that the space that is thereby freed up can be used for the project to undertake development. Those from areas like Mulund are against the project; they worry that the infrastructure in their areas will not be able to accommodate the influx of new residents.In particular, the residents are opposed to the idea of using the fallow area of the defunct dairy in Kurla for the project. Instead, they want to have the land converted into a recreational space. The most interesting part is that the people in Dharavi do not want to move out of there. They earn their livelihood by working at little workshops and factories based there.Coming back to the BCG, it makes three overall proposals. There needs to be a governance model that includes these stakeholders. There has to be a local government, municipal leaders and self-sufficient finances (in India through finance commissions). Second, the private sector has to be allowed to develop enterprises that will make money, employ people and help invest the surplus back into the city ecosystem. Third, and perhaps most important, there has to be a place for a civic society that fosters dialogue, ensures accountability and promotes the public interest.

I, however, have one grouse with the BCG. It is focused only on large cities, not paying attention to small towns and peri-urban areas. The people living on the outskirts of large towns and cities do not make as much money as city dwellers do. These smaller urban areas need both proper town planning and the commute facilities that will connect them with the heart of the cities.If all that has been spelt out happens, urban India will grow the right way, enabling people to earn more and, in the process, helping the economy progress. Economists, in particular, will need to look at not just finances but also worry about how urban India can become the leitmotif of dense mixed living with adjoining parks and proper garbage and waste water management.

Shambhu barricades

Order to open border a win for public, protesters

THE Punjab and Haryana High Court's order to remove barricades at the Shambhu border marks a significant moment in the ongoing protests by farmers. For over five months, the blockade, set up by the Haryana Government, has caused severe inconvenience to commuters, disrupted local businesses and ignited widespread public frustration. This court order represents a critical step towards restoring normalcy and addressing the grievances of both the protesting farmers and the affected residents. The ruling underscores the importance of balancing the right to peaceful protest with the need to maintaining public order and accessibility. The blockade, which began as a measure to prevent farmers from advancing towards Delhi, had escalated into a roadblock for ordinary citizens. The HC directive to Punjab and Haryana to coordinate the removal of the barriers highlights a judicial acknowledgment of the hardship imposed on the public.

For the protesting farmers, this ruling is a validation of their stance. As one farmer leader pointed out, the order reveals that the barricades were a state-imposed restriction. This distinction is crucial for altering public perception and countering the narrative that farmers were responsible for the blockade. The Samyukt Kisan Morcha's plan to discuss their next move shows a continued commitment to peaceful advocacy of their demands.

As the barricades come down and normal traffic resumes, traders in Ambala, who faced losses due to reduced customer flow, hope for a turn towards economic recovery. Even as both state governments must facilitate a smooth transition, the farmers should ensure that their next steps do not lead to any escalation. This episode highlights the delicate balance required in handling public protests and the need for solutions that respect both civil liberties and public welfare. Dialogue remains the most effective path to resolution.

Set ethical, constitutional boundaries for AI

The use of AI demands an evaluation within the framework of the prevailing ethical standards.

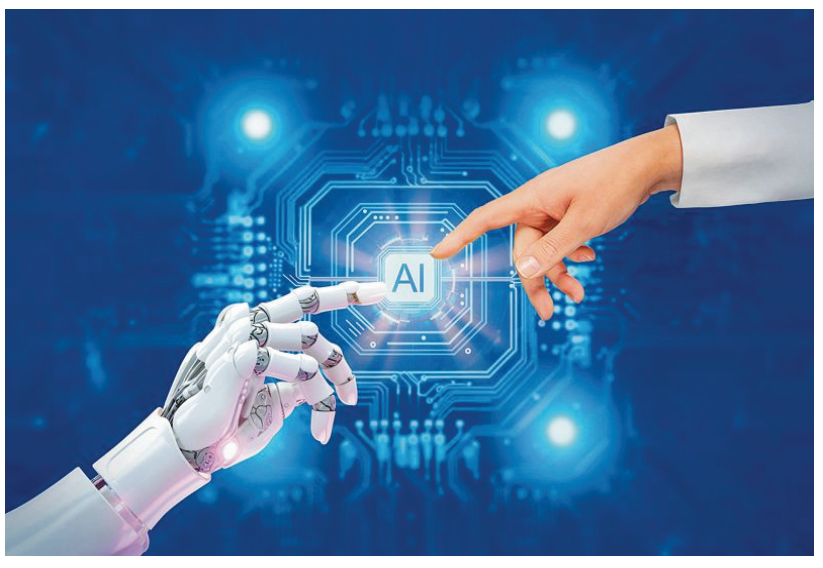

ARtIFICIAL Intelligence (AI), as the transformative technological revolution of our age, attests to humankind's unrelenting pursuit to understand, control and remake the world in the image of its changing aspirations, an endeavour not without its challenges.The apprehended evisceration of core human values and dehumanising of society itself have invited a raging global debate about the ethical challenges posed by AI and the possibility of an effective international regulatory regime to discipline its deployment. Several regional and global initiatives have, therefore, focused on limiting the use of AI within the larger moral framework of human rights to harmoniously moderate technological exuberance with compelling moral restraints.The Montreal Declaration on the ethics of intelligence systems; proceedings of the ACM FAccT conferences; UNESCO's Global Standards on AI Ethics ('Recommendation on the Ethics of Artificial Intelligence'), adopted by all 193 member states in November 2021; the Biden administration's non-binding AI Bill of Rights; European Union legislation on AI; congressional hearings in the US and deliberations of national regulatory bodies confirm the seriousness of ethical challenges within the AI ecosystem. Initiatives such as the Global Observatory on the effect of AI, Global Forum on Ethics of AI, AI Ethics Experts without Borders and Women for AI Ethics have contributed towards a sharper understanding of the ethical issues involved.

History proclaims that at every step on the stairway to progress, humankind has made choices to define the progress of civilisation as the deepening of humanity and happiness of the people. The benefits of AI's positive contribution for the betterment of global health and educational systems, combating challenges of climate change, terrorism, cybercrime, pandemics, natural disasters, etc. are transformative in the progressive evolution of civilisation. Even so, there is an overwhelming consensus among stakeholders to tame the excesses of AI. It is rightly argued that the celebration of our technological triumphs cannot be a 'mourning amidst the ruins' of humanity. Since all knowledge must be measured in terms of the values it advances, the use of AI demands an evaluation within the framework of the prevailing ethical standards of humanity.

AI's known encroachment of our inalienable rights to freedom, privacy of emotions and intimate relationships, individual autonomy, sacrosanctity of mental processes and individual consciousness, now recognised as fundamental constitutional rights in democracies across the world, is viewed as 'part of the crisis of humanity'. Grave concerns about AI-enabled manipulation of behavioural and electoral processes, the hacking of language to disrupt a genuine democratic discourse, the challenge of deepfakes, intended and unintended biases for and against a class of people by exploiting their vulnerabilities, including age, gender, disabilities and ethnicity, and the compounding of prevailing inequalities (such as the digital divide) are real. Serious apprehensions have been legitimately expressed about AI's ability 'to effectively reshape history'. Concerns about 'overgrazing of the Internet commons by rapacious technology companies' to maximise profit at the cost of data privacy and transparency abound.That the AI leviathan needs to be regulated across geographical boundaries by an internationally enforceable legal code is evident in the recent comments of the principal AI entrepreneurs. Elon Musk is reported to have warned that "when we build AI without a kill switch, we are summoning the devil". Mark Zuckerberg has cautioned that "…the world will become more digital than physical. And that is not necessarily the best thing for human society." Apple co-founder Steve Wozniak has, in an open letter, suggested the acceleration of the development of a 'robust AI governance system'.Evidently, such a mechanism cannot be limited to self-regulation and should have effective mechanisms to fix accountability for transgression of the mandated red lines. It is, indeed, necessary to navigate the shadows of science if we are to bask in the glory of its illumination.Whether or not these concerns are exaggerated, the predominant opinion on the subject is that in crafting our perspectives on the future of AI, we must accept that the elevating advance of civilisation is located in humankind's unswerving commitment to the moral autonomy and rationality of the individual that recognises the primacy of the ideals of human dignity, inclusion, equality, freedom and justice. In the ongoing global debate on the ethical and moral framework within which AI must operate, doubts have been expressed on whether the AI machines can serve as moral agents in "translating human moral complexity into an algorithmic form" or are capable of making ethical judgements as 'full ethical agents' with the human understanding of ethics. It is imperative to erect unbreachable boundaries around AI to ensure that man remains the master of his universe and that sacred private spaces of the head and the heart remain sacrosanct in an age 'which levels everything and reveres nothing'.

Hopefully, the recently concluded Global IndiaAI Summit in New Delhi will generate ideas for the responsible development and deployment of ethical and inclusive AI. It is for us to reaffirm that civilisation at its peak is about the elevation of man in the fullness of human glory, not in a tragic, even though unintended, denouement of humanist morality. Our ability to secure a convergence in the prescription of scientists and philosophers for a humane world order will be an enduring contribution to this mission. And how we deal with this epochal challenge will define the quality of leadership and the hierarchy of moral values in which human dignity must remain at the pinnacle as the ultimate civilisational aspiration.

Can a Medicaid plan that requires work succeed? First year of Georgia experiment is not promising

ATLANTA. By now, Georgia officials expected their new Medicaid plan, the only one in the nation with a work requirement, to provide health insurance to 25,000 low-income residents and possibly tens of thousands more.

But a year since its launch, Pathways to Coverage has roughly 4,300 members, much lower than what state officials projected and a tiny fraction of the roughly half-million state residents who could be covered if Georgia, like 40 other states, agreed to a full Medicaid expansion.Georgia Gov. Brian Kemp's office has presented Pathways as a compromise that would add people to Medicaid while also helping them transition off it. Blaming the Biden administration for delaying the program's start, Kemp's office says it's redoubling efforts to sign people up.Health and public policy experts believe the enrollment numbers, dismal even compared to what Kemp's office had said Pathways could achieve, reflect a fundamental flaw: The work requirement is just too burdensome.“It's clear that the Georgia Pathways experiment is a huge failure,” said Leo Cuello, a research professor at the Georgetown University McCourt School of Public Policy.Pathways requires all recipients to show at least 80 hours of work monthly, volunteer activity, schooling or vocational rehabilitation. It also limits coverage to able-bodied adults earning no more than the federal poverty line, which is $15,060 for a single person and $31,200 for a family of four.Cuello noted the program makes no exceptions for people who are caring for children or other family, lack transportation, suffer from drug addiction or face a myriad other barriers to employment. Then there are people with informal jobs that make documenting their hours impossible.In rural Clay County in southwest Georgia, Dr.

Modi government's Capex ambitions face budgetary constraints amid political pressures

NEW DELHI. The Narendra Modi-led government, since it took reins in 2014, has boasted of creating infrastructure at an unprecedented pace. In the first 10 years of his government's tenure, the government has increased allocation to capital expenditure – spendings on creating infrastructure and other productive assets – by over five times.

As Finance Minister Nirmala Sithraman readies herself to present the full Budget for 2024-25 on July 23, the question that bugs everyone is whether she would make enough provision to help the government maintain the pace of infrastructure spending. In the interim Budget in February, the government had increased the capex allocation by 11% to Rs 11.11 lakh crore, which is much lower than the 37% hike in allocation in the previous year. Budget allocation for capex during the past 10 years of the Modi government grew at a compounded annual growth rate of just over 18%.

Changed scenario

Many things have changed since February – both in terms of government finances as well as politically. The Narendra Modi government has come back to power but with lower number of seats. The BJP on its own has not won the full majority and has to depend on allies cross the 272-mark needed for majority in parliament. Despite managing the economy relatively well over the past five years, the government has not been able to create enough jobs, and the public in general has been feeling the heat of inflation and high tax burden.The general election results, where it could win only 244 seats (down from 303 in 2019), made the public anger palpable. There is, therefore, a strong sense that the forthcoming budget might force the government to 'splurge' in more populist measures. The compulsion of coalition politics may force the NDA government to shun its fiscal fundamental approach. The two majorallies of the government – TDP in Andhra Pradesh and JD(U) in Bihar – have been asking for special package for their respective states. TDP has demanded a package of more than Rs 1 lakh crore for Andhra Pradesh spread over five years. JD(U) has demanded a Rs 30,000 crore package for Bihar.

Vistara CEO may be back in Singapore Airlines with AI brass set for key roles in merged entity

BENGALURU. More than 60% of tech professionals feel unfairly compensated, and they cite substantial pay disparities that underscore an urgent need for action. The 2024 Compensation and Benefits Survey by ANSR and Talent500 reveals that 65% of respondents perceive a significant gender-based pay gap, with 56% noting disparities of at least 25% across different roles.

Nearly 70% emphasise the critical role of Restricted Stock Units (RSUs) in fostering long-term commitment through equity-based incentives.The survey also reveals that beyond competitive salaries, personalised benefits and clear career development opportunities have become the key drivers of employee satisfaction and retention.The report highlights a major shift in priorities among tech talent, with 61% of respondents emphasising the importance of customisable health benefits programmes. 77% of them value hybrid work arrangements, urging companies to optimise benefits packages for hybrid work.“In today's dynamic talent market, flexibility has become a cornerstone of employee satisfaction and organisational success,” said Vikram Ahuja, Co-Founder ANSR and CEO Talent500. “It's about crafting a holistic employee experience – one that cultivates purpose, growth, and well-being,” he added. Tech professionals highlight the critical importance of Learning and Development (L&D) programs.Over 90% of respondents view career pathing and L&D initiatives as indispensable factors when assessing potential employers. Moreover, 81% of employees express a preference for mentorship programs and stretch roles.

Stock Market Update: Inflation, Q1 Results, Global Trends Key Drivers In Holiday-shortened Week

NEW DELHI: As the results season kicks in, the quarterly earnings numbers of several blue-chip firms — such as Infosys and Reliance Industries — along with global trends and trading activity of foreign investors, will determine equity market movement in the holiday-shortened week ahead, according to analysts.Markets will remain closed on Wednesday for Muharram.The domestic WPI inflation data for June — scheduled to be announced on Monday — will also influence trading sentiments.Among major quarterly earnings to be tracked this week are from HDFC Life Insurance Company, Bajaj Auto, BPCL, JSW Steel, Asian Paints, Infosys, and Reliance Industries.“Q1 earnings will be a key focus this week as numerous companies, including heavyweights Infosys, and Reliance, are set to release their results. Additionally, pre-Budget discussions are expected to contribute to market volatility,” Santosh Meena, Head of Research, Swastika Investmart Ltd, said.

On the global front, a significant focus will be on China. The country is scheduled to announce its GDP and Industrial Production (IIP) numbers, Meena said.Other global factors to watch include the speech by the US Federal Reserve Chairman, US retail sales figures, and macroeconomic data from Japan,” he added.Meanwhile, IT services company HCL Tech on Friday posted a 20.4 per cent rise in consolidated net profit to Rs 4,257 crore for the June-ended quarter and gave a revenue growth guidance of 3-5 per cent for FY25 on GenAI diversification and strong operational execution.Siddhartha Khemka, Head, Retail Research, Motilal Oswal Financial Services, said, “On Monday, markets will react to India's inflation data. Key results this week include Jio Financial Services, HDFC Life, Asian Paints, LTIMindtree, Infosys, Wipro, JSW Steel, Paytm, etc. Also globally, investors will take cues from China's GDP numbers, US core retail sales data, and ECB (European Central Bank) interest rate decision.”

Retail inflation increased to four-month high of 5.08 per cent in June as food items, including vegetables, became

dearer, according to government data released on Friday.Vinod Nair, Head of Research, Geojit Financial Services, said, “We expect stock-specific moves to gain traction due to the ongoing earnings season; indeed, IT will be in the limelight due to the good start to the earnings and outlook.”In the week ahead, economic data like China GDP, EuroZone CPI inflation, ECB policy, and the US Fed chair speech will be watched by investors to get cues on market momentum, Nair added.On a weekly basis, the BSE benchmark jumped 522.74 points, or 0.65 per cent, while the Nifty climbed 178.3 points, or 0.73 per cent.The 30-share BSE Sensex jumped 622 points, or 0.78 per cent, to settle at a record closing level of 80,519.34 on Friday.During the day, it zoomed 996.17 points, or 1.24 per cent, to hit an all-time high of 80,893.51.The NSE Nifty surged 186.20 points, or 0.77 per cent, to settle at a record closing high of 24,502.15. Intra-day, it jumped 276.25 points, or 1.13 per cent, to hit a new lifetime peak of 24,592.20.The combined market valuation of seven of the top-10 most valued firms jumped Rs 1,72,225.62 crore last week, with IT bellwether Tata Consultancy Services (TCS) stealing the show, amid a rally in equities.The market capitalisation (mcap) of TCS surged Rs 62,393.92 crore to Rs 15,14,133.45 crore.Shares of TCS on Friday surged nearly 7 per cent after the country's largest IT services player reported an 8.7 per cent growth in the June quarter net profit at Rs 12,040 crore.ITC added Rs 31,858.83 crore taking its valuation to Rs 5,73,258.78 crore.The mcap of Infosys zoomed Rs 26,905.14 crore to Rs 7,10,827.27 crore and that of Life Insurance Corporation of India (LIC) jumped Rs 22,422.12 crore to Rs 6,64,947.01 crore.

India Can Become World's 2nd Largest Economy By 2031: RBI Deputy Guv

NEW DELHI. India can become the second largest economy by 2031 and the largest in the world by 2060, given the innate strengths of the country, said Reserve Bank deputy governor Michael D Patra.India, however, will have to overcome various challenges with regard to labour productivity, infrastructure, contribution of manufacturing sector in GDP, and greening of the economy for sustainable development, he said in his address to the officials of the Indian Administrative Service at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie.“Given the innate strengths, I described and the resolve to achieve its aspirational goals, it is possible to imagine India striking out into the next decade to become the second largest economy in the world not by 2048, but by 2031 and the largest economy of the world by 2060,” he said.The senior RBI official further said it has been estimated that if India can grow at the rate of 9.6 per cent per annum over the next ten years, it will break free of the shackles of the lower middle income trap and become a developed economy.

trap and become a developed economy.“Given the innate strengths, I described and the resolve to achieve its aspirational goals, it is possible to imagine India striking out into the next decade to become the second largest economy in the world not by 2048, but by 2031 and the largest economy of the world by 2060,” he said.The senior RBI official further said it has been estimated that if India can grow at the rate of 9.6 per cent per annum over the next ten years, it will break free of the shackles of the lower middle income trap and become a developed economy.

t end-March 2024, India had become a Rs 295.4 lakh crore or USD 3.6 trillion economy at current exchange rates. At a per capita income of Rs 2,07,030 or USD 2,500, India belongs in the lower middle income group of countries.

He was speaking on 'Future Readying India's Monetary Policy'. He said the principal task of monetary policy is to become the anchor of the Indian economy.Short-run fluctuations of aggregate demand have to be managed proactively so that a broad alignment with the economy's evolving productive capacity is ensured.

“Price stability is the best contribution that monetary policy can make to strengthen the foundations of the aspired trajectory of growth over the next few decades,” he said.He emphasised that the formation of inflation in India needs to be navigated towards convergence with global inflation so that both the internal and external value of the rupee is preserved.

Alert For Investment Advisers, Research Analysts: BSE Now Your Supervisory Body, Gets Sebi Recognition

NEW DELHI. Capital markets regulator Sebi on Friday said it has recognised BSE Ltd as a supervisory body for research analysts and investment advisers to oversee their management and administration.

In its circular, Sebi said, “BSE Ltd has been granted recognition under regulation 14 of the RA regulations and IA Regulations for administration and supervision of Research Analysts (RAs) and Investment Advisers (IAs) respectively as (RAASB) and (IAASB) for a period of five years starting from July 25, 2024”.As part of its new role, BSE will establish bylaws, standard operating procedures (SOPs), and frequently asked questions (FAQs) to guide and facilitate the seamless adoption of the RAASB and IAASB frameworks by RAs and IAs.z addition, applicants seeking registration or renewal as research analysts or investment advisers will be required to pay administrative fees specified by Research Analyst Administration and Supervisory Body (RAASB) and Investment Adviser Administration and Supervisory Body (IAASB).Further, the markets watchdog has also revised the fees payable by RAs for registration, which will be effective from July 25.However, the total fees payable by an

applicant or RA for application, registration, and renewal to Sebi and RAASB will not exceed the previous fee structure, ensuring a fee-neutral approach.Applications for RA registration received before July 25, 2024, will adhere to the previous fee structure.

The move aims to protect the interests of investors in the securities market and promote the development of, and regulate the securities market.SEBI is the principal regulator of the securities market in India. It was established in 1992 to protect the interests of investors in securities and to promote the orderly growth and development of the capital markets.SEBI plays a crucial role in ensuring the smooth functioning of the Indian stock market and protecting the interests of investors.

Why India's godmen thrive despite scandals, crimes

NEW DELHI. Why is the state pussy-footing when godmen are drumming up hundreds of crores in shady businesses, and are proven sexual predators? Why does it take a tragedy like Hathras to bring the dusty issue back on the table?'Bhole Baba', formerly Constable Suraj Pal Singh, was the organizer of a 'Satsang' at Hathras where a stampede ensued and killed off 121. He wears white suits and designer sunglasses and has a wide following among Dalit women in UP. The state government has suspended half a dozen local officers but Bhole Baba, holed up in his Mainpuri Ashram, remains free.

Not even an F.I.R. against him! Shouldn't the chief of the religious order take the hit for overcrowding and neglecting security precautions? The Special Investigation Team (SIT) does not think so. In its report it has said it was “the organizers' fault and negligence by the Police and administration.” Justifying the whitewash, they fear arresting 'Bhole Baba' could become a 'law and order' problem.In the case of Baba Ramdev, the battle to stop the marketing of suspect drugs has going on for years. It is only after an angry Supreme Court cried halt that 14 black-listed products have been taken off the shelves by the Baba's company, Patanjali Ayurved. These included eyedrops that claimed a cure for glaucoma and cataract, and 'Coronil', advertised as the answer to the Covid-19 virus.This free run to Patanjali for over a decade was only possible as the Union Ministry of Ayush – the monitoring authority – turned a blind eye to the violations.

Baba networking

Baba Ramdev has grown commercially popularizing yoga, and hooking on to the penchant for traditional 'grandmother' medicines. Though ayurveda is a medical science, many of Ramdev's 'remedies' are proven duds. His 'baba' posture and his athletic PRhas been cleverly used to build the Patanjali Group into an over-Rs 1,600 crore business enterprise.Godmen in India, like everywhere else, pose as the bridge between humans and God. They use fear, despair, and the craving to leave the misery of the daily grind. They offer a supernatural answer to the woes on earth via 'hope' and 'miracles'.

They take credit for what in most cases is a natural occurrence. A baby boy born, a cure for a medical affliction are usually normal biological processes – but for the believer, it is the talisman or the blessing of the GodmanAnd then there are the Godmen of the rich, and the Godmen of the poor. Tantrik Jagadacharya Chadraswami, born Nimichand Jain, has vanished into oblivion but in the Rajiv Gandhi era he was the rich man's Godman. His is a typical case of building followership through association. That he was the spiritual guru of three Prime Ministers – P.V. Narasimha Rao, Chandra Shekhar and V.P.

MSMEs: Hidden gems need better mentorship to shine

MSMEs weave local dynamism into economic fabric via their spirit of entrepreneurship, innovation and collaboration.

NEW DELHI. Sometimes competitive advantage over rivals and self-improvement comes from strengthening what lies beneath surface — our hidden gems.

India's growth story often spotlights large corporations and start-ups, overlooking a crucial engine of progress for India, MSMEs. They possess the agility of start-ups and the stability of larger corporations while significantly driving employment, innovation and economic growth. Recently, the number of registered MSMEs on the Udyam Portal crossed 4.5 crore mark, employing over 20 crore. MSMEs are pivotal for job generation, especially as India holds the largest share of the global workforce.

MSMEs weave local dynamism into the economic fabric via their spirit of entrepreneurship, innovation and collaboration. Typically founded by individuals or small groups with bright ideas, limited resources and unlimited perseverance, they exhibit an exceptional ability to adapt and evolve. Like a nimble turbo-charged car, they can turn, pivot and manoeuvre with greater swiftness than larger organisations.

India offers several success enablers for MSMEs. Union Budget 2023-24 earmarked `22,138 crore for MSME ministry, 41.6% higher than the preceding fiscal year. As a global hub of advanced technologies, India provides access to digital solutions and a skilled workforce proficient in artificial intelligence, machine learning, cloud computing and more. These technological advancements empower MSMEs to streamline operations, enhance productivity and deliver value to customers.Our starry firmament of start-ups, incubators, accelerators, and venture capital firms offers cost-effective and disruptive solutions for MSMEs across sectors. To support the vision of Atmanirbhar Bharat, initiatives like the MSME Innovative Scheme aim to create employment, boost entrepreneurship, adopt new technologies, and enhance GDP and exports through MSMEs.

Despite their entrepreneurial chutzpah, several challenges persist, including issues with customer-centric offerings, skilled manpower, infrastructure, and automation. Successful transformation for MSMEs requires mentorships and partnerships that bring together diverse talents. Engaging with local communities and social groups through initiatives enhances brand reputation and helps companies understand consumer needs. Public-private partnerships are vital for driving digital innovation and solutions. Educational institutions should provide necessary skills training, while community programmes can increase awareness and digital literacy. Building an ecosystem of strong partners in business, society and with experts is more than just a strategy; it's a mindset that is the key to unlocking the full potential of MSMEs. MSMEs are the hidden gems of India and hold a competitive advantage globally.

If the forthcoming Budget provides impetus to the MSME sector, a fillip to growth and employment can be expected.

Congress hits back at government, says BJP has already accepted J&K defeat

Congress Chief Kharge said that even if full statehood is restored, the Centre wants to keep the newly elected state government at the mercy of the L-G, by clamping its executive power.

NEW DELHI . The Congress on Saturday hit out at the Centre after the Ministry of Home Affairs (MHA) amended the rules of the Jammu and Kashmir Reorganisation Act, 2019 expanding the powers of the L-G.Congress President Mallikarjun Kharge said that Modi government's move is to delay the restoration of full statehood to Jammu and Kashmir, even though the Supreme Court has mandated assembly elections by September."The Modi government's betrayal of Jammu and Kashmir continues unabated! The insertion of new sections giving more powers to the

L-G by amending the Rules under Section 55 of the J&K Reorganisation Act, 2019 means the Modi government wants to delay the restoration of full statehood to Jammu and Kashmir," he said.He said that even if full statehood is restored, the Centre wants to keep the newly elected state government at the mercy of the L-G, by clamping its executive power. The amendments shall come into force on July 12, the date of the publication in the Official Gazette, a move in anticipation of the speculated assembly elections in Jammu and Kashmir

Congress leader Pawan Khera said that the Centre is following the Delhi model to curtail the powers of an elected government. "The government has not been able to solve the ongoing law and problem in Jammu and Kashmir. What has it to do with the L-G getting powers to transfer and post officers? The L-G is doing it anyway. They don't trust the government which will assume power after the election whenever it happens," he said.Khera added that the Centre has already passed a no confidence motion against a state government, which is yet to be elected.

CIC has powers to frame laws, set up benches: SC

NEW DELHI. The Supreme Court has said that the Central Information Commission (CIC) has the powers to constitute benches and frame regulations to ensure quick disposal and reduce workload or volume of cases. A bench of Justice Vikram Nath and Justice Satish Chandra Sharma in its ruling recently, said "The autonomy and independence of CIC and administrative bodies are fundamental to their ability to perform their designated functions effectively."The apex court passed the ruling, after examining whether the CIC, under the RTI (Right to Information) Act, has the authority to constitute benches of its own and frame regulations for the effective management and allocation of work within the commission, including the issuance of orders and the formation of committees.

The top court said institutions like the Central Information Commission (CIC) are established to carry out specialised tasks that require a level of impartiality and expertise that can only be achieved if they are free from undue interference.

"The autonomy of the CIC is of paramount importance for its effective functioning. Any undue interference in its administrative functions, and others, such as the power to constitute benches, would significantly impede its ability to handle the large volume of cases efficiently and expeditiously," it said. The observations of the top court came in a judgement in which it set aside a 2010 verdict of the Delhi HC.

Raging bulls corner girls in Rishikesh shop, 2 injured

New Delhi. At least two women sustained minor injuries on Saturday after they were caught in a bullfight in Uttarakhand's Rishikesh.The incident happened in Rishikesh's Ram Jhula area, where two bulls fighting in the street ended up inside a small bag shop, injuring two women.A CCTV footage of the incident showed how two women, amid the chaos, got stuck inside the shop, behind one of the bulls.

In the footage, the two women can be seen standing at a corner inside the shop, as the two bulls come inside the shop fighting. The bull, seemingly annoyed, can be seen jumping and trying to kick the girls, who, by then, had fallen to the ground.Luckily, many purses and bags kept in the shop fell on the girls, shielding the from the bull's kicks.

After a while, the shopkeeper climbed on the goods and managed to drive the bulls out of the shop with a stick.Earlier, in a similar incident last year, a farmer was killed after he was brutally attacked by a bull in Uttar Pradesh's Bahraich district.

BJP, its government at Centre playing Kejriwal's life: AAP MP Sanjay Singh

Kejriwal has lost 8.5kg and his blood sugar level dropped below 50mg/dL while he was in jail.

NEW DELHI. The BJP and its government at the Centre are playing with the life of Delhi Chief Minister Arvind Kejriwal who has lost 8.5 kg and whose blood sugar level dropped below 50 mg/dL five times while in jail, AAP Rajya Sabha member Sanjay Singh claimed on Saturday.There was no immediate reaction from the BJP on his claims.

"His health condition is such that if he is not brought out of jail soon and provided medical care, any serious incident may happen with him," Singh said at a press conference here.

He said Kejriwal's weight was 70 kg when he was arrested by the Enforcement Directorate (ED) on March 21 in the excise policy-linked money laundering case.

Now, his weight has reduced to 61.5 kg, he claimed. The reason for this constant loss of his weight is unknown as no tests could have been conducted. This weight loss is sign of some serious ailment, Singh claimed.

He said Kejriwal's family, the AAP and his well wishers were concerned about his health condition in jail.

"The aim of BJP and its government at the Centre is to keep him in jail and play with his life. They are hatching conspiracy so that he faces some serious health issues," he alleged.

The Delhi chief minister was granted interim bail by the Supreme Court on Friday in the case registered by the ED. However, he is still in jail because of his arrest in the excise policy "scam" case by the CBI.

Delhi weather: Light rain, cloudy skies likely, no warnings for 7 days

New Delhi. The India Meteorological Department (IMD) predicted light rain and a generally cloudy sky in Delhi on Sunday. According to the Met Office's seven-day weather forecast, there is no warning in the capital for the next seven days.

The IMD observed weak rainfall activity as of 11.30 am Sunday in Delhi as the monsoon trough at mean sea level continued to pass through Delhi southeastwards, reaching the northeast Bay of Bengal and extending up to 0.9 km above mean sea level, resulting in 'isolated' rainfall.

The Safdarjung base station recorded 13.6 mm of light rainfall in the 24 hours leading up to 8:30 am on Sunday. Ayanagar weather station experienced moderate rainfall of 34.8 mm, while Lodhi Road and Palam stations saw 12.4 mm and 7.8 mm of rainfall

respectively. Additionally, the Ridge station observed trace amounts of rainfall. In an X post at 11.55 am, the regional weather forecast centre's prediction for the next two hours said light to moderate rainfall accompanied by light thunderstorms and lightning is very likely to occur in Northwest Delhi, West Delhi, Central Delhi, New Delhi, and Southwest Delhi. It also predicted light to moderate rainfall for parts of Delhi-NCR, Uttar Pradesh, (Rohtak in Haryana and Bhiwadi in Rajasthan.

Based on IMD data, Delhi experienced seven days of rain in July until last Saturday. The average number of rainy days up to July 13 in previous years was also seven, according to IMD data from 2011 to 2023. The rainfall received thus far is 6 per cent below normal since July 1, which is not uncommon, as per IMD data.

The minimum temperature recorded in Delhi on Sunday was 27.6 degrees Celsius, which is the normal value for this time of year. The maximum temperature recorded on Saturday was 35.6 degrees Celsius, also within the normal range for the season. The humidity ranged between 84 per cent and 94 per cent. The Air Quality Index (AQI) in the city was moderate at 102, according to the Central Pollution Control Board (CPCB).

Man arrested for trying to extort Rs 1 crore from Delhi jewellery shop owner

The accused, Vineet Pandey, called the businessman's son, threatening to kill his family members if he did not pay the large sum, the police said.

New Delhi . The Delhi Police on Saturday arrested a 22-year-old man for allegedly attempting to extort Rs 1 crore rupees from a businessman. The accused, Vineet Pandey, called the businessman's son, threatening to kill his family members if he did not pay the large sum, the police said.

On July 10, a businessman who owned a jewellery shop in Karol Bagh's Kingsway Camp told the police that his son had received a call the previous day from two unknown numbers, demanding Rs 1 crore. Following the call, the man immediately approached the police who filed a case under Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) Section 308(4) (committing extortion by putting fear of death or grievous hurt in a person) in Northwest Delhi's Ashok Vihar police station.

The investigative team noticed that the phone numbers from which the calls came had display pictures of gangsters who are currently in jail. The police interrogated the shop's employees, ex-employees, and outsourced staff, but they were unable to get any leads. The phone numbers had also been switched off, and the caller's address could not be traced. However, the police learned that the call had originated from Punjab.

The police arrested Pandey from Akhada near Ludhiana, where he used to work as an agricultural labourer. During his interrogation, Pandey revealed that he was originally from Bara Banki in Uttar Pradesh but had come to Delhi for work. He worked in a hardware shop in Chawri Bazar before leaving for Punjab three months ago to work as a labourer. "He used to watch reels on Instagram when he came across the advertisement of the complainant's jewellery shop. He was in dire need of money and planned to extort money from the businessman by threatening him. So far, he has not been found linked to any gang or group," said Additional Deputy Commissioner of Police (Northwest) Sikander Singh.

Khyber Paas demolishion: Residents scrambled to find shelter as bulldozers rolled in, hundreds of houses torn down

New Delhi . A large-scale demolition drive at Khyber Pass near Civil Lines Saturday led to over 250 houses being razed and hundreds of residents being displaced.

The operation was carried out under heavy police deployment in the early hours of Saturday. A senior government official said: "On Saturday, 15 acres of around 32 acres of land which belongs to the L&DO (Land and Development Office) were cleared; the remaining will be cleared later."

At the site, the air was thick with dust as machinery tore down buildings. Several residents were seen sitting amid the rubble that was once their home.

Residents claimed police personnel were deployed overnight and the area was barricaded, restricting entry for outsiders and preventing them from leaving. "How will we go search for

houses if they do not let us leave the premises?" questioned Roop Chand. He claimed he is the fourth-generation member of his family living in the area.

Also among the displaced was 26-year-old Imran Khan, who, along with his 60-year-old grandmother, was seen climbing through the boundaries to access their home. "This is the fifth generation of my family living here. We are a family of six, and everything has been destroyed," said Khan, a relationship manager at HDFC Bank.

"We had built a proper house with all the papers, but they demolished it anyway. Police told us last night that no demolition would take place. No political party has come to help us…," he alleged.

According to a Delhi High Court order from July 9, the land initially belonged to the Ministry of Defence. A notice was issued on July 1, requiring residents to vacate by July 4. This was challenged, but in an urgent hearing on July 3, the court allowed the demolition to proceed, provided due process was followed. On July 9, the final hearing took place and the court ruled that the petitioners lacked documents proving their land ownership. The court identified them as trespassers, stating that the land, now under the Ministry of Housing and Urban Affairs, was being acquired for public purposes. The demolition drive has hit pregnant women, infants, and students particularly hard.

Four held for extortion, charged under new law against employing minor for crime

The cops evoked section 95 of Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) which deals with punishing the people who hire minors to commit a crime.

NEW DELHI. Four members of a gang, including a juvenile, who were involved in a firing-cum-extortion incident in the Burari area of north Delhi were apprehended by the police, an official said on Saturday.

The accused, non-juveniles, were identified by the police as Nikhil, Gangandeep and Mohit. They committed the crime on the orders of a jailed gangster named Sunny Kakran, the official said.The cops evoked section 95 of Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) which deals with punishing the people who hire minors to commit a crime.Under section 95 of the BNS, whoever hires, employs or engages any child to commit an offence shall be punished with imprisonment of not be less than three years, which may extend to ten years, and with fine.

The police said the jailed gangster had arranged these shooters, including the juvenile, from Delhi, Haryana and Uttar Pradesh, who then followed the target for at least a month and fired gunshots outside his gym in Burari.

DCP (north) MK Meena said a PCR call was received at Burari police station on July 5 regarding a firing incident near Kaushik Enclave, 100 Foot Road, Burari.

The complainant informed that while he was inside his friend Vikas's car, he noticed two boys armed with weapons coming towards their vehicle, and one of them covered his face with saffron-coloured cloth and threatened him with dire consequences. "When he raised the alarm, both accused fled but were chased

by his friend and the passers-by. The accused opened fire in the air," the complainant told the police.

The police registered an FIR under relevant provisions of BNS based on the victim's written complaint and initiated the investigation by forming two separate teams.A team started working on CCTV footage, and one suspect, Nikhil, a resident of village Hiranki in Delhi, was identified. From technical surveillance, the accused, Nikhil, was recognised as a member of a criminal gang. It was also found that Nikhil was receiving directions from a jailed criminal on the phone.

Further probe revealed that the accused had fled to western UP in Meerut and to Prayagraj after the incident, following which the police conducted raids in Meerut from where one of the accused, namely Gagandeep, who arranged hideout for shooters after the incident, was arrested.Gagandeep was in contact with a jailed criminal on the phone and had arranged a rented room for shooters. Subsequently, all the remaining were apprehended.

Engaging juveniles in crime punishable

Cops have invoked Section 95 of Bharatiya Nyaya Sanhita which deals with the offence of hiring minors to commit a crime. Under the provisions, hiring or engages children to commit offences shall be punished with imprisonment of not be less than three years, which may extend to ten years, besides fine. The police said the jailed gangster had arranged the shooters, including the juvenile, from Delhi, Haryana and UP.

NEWS BOX

SUV crashes into inactive geyser at Yellowstone National Park in US, 5 injured

Mammoth Five people were able to escape a hot, acidic pond in Yellowstone National Park after the sport utility vehicle they were riding in went off the road and into an inactive geyser, park officials said Friday.The passengers were able to get out of the 105-degree Fahrenheit (41 degrees Celsius) water on their own after the crash Thursday morning and were taken to the hospital for treatment of non-life-threatening injuries, park spokesperson Morgan Warthin said in a statement.The road was closed for about two hours Friday while the SUV was extracted from nine feet of water, Warthin said.The Semi-Centennial Geyser has been inactive since a major eruption in 1922.It is located near Roaring Mountain between Mammoth Hot Springs and Norris Junction.

Park officials did not release the names of those involved and said the incident is still being investigated.

Kim Jong Un fires top officials for 'mishandling' North Korea's new town project

Seoul,UPDATED North Korean leader Kim Jong Un has dismissed or demoted some senior officials for their "irresponsible" handling of his flagship project to build a new town in the country's north, state media KCNA said on Sunday.

Kim announced the decision while visiting Samjiyon, where North Korea has been building what it called a "socialist utopia" and "a model of highly-civilised mountain city" with new apartments, hotels, a ski resort and commercial, cultural and medical facilities.

While praising builders for their achievements so far, Kim said the irresponsibility of senior officials had caused a series of serious deviations including poor construction work and financial losses.He singled out Ri Sun Chol, minister of state construction control who was appointed in September, as a "good-for-nothing person" who has never even been to the site since December, suspending him and calling for a formal investigation.Kim also suspended all members of a construction inspection committee for the project, demoted a ruling Worker's Party official responsible for the matter, and vowed to reexamine vice premier and others over their neglect of duty.

"Going round the newly-built hotels for domestic tourists, he severely pointed out that their construction was carried out at an outdated and backward level," KCNA quoted Kim as saying."Those new buildings have to be remodelled and, consequently, this problem badly affects the general long-term plan for the city development, bringing economic losses."

Palestinian president partly blames Hamas for continuing war in Gaza

Palestinian President Mahmoud Abbas has blamed Hamas, along with Israel and the US for the continuation of the war after an Israeli airstrike claimed at least 90 lives over the weekend.

Ramallah. Palestinian President Mahmoud Abbas said Israel and the United States were responsible for an attack that killed dozens in the Gaza Strip on Saturday, but the Western-backed leader also blamed Hamas for the continuing war in Gaza.

His comments signal rising tension between Abbas's Fatah faction and the Islamist Hamas group, which accused the Palestinian president of taking Israel's side.

Israel said the attack was aimed at killing the Hamas military chief Mohammad Deif and his aide. It remained unclear whether Deif or his deputy were killed in the strike that left at least 90 Palestinians dead and 300 wounded, according to Gaza health ministry."The Palestinian presidency condemns the slaughter and holds the Israeli government fully responsible, also the US administration that provides all kinds of support to the occupation and its crimes," said Abbas in a statement published by his office.

But Abbas, whose authority maintains a limited self-rule in the Israeli-occupied West Bank, assigned some

blame to Hamas, whose October 7 attack inside Israel, in which 1,200 people were killed and around 250 others were abducted, kicked off the nine-month war in Gaza."The presidency sees that by escaping national unity, and providing free pretexts to the occupation state, the Hamas movement is a partner in bearing legal, moral and political responsibility for the continuation of the Israeli war of genocide in Gaza Strip," the statement said.Hamas has run Gaza since its 2007 takeover of the coastal territory from Abbas loyalists.

Senior Hamas official Sami Abu Zuhri told Reuters Abbas's statement meant the Palestinian Authority "has chosen to be in the same trench with the occupation".

"Such an attitude will not succeed in blackmailing the resistance or pressuring it," said Abu Zuhri.

Efforts by Arab mediators, led by Egypt, have so far failed to reconcile power struggles between the two sides.Another Hamas leader, Basem Naim, who took part in previous reconciliation talks with Abbas's Fatah faction, said Abbas was to blame for the failure to reach a unity deal.Naim said Abbas's comments made him and his authority "partner to the Zioinist enemy and its crimes not only in Gaza but also in all of the Palestinian land."

Dolphin mass stranding on Cape Cod found to be the largest in US history

- 146 dolphins involved, 102 survived, 44 died
- Difficult conditions hamper rescue attempts
- Rescue efforts include custom-built mobile clinic

Massachusetts. Rescuers who helped free more than a hundred dolphins from the Cape Cod shoreline say they've confirmed that the mass stranding that began June 28 was the largest involving dolphins in US history.

There were two prior events on record in Hawaii and the Florida Keys where dolphin species were observed circling in shallow water, but the Cape Cod event marks the highest number of dolphins beached in a single stranding event, according to the International Fund for Animal Welfare, which helped lead the rescue.A final review of data and aerial imagery this week revealed that a total of 146 dolphins were involved in the stranding, according to IFAW communications director Stacey Hedman.The group estimated that 102 dolphins survived the multi-day event. There were 37 natural deaths and seven dolphins had to be euthanised.Response efforts have continued on a smaller scale, including the rescue, relocation, and release of nine of the same Atlantic white-sided dolphins on July 2.

On that day, 11 dolphins were found stranded near Powers Landing in Wellfleet, Massachusetts. Two were euthanised, and nine were transported in a custom-built mobile dolphin rescue clinic vehicle where veterinarians and biologists can administer fluids and other treatments on the way to a deeper water location, Hedman said.

In this case, she said, the dolphins were

released near Herring Cove Beach in Provincetown. Satellite tags tracked several of these animals safely offshore.

There's no set reason as to why the dolphins became stranded.Rescuers faced many challenges as they attempted to guide the dolphins back to open water, including difficult mud conditions and the dolphins being spread out over a large area.

During some of the rescue attempts, workers started on foot, herding the creatures into deeper waters and then used small boats equipped with underwater pingers, which make noise to help attract the creatures.Several of the dolphins died at The Gut — or Great Island — in Wellfleet, on the Herring River. The Gut is the site of frequent strandings, which experts believe is due in part to its hook-like shape and extreme tidal fluctuations."This stranding response was a tremendous effort for our staff, volunteers, and partners over multiple days," Hedman said, adding that with about a 70% survival rate, the group considered the response a success.The organisation has also received reports from whale-watching vessels that have seen some of the dolphins — identified with temporary markings — now swimming among other groups of hundreds of other dolphins that had not been part of the strandingThose helping with the overall rescue effort included more than 25 staff from the IFAW and 100 trained volunteers. The group also had the support of Whale and Dolphin Conservation, the Center for Coastal Studies, AmeriCorps of Cape Cod and the New England Aquarium.

Zelenskyy on Joe Biden's Putin mix up: We can forget some mistakes

- The Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy responded to US President Joe Biden's accidental reference to him as Russian President Vladimir Putin at a NATO summit, noting that given the extensive US support for Ukraine, such mistakes can be forgiven.

Shannon. Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy said his US counterpart Joe Biden accidentally referring to him as Russian President Vladimir Putin was a mistake that could be forgotten about given all the support the US has provided to Ukraine."It's a mistake. I think the United States gave a lot of support for Ukrainians. We can forget some mistakes, I think so," Zelenskyy told reporters on Saturday at Ireland's Shannon airport where he was meeting Irish Prime Minister Simon Harris.On July 12, Biden mistakenly referred to Zelenskyy as Putin before correcting himself at the NATO summit in Washington. "And now I want to hand it over to the president of Ukraine, who has as much courage as he has determination, ladies and gentlemen, President Putin," Biden said, referring to Zelenskyy.While correcting himself about two seconds later, Biden added: "President Putin, you're going to beat President Putin, President Zelenskyy. I am so focused on beating Putin."The room at the summit gasped when Biden misidentified Zelenskyy as Putin. The comments came at an event in the summit during which Biden launched an initiative with allies aimed at supporting Ukraine's security needs.

Zelenskyy responded to Biden's comments by saying, "I am better (than Putin)."Biden replied: "You are a hell of a lot better," as some in the room laughed.

Delta Air Lines bans non-US pins on flight attendant uniforms after uproar

Atlanta Delta Air Lines is changing its employee uniform policy following a turbulent ride through a social media storm started by an X user's outrage over two flight attendants who were photographed wearing Palestinian flag pins.The uproar over the July 10 post on X, which described the Palestinian pins as "Hamas badges", led Delta to ban its employees from wearing pins representing any country or nationality besides the US."We are proud of our diverse base of employees and customers and the foundation of our brand, which is to connect the world and provide a premium experience," the Atlanta-based airline said in a statement."We are taking this step to help ensure a safe, comfortable and welcoming environment for all."Delta's policy shift reflects the ongoing tensions surrounding the Israel-Hamas war, which has triggered high-profile protests that, among other things, have roiled college campuses.

Both attendants pictured wearing the pins were in compliance with Delta's previous policy giving employees more flexibility with uniform accessories.Before Delta announced its new policy, one of its employees escalated the situation by posting a reply on X asserting the attendants wearing the Palestinian pins were violating company rules and sympathising with passengers who might be "terrified" by it. That post has since been deleted but was captured in a screenshot shared by the American Muslim rights

group CAIR, the Council on American-Islamic Relations.Delta apologised in a post and said the employee responsible for the reply had been removed from handling its social media communications."What happened with Delta is just the latest example of anti-Palestinian racism," Edward Ahmed Mitchell, the national deputy executive director of CAIR, told The Washington Post.He said the group welcomed Delta's apology. "And my hope is that this incident will begin to slowly, slowly move the needle in a different direction."

Israeli PM Netanyahu says not certain that Hamas military chief killed in strike

Jerusalem Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said it was still not clear whether Hamas military chief Mohammed Deif and another senior commander were killed in an Israeli strike in Gaza on Saturday but he vowed to pursue Israel's war aims to the end."Either way, we will get to the whole of the leadership of Hamas," he told a televised news conference, adding that chances of an agreement to return Israeli hostages would be improved by increasing military pressure on Hamas.The brief news conference was called after the Israeli military said it had conducted a strike based on what it

said was precise intelligence, targeting Deif and senior Hamas commander Rafa Salama in the city of Khan Younis.Palestinian health officials said the strike killed at least 90 Palestinians and wounded as many as 300 in the designated humanitarian zone of Al Mawasi, in the heaviest loss of life in weeks.The Israeli military said the strike had hit a military compound but said it could not confirm casualty numbers.aNetanyahu, speaking as demonstrators in Tel Aviv demanded more action to bring Israeli and foreign hostages back from Gaza, said that military pressure on Hamas was the best way of reaching an agreement to return the hostages seized by Hamas fighters during the Oct. 7 attack.

On Camera: The Moment Donald Trump Was Shot At During Campaign Rally In Pennsylvania

- Trump clearly grimaced and clutched a hand to his right ear, on which blood could later be seen

Pennsylvania, US Former US president Donald Trump was rushed off stage on Saturday after a series of loud bangs that sounded like possible gunshots were heard at the start of a campaign rally in Pennsylvania.As the bangs ran out, US Secret Service agents swarmed onto the podium, surrounded the Republican candidate and escorted him roughly off the stage, as Trump raised a fist to the crowd in a gesture of defiance. "The former president is safe," the Secret Service said in a post on X. His campaign said he was "fine"."President Trump thanks law enforcement and first responders for their quick action during this heinous act. He is fine and is being checked out at a local medical facility. More details will follow," said spokesman Steven Cheung in a statement.

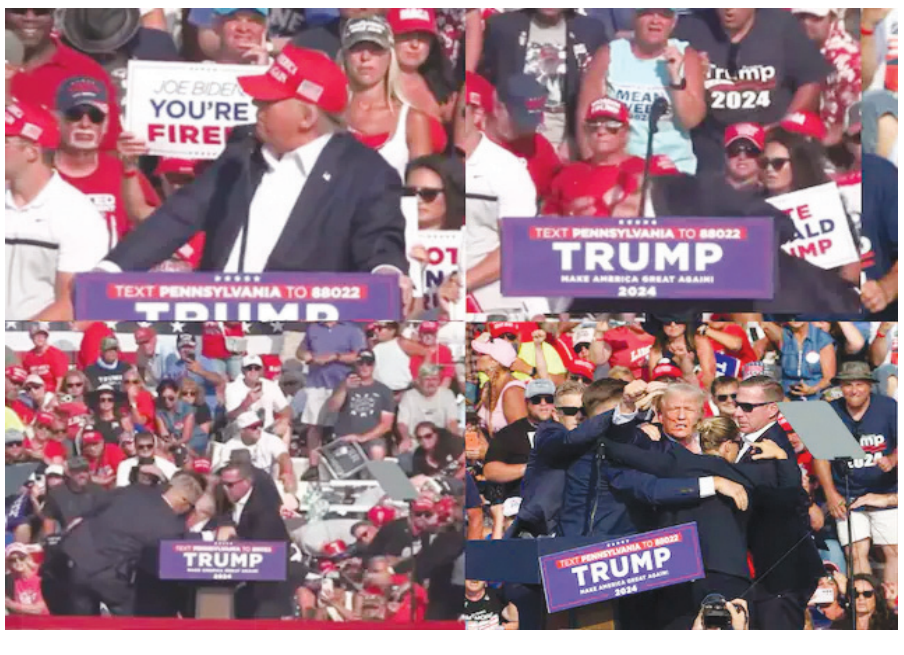

The incident took place shortly after Trump took the stage at his final campaign rally before the Republican National Convention in Milwaukee next week.The shocking incident will fuel anxiety in a country already concerned about the prospect of unrest in the run-up to the November election battle between Trump and President Joe Biden. The rally in Butler, Pennsylvania descended into scenes of chaos as bangs were heard and screams and shouts rang out.

"Let me get my shoes," Trump was heard saying on microphone, as security agents helped him back to his feet. Agents later bundled the 78-year-old tycoon into an SUV, as he once more raised his fist to the crowd. "This is an active crime scene," Secret Service officers told reporters, ordering them out of the area.World leaders spoke out against political violence and reacted with shock after Trump was wounded in an assassination attempt that also left a bystander dead and two other spectators critical. Presidents and prime ministers expressed their support for those affected by the shooting.

Trump was shot in the right ear and rushed off stage by the Secret Service with blood running down his face. The attacker was shot and killed by a member of the Secret Service. Trump gave his first account of being shot on Saturday, saying "I was shot with a bullet that pierced the upper part of my right ear.""I knew immediately that something was wrong in that I heard a whizzing sound, shots, and immediately felt the bullet ripping through the skin," Trump, who was not seriously injured, said on his Truth Social site. "It is incredible that such an act can take place in our country."

NEWS BOX

Parupalli Kashyap relives 'fanboy' moment with Dhoni: 'Spoke to me like a friend

New Delhi. India badminton star Parupalli Kashyap recently recalled his fanboy moment with legendary India cricketer MS Dhoni at a wedding. Notably, Kashyap is a gold medallist from the Commonwealth Games 2014 and is married to the 2012 Olympic Bronze medallist and former world number one Saina Nehwal.Recalling his meeting with Dhoni on a podcast, Kashyap revealed that he introduced himself as Saina's husband so that the cricket star could recognise him. However, much to his surprise, Dhoni knew him and spoke to him like his friend."I met Dhoni at a wedding recently. I introduced myself as Saina's husband. I thought I am Saina's plus one here so some people who follow sport might recognise me. I am a cricket and Dhoni fan. So, when I met him, he told me 'pata hai bhai. I play badminton. I know who you are and you don't need to tell me that you are Saina's husband.' He spoke to me like a friend, as if I am his teammate," Kashyap said on Nikhil Tho Natakalu's podcast.

Notably, the former India captain is known for playing multiple sports right from his school days. Dhoni is credited with introducing football games as a warm up for the team ahead of their matches. The 43-year-old was also recently seen playing squash with the Rishabh Pant.

Parupalli Kashyap's career highlights

Interestingly, the Ranchi-born cricketer was spotted by his school coach while doing goal-keeping for his institution's team. However, the coach urged him to try his hand at wicket-keeping in cricket and the rest is history.

Meanwhile, Parupalli Kashyap has taken up the role of coaching at Gopichand Badminton Academy. The 37-year-old was the first Indian male player to reach the quarterfinals of the Olympic Games during the 2012 edition held in London.

OTD: How England won World Cup 2019 final 'by the barest of all margins' vs NZ

New Delhi. The 2019 ICC Cricket World Cup final is etched in history as the most dramatic 50-over clash ever. On July 14, 2019, at the iconic Lord's, England claimed their first-ever World Cup title in a thrilling encounter that went down to the wire. Under Eoin Morgan's leadership, England had to rely on the boundary count to secure the trophy after a nail-biting Super Over failed to separate them from New Zealand. The Lord's crowd roared during the national anthems, but the electric atmosphere quickly turned tense as the final unfolded.Bathed in the sun, Ben Stokes scored a sensational 84 not out from 98 balls, pulling England from a precarious 86 for 4 to tie them with New Zealand's 241 for 8. In the last over of the regular match, England required 15 runs. Stokes hit a six, and then, in a moment of high drama, a throw from the deep by New Zealand's Martin Guptill ricocheted off Stokes' bat for four overthrows.Jofra Archer, who had made his ODI debut just two months earlier, was entrusted to bowl the Super Over. Jimmy Neesham hit Archer's second ball for six, heightening the tension among the Lord's crowd. Needing two runs off the final delivery, Guptill clipped the ball to deep mid-wicket, where Jason Roy collected and threw to Jos Buttler. Guptill, diving desperately, was caught short of his crease as Buttler whipped off the bails, triggering an eruption of celebration from the stands.

England huddled together in joy, and Lord's spectators pulsated with adrenaline in what remains one of the most thrilling finals in cricket history. Commentator Ian Smith famously remarked that England had won the World Cup "by the barest of all margins."England's long-held dream was realized.

Autographs, selfies and chit-chat: Jaiswal's heartwarming interaction with fans

New Delhi. Yashasvi Jaiswal had a heart-warming interaction with the fans at Harare Sports Club after the conclusion of the 4th T20I against Zimbabwe. Jaiswal expressed his gratitude for being part of the T20 World Cup winning team and said that he learnt a lot despite not getting any games under his belt. Jaiswal played a match-winning knock of 93 runs as he helped India win by 10 wickets in the 4th T20I. The 22-year-old won the Player of the Match with his unbeaten knock as he missed out on his 2nd T20I century.The BCCI shared a special video on their social media after the conclusion of the match where Jaiswal met with the Indian fans who had come to support the team on foreign soil. Jaiswal was kind enough to oblige to the selfies and autographs for the fans. He was also put onto the spot by the Indian fans, who posed some interesting questions to the youngster.

An Indian fan asked how he felt after not being picked in the playing XI during the T20 World Cup and how he managed to be back in form despite some gap.

"I just enjoyed my process and really enjoyed being a part of the World Cup champion team. And I learned a lot and I was really excited. Whenever I get chance and I will try my best and make sure that I'm contributing for my team and winning the game for my team and I really enjoyed playing today, playing with Shubman bhai," Jaiswal said in the video."It was an amazing experience and I really enjoyed playing and scoring runs. Of course, whenever I play for India, I really enjoy and feel proud.

2000 IND vs SA series: Court says some matches fixed, attempts made to fix others

A Delhi court, which framed charges against four accused in the 2000 cricket match-fixing scandal case, said some matches of the India-South Africa Test and ODI series were fixed and attempts were made to fix other fixtures.

New Delhi. A Delhi court, which framed charges against four accused in the 2000 cricket match-fixing scandal case, said some matches of the India-South Africa Test and ODI series were fixed and attempts were made to fix other fixtures. The two tests and five one-day internationals were held from February 19 to March 19, 2000. The court said, "Investigation also concluded that some of the matches were fixed, and an attempt was made to fix some other matches."It said noting the investigation that in the first test match at Mumbai from February 24 to 28, "It was decided that the South African Team, would not score more than 250 runs in an inning, and the same is evident from the statement of Pieter Strydom and Hansie Cronje before the King's Commission." In the second test match at Bengaluru from March 2 to 6, the court noted that, "Though Hansie Cronje had spoken to other players as per the statements made before the King's Commission, this match was not fixed, although an attempt was made to fix it." Noting the evidence before it, the court said that the first ODI on March 9 in Kochi was a fixed match.

Were the India vs South Africa matches fixed?

"The conversation recorded on March 16, 2000, wherein Hansie Cronje demands outstanding payment and Hansie Cronje's statement before the King's Commission admitting receiving money from Sanjeev Chawla, clearly prove that the 1st One-Day

International was a fixed match," it said.

The statement by Hansie Cronje made before the King's Commission that he had informed Sanjay (alias Sanjeev Chawla) about losing the first One-Day International is further corroborated by the statement of others made before the King's Commission," the court added.Regarding the second ODI at Jamshedpur on March 12, the third ODI at Faridabad on March 15 and the fourth ODI at Baroda on March 17, the court said that Cronje, in his statement before the King's Commission, said that "he was forecasting as to what would happen.""Thus, though the matches were not fixed, it can be inferred that Hansie Cronje helped in giving inside information to the accused persons and helped them in placing bets and earning huge profits," the court said.

Hansie Cronje's role in match-fixing

Regarding the fifth ODI on March 19 at Nagpur, the court said that according to the recorded conversation,"it is evident that Hansie Cronje had agreed to fix the score of the match, and he had also agreed to fix the individual score of Herschelle Gibbs. He had also spoken to Williams to give more than 50 runs in his 10 overs. Both were promised USD 15000 each.""Though the players forgot about the deal in the heat of the game and did not play as per agreed terms, it can be concluded that a serious attempt was made to fix the match," it added.

The court further noted, "From the recorded conversations, it is revealed that between the accused persons, large amounts of foreign exchange also changed hands through hawala dealings for onward payment to the South African members who were part of the criminal conspiracy."

Copa America: Argentina coach Lionel Scaloni calls for a violence-free final

New Delhi. Argentina coach Lionel Scaloni is calling for a peaceful and celebratory atmosphere ahead of Sunday's Copa America final, following recent incidents of violence involving players and fans. The last-four match between Colombia and Uruguay saw clashes erupt after Colombia's 1-0 victory in Charlotte, North Carolina, with Uruguay players engaging in altercations with opposition supporters in the stands.Scaloni, looking ahead to Argentina's clash against Colombia at Miami Gardens' Hard Rock Stadium, emphasized the importance of a harmonious event. "I hope the fans can enjoy themselves, I sincerely wish for that. Besides the joy of winning the title, it would be a pleasure for everyone if the final concludes peacefully," Scaloni expressed during a press conference on Saturday.egarding the altercation involving Uruguay players, Scaloni

expressed empathy, acknowledging the distress caused when family members are caught in such situations. "We expect players to set a positive example, but in such circumstances, reactions can be difficult to predict. I hope incidents like these are not repeated. Witnessing your loved ones amidst such chaos must be deeply distressing," he remarked.

Looking ahead to the final, Scaloni addressed the retirement plans of forward Angel Di Maria, highlighting that the decision to play him would depend on what is best for the team. "Even though it may be his final match, our primary consideration remains the team's needs. Whether he plays or not will be decided accordingly," Scaloni clarified.Argentina, who secured a 2-0 victory over Canada in the semi-finals, aims to continue their successful run in recent finals, having clinched the 2021 Copa America, the Intercontinental Cup against European champions Italy in 2022, and the World Cup in Qatar against France. Scaloni emphasized the significance of the upcoming final, noting the intensity and stakes involved. "Every final has its own unique challenges. We will approach it with determination to win. Every team understands the significance and pressure that comes with a final," Scaloni concluded.

Jaiswall-Gill the new Rohit-Kohli?: Star opener responds to the comparisons

New Delhi. Yashasvi Jaiswal opened up about the comparison of him and Shubman Gill with Rohit Sharma and Virat Kohli. Jaiswal suggested that neither him nor Gill want to be burdened by expectations and just want to focus on their process.

The opening duo of Gill and Jaiswal propelled India to a thumping win by 10 wickets against Zimbabwe in the 4th T20I at the Harare Sports Club on July 13, Saturday. The pair of Gill and Jaiswal shared a 156-run opening stand, which is the fifth highest for India in T20Is.

Rohit and Kohli brought down curtains on their T20I careers after the World Cup triumph in Barbados. This marked the end of an era as two of the stalwarts of the Indian team bid adieu to T20Is for India. The baton has been passed on to the young brigade who have impressed in the ongoing 5-match T20I series against Zimbabwe. IND vs ZIM 4th T20I: Match ReportJaiswal showcased his respect for Rohit and Kohli and acknowledged their contribution to Indian cricket. However, rather than getting overwhelmed with responsibility being given, Jaiswal wanted to take one game at a time.

I think what they have done for Indian cricket is just incredible and being a part of that dressing room is a blessing. We (him and Gill) are trying to take it match-by-match and one day at a time, focussing on the process," Jaiswal said in the post-match conference.he star opener played an unbeaten knock of 93 runs in the 4th T20I and won the Player of the Match. He also admitted that Rohit and Kohli's guidance has helped him gain a lot of experience.How Rohit and Virat's guidance helped Jaiswal?

"It does help to control emotions a lot and read the game better as there are different situations on the ground. And every time you talk to Rohit bhai or Virat bhaiyya, I get a lot of experience, enjoy talking to them and learning from them," Jaiswal said.The youngster has had a great start to his T20I career with 631 runs in 19 matches at a strike-rate 161.79 with five fifties and a hundred to his name.

"To be honest, a lot of things happened in my life. I am really enjoying it. I just try take one day at a time and make sure I enjoy the moment which is very important. Everything else is in God's hands and whatever he gives, I will take it," he concluded.

Received termination letter: 'Sacked' Abdul Razzaq's hilarious reply before WCL final

New Delhi. Abdul Razzaq did not feature in the final of the World Championship of Legends, which was played between India Champions and Pakistan Champions. He did not feature in the playing XI for the final after getting sacked by the PCB as Pakistan's national selector. India Champions won the World Championship of Legends by thrashing Pakistan Champions by 5 wickets at the Edgbaston Stadium in Birmingham on July 13, Saturday. Razzaq and Wahab Riaz were sacked from the selection committee after Pakistan's dismal show in the T20 World Cup 2024.Razzaq was invited as a panellist on a Pakistan TV show ahead of the much-anticipated final between Pakistan Champions and India Champions. Former Pakistan pacer Sikander Bakht enquired if there was some support or prize money promised by the

Pakistan Cricket Board if they beat the India Champions. This interview was in the lead up to the final, which India won, and Razzaq's response over the same has been going viral on social media.

"Termination ka letter aaya hai"

Razzaq's reply left everyone on the panel and the social media in splits as the clip from the show was posted on 'X'.

Tell us if the team has received any support or message from the PC., something like 'win the trophy and we will award you 10,000 dollars?'" Bakht asked Razzaq.The former Pakistan all-rounder answered the question with a twist and said that he has been handed over a letter of resignation by the PCB."Letter aaya hai termination ka (received termination letter)," Razzaq said on a lighter note, relating to his removal as selector.

Razzaq also addressed the allegations regarding favouritism which led to him and Riaz getting sacked. The former Pakistan player clarified that the selection of the players for the T20 World Cup was a collective decision by the 7-member selection committee."How can I sway the other selectors while selecting the team," he said.Meanwhile, Muhammad Yousuf and Asad Shafiq were retained as the selectors following the ouster of Razzaq and Riaz.

Djokovic vs Alcaraz: Wimbledon final ticket 'most expensive' in sports history

Wimbledon 2024: The rematch between Carlos Alcaraz and Novak Djokovic at the All-England Club will feature the most expensive get-in-final tickets in sports history.

New Delhi. Tennis fans hoping to secure a last-minute ticket to the highly anticipated Wimbledon men's final between Novak Djokovic and Carlos Alcaraz are in for a shock. The second consecutive Wimbledon final featuring Djokovic and Alcaraz is on track to break records for the most coveted and expensive tickets in sports history.The skyrocketing demand for tickets has led to astronomical prices. American sports commentator Darren Rovell highlighted the situation with eye-popping figures. "Djokovic-Alcaraz Wimbledon Final will be the most expensive get-in finals tickets in the history of sports," Rovell wrote on X. "Right now, WORST SEAT for Sunday is more than $10,000."In Indian rupees, this staggering amount equates to Rs 835193.50. With Wimbledon's Centre Court boasting a capacity of 14,979, the total value of all seats at that price would amount to a mind-blowing Rs 12,500,000.36. This figure dwarfs the prize money awarded to the winner. The victor's check exceeds Rs 29 crore, a significant portion of the nearly Rs 500 crores total prize pool for the tournament.

Novak Djokovic, 37, is on the brink of equaling Roger Federer's record of eight Wimbledon titles. A victory on Sunday

would mark Djokovic's 25th major championship, surpassing Margaret Court's career record of 24 Grand Slam titles. This milestone would further cement Djokovic's status as one of the greatest players in tennis history.Carlos Alcaraz, 21, also has significant stakes in the upcoming match. The Spaniard has been a model of consistency on tour this year and is vying for his fourth Grand Slam title, having won the French Open last month. At such a young age, Alcaraz has already reached major finals on all three surfaces, becoming the youngest player to achieve this feat.Although Djokovic and Alcaraz have yet to face off in 2024, Djokovic emerged victorious in their last two meetings in 2023 and holds a 3-2 record against Alcaraz. This head-to-head history adds an extra layer of intrigue to the final.

Ananya Panday

Sends Love To Newlywed Couple Anant Ambani, Radhika Merchant: 'Wish You A Lifetime Of...'

Ananya Panday recently attended Anant Ambani and Radhika Merchant's wedding in Mumbai. The actress now took to her Instagram handle to share a photo from their big day and wrote, "In the middle of everything going on, there's always a moment in which Radhu and Anant look at each other and that look is always filled with love, peace, joy, friendship and understanding. I wish you two a lifetime of that and so much more, I couldn't imagine love looking any othe way."

Anant Ambani and Radhika Merchant's wedding began yesterday, July 12. The family hosted the auspicious Shubh Vivah or wedding function. The dress code was Indian traditional. The upcoming Shubh Aashirwad ceremony on July 13 will require Indian formal wear, leading up to the grand finale on July 14 with the Mangal Utsav wedding reception, where guests are expected to adorn Indian chic outfits. These jubilant events are all set to unfold at the prestigious Jio World Centre in BKC.At the wedding of Anant Ambani and Radhika Merchant, amidst a guest list full of stars, a video has gone viral showcasing AP Dhillon and Ananya Panday. The clip captures AP's electrifying performance with a bunch of dancers m, while Ananya Panday is also spotted savoring the moment. Viewers are captivated by AP's dynamic singing, further enhancing the thrill of this memorable wedding festivity.

The viral clip which was shared by Instant Bollywood on their Instagram handle, captured AP Dhillon crooning one of his most popular songs 'Insane', alongside Ananya Panday, who can be seen dancing right next to the International pop sensation. At one point, AP Dhillon also puts his hands on Ananya's shoulders. The video is now doing the rounds of social mediaThe glitz and glamour of Bollywood and Hollywood combined on the vibrant red carpet as they gathered to celebrate the grand family wedding. Among the star-studded baraat were renowned figures like the Kardashian sisters, the legendary Rajnikanth, emerging talents like Khushi Kapoor and Ananya Panday, and the ever-energetic Ranveer Singh, who set the stage on fire with his infectious dance moves.

Hina Khan Recalls Her Mother's Reaction to Her Cancer Diagnosis: 'The Shock That She Felt Was...'

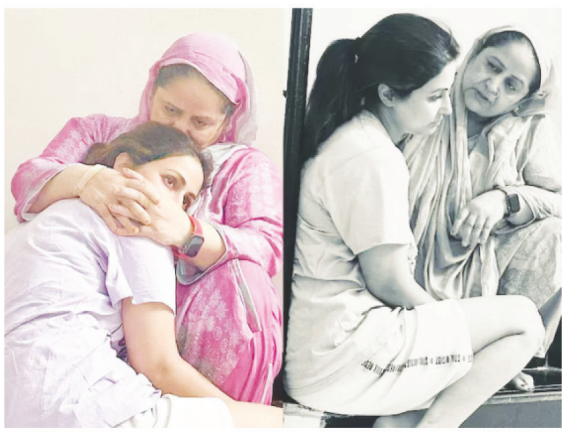

On June 28, actor Hina Khan, known for her role as Akshara in Yeh Rishta Kya Kehlata Hai, revealed she has stage 3 breast cancer. In a heartfelt statement, she reassured fans that she is coping well despite the diagnosis. Despite facing numerous challenges, Hina Khan stands resilient in her fight against breast cancer. On Saturday, the actress dropped a series of photos in which she hugs her mother and wrote a long note about finding shelter and strength in her mother's loving arms. She also revealed that the day was when she told her mom about the diagnosis.In the caption, Hina wrote about a mother's love and recalled her mother's reaction when she heard of Hina's cancer diagnosis. She wrote, "A mother's heart can consume an Ocean of Sorrow and Pain to provide Shelter, love and comfort to her children. This was the day she received the news of my diagnosis, the shock that she felt was inexplicable but she found a way to hold me and forget her pain. A Superpower in which Mothers excel always. Even her world was crumbling down yet she found a way to shelter me in her arms and give me strength."

On Wednesday, Hina shared a cryptic post on her Instagram story. "Nobody can take away your pain but Allah," read the post shared by Hina. The actress captioned it: "Please Allah please." Embracing her journey, Hina has also chosen to cut her hair and continues to inspire her followers with her steadfast determination through heartfelt social media updates.

Earlier, Hina had also shared a video on her Instagram attending an award function. In the caption, she mentioned that despite her diagnosis, she made a "conscious choice to normalise" her presence. She further mentioned that she accepted the award at the function and went straight to hospital for her first chemotherapy session.She continued, "We become what we believe in and I have decided to take this challenge as an opportunity to reinvent myself, again. I have decided to keep the spirit of positivity as the first tool in my toolkit.

Emraan Hashmi Regrets Calling Aishwarya Rai 'Plastic': 'I Would Love To Apologise If...'

Emraan Hashmi stirred up controversy during a quick-paced segment on Karan Johar's talk show Koffee with Karan by referring to Aishwarya Rai Bachchan as "plastic." This remark, made back in 2014, generated significant attention and criticism. Emraan has addressed the backlash and repercussions he encountered as a result of his statement. In a recent conversation with The Lallantop, Emraan revisited the controversial comment he made.During the interview, Emraan was questioned about his feelings regarding labeling Aishwarya as "plastic," to which he responded, "I regret it. I keep saying that I have utmost respect for everyone I spoke about. I regret it because it was distasteful. Lately, people have become very sensitive. People get mad at everything on social media. In terms of the show, we were playing a game, it was all in jest. It was supposed to be taken sportingly. There are many such games in the show. Earlier, people weren't this sensitive. I would love to apologise if she felt offended."

During the fast-paced segment on Koffee with Karan season four, Emraan spontaneously associated the word "plastic" with Aishwarya Rai when prompted to name an actor. Although Aishwarya never directly addressed his comment, she disclosed in a 2019 Filmfare interview that the harshest criticism against her was being called "fake and plastic."

In a separate conversation with Hindustan Times, Emraan recounted the aftermath of his response during the rapid-fire round. He shared that Karan hesitated, considering the appropriateness of including Emraan's answer. The atmosphere on set grew tense, with crew members unsure of whether to retain his statement

Ameesha Patel

Had Emraan Hashmi Dropped From Mahesh Bhatt Film, Here's What He Did: 'I'd Go to Sets And...'

Emraan Hashmi continues to reign in the hearts of audiences since his debut in the 2003 film Footpath. Originally set to star in Mahesh Bhatt's Yeh Zindagi Ka Safar alongside Ameesha Patel, he was dropped from it after Ameesha felt he lacked experience. Emraan shared in an interview with The Lallantop, the actor said that his first film was Yeh Zindagi Ka Safar, originally with Govinda in the lead."I was doing an acting course with Roshan Taneja at the time. After a month, (Mahesh) Bhatt called and said that Govinda is not in the film anymore, there was an issue with his dates. He asked Roshan Taneja, 'Is my boy ready to shoot the film?' and Roshan Taneja said, 'He is ready!' I heard this, and I was trembling with nervousness because I was not ready. I was still mentally preparing myself for another film that was going on floors after six months. I said I wasn't ready, and Bhatt sahab said, 'No, you will never be ready. You have to jump in the deep end, and this is the film, you'll have to jump'. I was not ready, Ameesha also felt I was too raw," he recalled.

When asked about Ameesha's opinion that he wasn't right for the role, Emraan said that Ameesha thought he couldn't handle it, after she had given just one hit film. He said, "Ameesha felt I wouldn't be able to pull it off. She had just delivered a hit film (Kaho Naa Pyaar Hai), so she was worried, she wanted the casting to be right for the hero. She wanted an experienced actor to be cast for the role, not someone totally inexperienced, someone who's only done one month acting course. So, she went to Bhatt sahab and said, 'I don't think Emraan is the right fit'. I was infuriated, I was very angry with her. Now when I look back, I feel Ameesha, from her point of view, was correct."

Emraan then revealed that he responded to Ameesha's criticism by visiting the film set unnecessarily and staring at her. "I used to go to the film's set, and watch her shoot, I used to stare at her as well. I also told Bhatt sahab to give me a chance. It wasn't that I actually couldn't act; it was Ameesha who felt that I couldn't act. I was free at the time, so I would go on the film's set because I wanted to stay engaged with the process of filmmaking. I used to go on set everyday. I was not an assistant on the film, I used to just go to see. Then I signed my first film with Vishesh Films, Footpath."